Drishti IAS Presents...

PT SPRINT 2022

शासन व्यवस्था तथा सामाजिक न्याय

(जनवरी 2021 – मार्च 2022)

Detailed Explanation

Drishti IAS, 641, Mukherjee Nagar, Opp. Signature View Apartment, New Delhi

Drishti IAS, 21 Pusa Road, Karol Bagh New Delhi - 05

Drishti IAS, Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj, Uttar Pradesh

Drishti IAS, Tonk Road, Vasundhra Colony, Jaipur, Rajasthan

e-mail: englishsupport@groupdrishti.com, Website: www.drishtiias.com

Contact: 011430665089, 7669806814, 8010440440

उत्तर

Q.1

उत्तर: C

व्याख्या:

लोकपाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- वर्ष 1809 में स्वीडन में आधिकारिक तौर पर लोकपाल संस्था का उद्घाटन किया गया। अत: कथन 1 सही है।
- 20वीं शताब्दी में एक संस्था के रूप में ओम्बड्समैन का विकास हुआ और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इसके विकास में तेज़ी आई।
    - वर्ष 1967 में व्हाइट रिपोर्ट (वर्ष 1961) की सिफारिशों पर ग्रेट ब्रिटेन ने लोकपाल संस्था को अपनाया और इस तरह की प्रणाली रखने वाला लोकतांत्रिक दुनिया का पहला बड़ा राष्ट्र बन गया। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- भारत में संवैधानिक ओम्बड्समैन का विचार सर्वप्रथम वर्ष 1960 के दशक की शुरुआत में कानून मंत्री अशोक कुमार सेन ने संसद में प्रस्तुत किया था।
    - लोकपाल और लोकायुक्त शब्द डॉ. एल.एम. सिंघवी द्वारा गढ़े गए थे। अत: कथन 3 सही है।
    - Ombudsman का कार्य कुछ निश्चित श्रेणी के सरकारी अधिकारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोपों की जाँच करना है।

प्रश्न 2:

उत्तर: C

व्याख्या

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC)

- यह 28 दिसंबर, 1953 को अस्तित्व में आया, जिसके पश्चात् शिक्षा मंत्रालय के तहत यूजीसी अधिनियम, 1956 द्वारा भारत सरकार का एक वैधानिक संगठन बन गया। अत: कथन 1 सही है।
- UGC के जनादेश में शामिल हैं:
    - विश्वविद्यालयी शिक्षा को बढ़ावा देना एवं समन्वय स्थापित करना।
    - विश्वविद्यालयों में शिक्षण, परीक्षा एवं अनुसंधान के मानकों का निर्धारण।
    - शिक्षा के न्यूनतम मानकों पर नियम बनाना।
    - कॉलेजिएट और विश्वविद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में विकास की निगरानी करना; विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को अनुदान वितरित करना।
    - केंद्र एवं राज्य सरकारों और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच एक महत्त्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करना। अत: कथन 2 सही है।
    - विश्वविद्यालय में सुधार हेतु आवश्यक उपायों पर केंद्र एवं राज्य सरकारों को सलाह देना।

Q.3

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय मीडिया प्रत्यायन दिशा-निर्देश-2022 जारी किये गए हैं।
- प्रत्यायन वापस लेने/निलंबित करने से संबंधित प्रावधान:
    - यदि कोई पत्रकार देश की सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों, सार्वजनिक व्यवस्था के लिये गलत तरीके से कार्य करता है या उस पर गंभीर संज्ञेय अपराध का आरोप है। अत: कथन 1 सही है।
    - यदि उसका कार्य शालीनता या नैतिकता के प्रतिकूल है या अदालत की अवमानना, मानहानि या किसी अपराध हेतु उकसाने से संबंधित है।
        - मान्यता प्राप्त मीडियाकर्मियों को सार्वजनिक/सोशल मीडिया प्रोफाइल, विज़िटिंग कार्ड्स, लेटर हेड्स या किसी अन्य फॉर्म या किसी भी प्रकाशित सामग्री पर "भारत सरकार से मान्यता प्राप्त" शब्द का उपयोग करने से प्रतिबंधित करना।
- प्रत्यायन प्रदान करने से संबंधित प्रावधान:
    - प्रत्यायन केवल दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के पत्रकारों के लिये ही उपलब्ध है जिसकी कई श्रेणियाँ हैं।
    - एक पत्रकार को पूर्णकालिक पत्रकार या समाचार संगठन में एक कैमरापर्सन के रूप में न्यूनतम पाँच वर्ष का पेशेवर अनुभव होना चाहिये या पात्र बनने के लिये फ्रीलांसर के रूप में न्यूनतम 15 वर्ष का अनुभव होना चाहिये।
        - 30 से अधिक वर्षों के अनुभव वाले और 65 वर्ष से अधिक आयु के वयोवृद्ध पत्रकार भी पात्र हैं।
    - एक समाचार पत्र या पत्रिका के लिये न्यूनतम दैनिक संचलन 10,000 होना चाहिये और समाचार एजेंसियों के पास कम-से-कम 100 ग्राहक होने चाहिये। विदेशी समाचार संगठनों और विदेशी पत्रकारों पर भी इसी तरह के नियम लागू होते हैं।
    - डिजिटल समाचार प्लेटफॉर्मों के साथ काम करने वाले पत्रकार भी पात्र हैं, बशर्ते वेबसाइट पर प्रतिमाह न्यूनतम 10 लाख विशिष्ट विज़िटर होने चाहिये।
    - विदेशी समाचार मीडिया संगठनों के लिये काम करने वाले स्वतंत्र पत्रकारों को कोई मान्यता नहीं दी जाएगी। अत: कथन 2 सही नहीं है।

प्रश्न.4.

उत्तर: D

व्याख्या:

राष्ट्रमंडल:

- यह उन देशों का एक अंतर्राष्ट्रीय अंतर-सरकारी संगठन है जो ज़्यादातर ब्रिटिश साम्राज्य और उस पर निर्भर क्षेत्र थे।
- इसकी स्थापना वर्ष 1949 में लंदन घोषणापत्र द्वारा की गई थी। अत: कथन 1 सही है।
- महारानी एलिजाबेथ द्वितीय राष्ट्रमंडल की प्रमुख हैं। अत: कथन 2 सही है।
- वर्तमान में 54 देश इसके सदस्य हैं। यह सदस्यता स्वतंत्र और समान स्वैच्छिक सहयोग पर आधारित है। अत: कथन 3 सही है।
  - यह 2.5 अरब लोगों का आश्रय स्थल है, इसमें उन्नत अर्थव्यवस्थाएँ और विकासशील देश दोनों शामिल हैं।
- वर्ष 2009 में राष्ट्रमंडल में शामिल होने वाला अंतिम देश रवांडा था।
- राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक को राष्ट्रमंडल देशों के शासनाध्यक्षों की द्विवार्षिक शिखर बैठक कहा जाता है।

प्रश्न:5

उत्तर: B

व्याख्या:

- भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 124ए के तहत देशद्रोह एक अपराध है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 1962 में केदार नाथ सिंह बनाम बिहार राज्य मामले में धारा 124A की संवैधानिकता पर अपना निर्णय दिया। इसने देशद्रोह की संवैधानिकता को बरकरार रखा लेकिन इसे अव्यवस्था पैदा करने का इरादा, कानून और व्यवस्था की गड़बड़ी तथा हिंसा के लिये उकसाने की गतिविधियों तक सीमित कर दिया।
  - विद्रोह में वैमनस्य और शत्रुता की सभी भावनाएँ शामिल होती हैं। हालाँकि इस खंड के तहत घृणा या अवमानना फैलाने की कोशिश किये बिना की गई टिप्पणियों को अपराध की श्रेणी में शामिल नहीं किया जाता है।
- राजद्रोह के अपराध हेतु दंड: राजद्रोह गैर-जमानती अपराध है। राजद्रोह के अपराध में तीन वर्ष से लेकर उम्रकैद तक की सज़ा हो सकती है और इसके साथ ज़ुर्माना भी लगाया जा सकता है। अत: कथन 2 सही है।
  - इस कानून के तहत आरोपित व्यक्ति को सरकारी नौकरी प्राप्त करने से रोका जा सकता है। अत: कथन 3 सही है।
  - आरोपित व्यक्ति को पासपोर्ट के बिना रहना होता है, साथ ही आवश्यकता पड़ने पर उसे न्यायालय में पेश होना ज़रूरी है।

प्रश्न.6.

उत्तर: C

व्याख्या:

- नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) का गठन भारत सरकार द्वारा 1986 में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के तहत किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
  - यह गृह मंत्रालय के तहत सर्वोच्च समन्वय एजेंसी है।
- मादक औषधियों और मन:प्रभावी पदार्थों पर राष्ट्रीय नीति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 47 पर आधारित है, जो राज्य को स्वास्थ्य के लिये हानिकारक नशीले पदार्थों के औषधीय प्रयोजनों को छोड़कर, उपभोग पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास करने का निर्देश देती है। अत: कथन 2 सही है।
  - नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर नियंत्रण केंद्र सरकार की ज़िम्मेदारी है।

प्रश्न 7:

उत्तर: C

व्याख्या

- खान एवं खनिज विकास नियमन (संशोधन) अधिनियम, 2015 के अनुसार, खनन से संबंधित कार्यों से प्रभावित प्रत्येक ज़िले में राज्य सरकार अधिसूचना द्वारा एक गैर-लाभकारी निकाय के रूप में एक ट्रस्ट की स्थापना करेगी, जिसे 'ज़िला खनिज फाउंडेशन' कहा जाएगा। अत: कथन 1 सही है।
- खनन कंपनियाँ उस ज़िले में जहाँ वे काम कर रही हैं 'ज़िला खनिज फाउंडेशन' ट्रस्ट को सरकार को भुगतान की जाने वाली रॉयल्टी राशि का 10-30% योगदान देती हैं।
- खान मंत्रालय (MoM) के आँकड़ों के अनुसार, अब तक देश के 572 ज़िलों में 'ज़िला खनिज फाउंडेशन' की स्थापना की गई है, जिसका संचयी उपार्जन 40,000 करोड़ रुपए से अधिक है।
- ज़िला खनिज फाउंडेशन' ट्रस्टों के कामकाज और राज्यों के ज़िला खनिज फाउंडेशन' नियमों द्वारा शासित फंड के उपयोग में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (PMKKKY) शामिल है जो निवेश के उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को निर्दिष्ट करती है। अत: कथन 2 सही है।

प्रश्न 8:

उत्तर: A

व्याख्या:

- भारत में विदेशी वित्तपोषण को विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (FCRA), 2010 के तहत विनियमित किया जाता है और गृह मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। अत: कथन 1 सही है और कथन 2 सही नहीं है।

- किसी व्यक्ति विशिष्ट या गैर-सरकारी संगठन को गृह मंत्रालय की अनुमति के बिना विदेशी योगदान स्वीकार करने की अनुमति होती है।
  - हालाँकि इस तरह के विदेशी योगदान की स्वीकृति हेतु मौद्रिक सीमा 25,000 रुपए से कम होनी चाहिये। अत: कथन 3 सही नहीं है।

Q.9

उत्तर: D

व्याख्या:

- विश्वनाथन समिति, 2019:
  - इसने धर्म, नस्ल, जाति या समुदाय, लिंग, लैंगिक पहचान, यौन, जन्म स्थान, निवास, भाषा, विकलांगता या जनजाति के आधार पर अपराध करने के लिये उकसाने हेतु आईपीसी में धारा 153 सी (बी) और धारा 505 ए का प्रस्ताव रखा।
  - इसने 5,000 रुपए के जुर्माने के साथ दो वर्ष तक की सज़ा का प्रस्ताव रखा। अत: विकल्प D सही है।

Q.10

उत्तर: C

व्याख्या:

- डिफॉल्ट जमानत के बारे में:
  - कानूनी स्रोत: यह ज़मानत का अधिकार है जो तब प्राप्त होता है जब पुलिस न्यायिक हिरासत में लिये किसी व्यक्ति के संबंध में एक निर्दिष्ट अवधि के भीतर जाँच पूरी करने में विफल रहती है। अत: कथन 1 सही है।
    - इसे वैधानिक जमानत के रूप में भी जाना जाता है।
    - यह दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 167(2) में निहित है।
  - सर्वोच्च न्यायालय का फैसला: वर्ष 2020 में बिक्रमजीत सिंह मामले , में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा देखा गया कि आरोपी को 'डिफ़ॉल्ट जमानत' का एक अपरिहार्य अधिकार प्राप्त है, यदि उसके द्वारा किसी अपराध की जांच के लिये अधिकतम अवधि समाप्त होने के बाद और चार्जशीट दायर करने से पहले आवेदन किया करता है।
    - CrPC की धारा 167 (2) के तहत डिफ़ॉल्ट जमानत का अधिकार, न केवल एक वैधानिक अधिकार, बल्कि अनुच्छेद 21 के तहत कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया का हिस्सा भी है। अत: कथन 2 सही है।
  - अंतर्निहित सिद्धांत: सामान्य तौर पर, जाँच एजेंसी की चूक पर जमानत के अधिकार को 'अपरिहार्य अधिकार' माना जाता है, लेकिन उचित समय पर इसका लाभ उठाया जाना चाहिये।
    - डिफॉल्ट बेल एक अधिकार है जिसमें अपराध की प्रकृति को बेल का आधार न माना जाता है।
    - इसकी निर्धारित अवधि जिसके भीतर आरोप पत्र दायर किया जाना है, उस दिन से शुरू होती है तथा जब आरोपी को पहली बार रिमांड पर लिया जाता है तब तक होती है।
    - CrPC की धारा 173 के तहत, पुलिस अधिकारी किसी अपराध की आवश्यक जाँच पूरी होने के बाद रिपोर्ट दर्ज़ करने के लिये बाध्य है। इस रिपोर्ट को आम बोलचाल की भाषा में चार्जशीट (Charge Sheet) कहा जाता है।

Q.11

उत्तर: C

व्याख्या:

- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य के लिये ऊर्जा नीतियों को आकार देने हेतु दुनिया भर के देशों के साथ कार्य करती है।
  - भारत IEA का एक सदस्य देश नहीं बल्कि एक सहयोगी सदस्य (Association Country) है। हालाँकि IEA ने भारत को पूर्णकालिक सदस्य बनने के लिये आमंत्रित किया है। अत: कथन 1 सही है।
  - IEA और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (EESL - Ministry of Power) ने ऊर्जा कुशल प्रकाश व्यवस्था के कई लाभों को प्रदर्शित करने के लिये भारत सरकार के घरेलू कुशल प्रकाश कार्यक्रम - 'उजाला' (UJALA) पर मिलकर केस स्टडी की।
- मिशन इनोवेशन (MI) स्वच्छ ऊर्जा नवाचार में तेज़ी लाने के लिये 24 देशों और यूरोपीय आयोग (यूरोपीय संघ की ओर से) की एक वैश्विक पहल है।
  - भारत इसके सदस्य देशों में से एक है। अत: कथन 2 सही है।

Q.12

उत्तर: A

व्याख्या:

- भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) आधार अधिनियम 2016 के प्रावधानों का पालन करते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा 12 जुलाई, 2016 को स्थापित एक वैधानिक प्राधिकरण है। अत: कथन 1 सही है।
- UIDAI को भारत के सभी निवासियों को 12 अंकों की विशिष्ट पहचान (UID) संख्या (आधार) प्रदान करना अनिवार्य है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- UIDAI की स्थापना भारत सरकार द्वारा जनवरी 2009 में योजना आयोग के तत्वावधान में एक संलग्न कार्यालय के रूप में की गई थी।

Q.13

उत्तर: B

व्याख्या:

- व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (पीडीपी) कानून, जिसे आमतौर पर "गोपनीयता विधेयक" के रूप में जाना जाता है और यह डेटा के संग्रह, संचालन एवं प्रसंस्करण को विनियमित करके व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा करने का वादा करता है जिसके द्वारा व्यक्ति की पहचान किया जा सकता है।
  - यह सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बी.एन. श्रीकृष्ण की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा विगत में तैयार किये गए मसौदे से प्रेरित है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - सर्वोच्च न्यायालय ने पुट्टस्वामी फैसले (2017) में कहा कि निजता का अधिकार एक मौलिक अधिकार है।
- यह विधेयक सरकार को विदेशों से कुछ प्रकार के व्यक्तिगत डेटा के हस्तांतरण को अधिकृत करने की शक्ति देता है और सरकारी एजेंसियों को नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा एकत्र करने की अनुमति देता है।
  - कानून के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिये एक डेटा संरक्षण प्राधिकरण की परिकल्पना की गई है।
  - इसमें 'भूलने के अधिकार' का भी उल्लेख है। इसमें कहा गया है कि 'डेटा प्रिंसिपल' (जिस व्यक्ति से डेटा संबंधित है) को 'डेटा फिड्यूशरी' द्वारा अपने व्यक्तिगत डेटा के निरंतर प्रकटीकरण को प्रतिबंधित करने या रोकने का अधिकार होगा। अत: कथन 2 सही है।

Q.14

उत्तर: C

व्याख्या:

- खासी हिल्स ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल (KHADC) संविधान की छठी अनुसूची के तहत एक निकाय है। अत: कथन 1 सही है।
- इसे कानून बनाने का अधिकार नहीं है।
- छठी अनुसूची का अनुच्छेद 12A राज्य विधानमंडल को कानून पारित करने का अंतिम अधिकार देता है।
- संविधान की छठी अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिज़ोरम राज्यों में जनजातीय आबादी के अधिकारों की रक्षा के लिये आदिवासी क्षेत्रों के प्रशासन का प्रावधान करती है। अत: कथन 2 सही है।
  - यह विशेष प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 244 (2) और अनुच्छेद 275 (1) के तहत किया गया है।
  - यह स्वायत्त ज़िला परिषदों ((ADCs) के माध्यम से उन क्षेत्रों के प्रशासन को स्वायत्तता प्रदान करता है, जिन्हें अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों के संबंध में कानून बनाने का अधिकार है।

Q.15

उत्तर: B

व्याख्या:

- कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार- व्हिसलब्लोइंग (Whistleblowing) एक ऐसी कार्रवाई है जिसका उद्देश्य किसी संगठन में अनैतिक प्रथाओं (जैसे कि अनियमित लेखांकन) के लिये हितधारकों का ध्यान आकर्षित करना हैं।
- एक व्हिसलब्लोअर कोई भी व्यक्ति हो सकता है जो गलत प्रथाओं को उजागर करता है और आरोपों का समर्थन करने के लिए सबूत रखता है। अत: कथन 1 सही है।
  - ये संगठन के भीतर या बाहर से हो सकते हैं, जैसे- वर्तमान और पूर्व कर्मचारी, शेयरधारक, बाहरी लेखा परीक्षक और अधिवक्ता।
- भारत में व्हिसलब्लोअर को व्हिसलब्लोअर्स संरक्षण अधिनियम, 2014 (WhistleBlowers Protection Act, 2014) द्वारा संरक्षित किया जाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - जनवरी 2020 में, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) इनसाइडर ट्रेडिंग मामलों के बारे में जानकारी साझा करने के लिये व्हिसल ब्लोअर और अन्य मुखबिरों को पुरस्कृत करने के लिये एक नए तंत्रको को लागू किया है।
    - इनसाइडर ट्रेडिंग शेयर बाज़ार में एक अनुचित और अवैध प्रथा है, जिसमें किसी कंपनी के बारे में महत्वपूर्ण इनसाइडर गैर-सार्वजनिक जानकारी की कमी के कारण अन्य निवेशकों को काफी नुकसान होता है।.
- हाल ही में भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (IREDA) ने 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2021' के एक भाग के रूप में 'व्हिसलब्लोअर पोर्टल' लॉन्च किया है।
  - यह भ्रष्टाचार के प्रति IREDA की "ज़ीरो टॉलरेंस" का एक हिस्सा है। इस पोर्टल के माध्यम से IREDA के कर्मचारी धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग आदि से संबंधित चिंताओं को उठा सकते हैं।
  - IREDA नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत भारत सरकार का एक मिनी रत्न (श्रेणी - I) उद्यम है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

Q.16

उत्तर: C

व्याख्या:

- खनन से संबंधित संवैधानिक प्रावधान:
  - भारतीय संविधान की सूची-II (राज्य सूची) के क्रम संख्या-23 में प्रावधान है कि राज्य सरकार को अपनी सीमा के अंदर मौजूद खनिजों पर नियंत्रण रखने का अधिकार है। अत: कथन 2 सही है।
  - सूची-I (केंद्रीय सूची) के क्रमांक-54 में प्रावधान है कि केंद्र सरकार को भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) के भीतर खनिजों पर नियंत्रण रखने का अधिकार है। अत: कथन 1 सही है।
  - सभी अपतटीय खनिजों (भारतीय समुद्री क्षेत्र में स्थित समुद्र या समुद्र तल से निकाले गए खनिज जैसे- प्रादेशिक जल, महाद्वीपीय शेल्फ और अनन्य आर्थिक क्षेत्र) पर केंद्र सरकार का स्वामित्व है।

Q.17

उत्तर: A

व्याख्या:

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्तीय वर्ष 2021-22 की शेष अवधि से वर्ष 2025-26 तक सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (Member of Parliament Local Area Development Scheme- MPLADS) की बहाली को मंज़ूरी प्रदान की है।
  - यह एक केंद्रीय क्षेत्रक योजना (Central Sector Scheme) है जिसकी घोषणा दिसंबर 1993 में की गई थी। अत: कथन 1 सही है।
- इस योजना का उद्देश्य सांसदों को मुख्य रूप से अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों की सिफारिश करने में सक्षम बनाना है जिसके तहत पेयजल, प्राथमिक शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और सड़कों इत्यादि क्षेत्रों में टिकाऊ सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष ज़ोर दिया जाता है।
  - जून 2016 से MPLADS फंड का उपयोग स्वच्छ भारत अभियान, सुगम्य भारत अभियान, वर्षा जल संचयन के माध्यम से जल संरक्षण और सांसद आदर्श ग्राम योजना आदि के कार्यान्वयन के लिये भी किया जा सकता है। अत: कथन 2 सही है।
- प्रति सांसद निर्वाचन क्षेत्र हेतु निर्दिष्ट वार्षिक MPLADS राशि 5 करोड़ रुपए है, जो प्रत्येक 2.5 करोड़ रुपए की दो किस्तों में जारी की जाती है।
- लोकसभा सांसदों को अपने लोकसभा क्षेत्रों में ज़िला प्राधिकरण परियोजनाओं की सिफारिश करनी होती है, जबकि राज्यसभा सांसदों को इसे उस राज्य में खर्च करना होता है जिसने उन्हें सदन के लिये चुना है।
- राज्यसभा और लोकसभा दोनों के मनोनीत सदस्य देश में कहीं भी कार्यों की सिफारिश कर सकते हैं। अत: कथन 3 सही नहीं है।

Q.18

उत्तर: B

व्याख्या

- हाल ही में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने नए 'सुगम्यता मानकों' हेतु मसौदा दिशा-निर्देश जारी किये हैं।
  - इनके तहत लगभग सभी टेलीविज़न चैनलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे या तो कैप्शन या सांकेतिक भाषा का उपयोग करें, ताकि श्रवण बाधितों को प्रोग्रामिंग को समझने में मदद मिल सके।
- इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य 'श्रवण बाधित लोगों के लिये टेलीविज़न कार्यक्रमों हेतु सुगम्यता मानक' प्रदान करना है।
  - इन मानकों को दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत अधिसूचित किया जाएगा, ताकि सुनने में अक्षम व्यक्तियों के लिये टेलीविज़न सामग्री को अधिक समावेशी बनाया जा सके।
  - सभी प्रोग्रामिंग या सामग्री जैसे- संगीत शो, वाद-विवाद, स्क्रिप्टेड/अनस्क्रिप्टेड रियलिटी शो, आदि और विज्ञापनों एवं टेलीशॉपिंग सामग्री के लिये इन मानकों का पालन करना होगा। अत: विकल्प B सही है।

Q.19.

उत्तर: A

व्याख्या:

राष्ट्रीय संग्रहालय, दिल्ली

- दिल्ली में राष्ट्रीय संग्रहालय की स्थापना का खाका 'मौरिस ग्वायर समिति' द्वारा मई 1946 में तैयार किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- इसकी शुरुआत में वर्ष 1957 तक यह पुरातत्त्व महानिदेशक के अंतर्गत कार्यरत था, बाद में शिक्षा मंत्रालय ने इसे एक अलग संस्थान घोषित किया और अपने प्रत्यक्ष नियंत्रण में रखा। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - वर्तमान में राष्ट्रीय संग्रहालय संस्कृति मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है।

प्रश्न.20

उत्तर: A

व्याख्या:

- 'विश्व शौचालय दिवस' (19 नवंबर) समारोह के भाग के रूप में एक सप्ताह का 'स्वच्छ अमृत दिवस' तक चलने वाले सफाई मित्र सुरक्षा चुनौती (Safari Mitra Suraksha Challenge- SSC) जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। अत: कथन 1 सही है।
- यह आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 'विश्व शौचालय दिवस' (19 नवंबर) के अवसर पर शुरू किया गया है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- इसका उद्देश्य स्वच्छता को लेकर लोगों के मध्य नकारात्मक विचारधारा को समाप्त करना है क्योंकि शौचालय और स्वच्छता के मुद्दे पर चुप्पी के घातक परिणाम हो सकते हैं।.
    - सरकार द्वारा अप्रैल 2021 में सभी राज्यों के लिये सीवर-सफाई को मशीनीकृत करने के लिये चेलेंज फॉर आल की शुरुआत की गई। इसके साथ ही यदि किसी व्यक्ति को अपरिहार्य आपात स्थिति में सीवर लाइन में प्रवेश करने की आवश्यकता होती है, तो उसे उचित उपकरण/सामग्री और ऑक्सीजन सिलेंडर आदि उपलब्ध कराए जाने चाहिये।

प्रश्न.21.

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में ग्रामीण विकास मंत्रालय ने 'भूमि संवाद' - डिजिटल इंडिया भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम (DILRMP) पर राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया।
    - मंत्रालय ने राष्ट्रीय सामान्य दस्तावेज़ पंजीकरण प्रणाली (NGDRS) पोर्टल और डैशबोर्ड भी लॉन्च किया।
- डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (DILRMP) को कैबिनेट ने 21 अगस्त, 2008 को मंज़ूरी दी थी। देश में भूमि अभिलेख प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिये एक संशोधित कार्यक्रम अर्थात् राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (NLRMP) तैयार किया गया है जिसे अब डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (DILRMP) के नाम से जाना जाता है। अत: विकल्प A सही है।

प्रश्न. 22.

उत्तर: B

व्याख्या

मैट्रिक्स के विषय में:

- हाल ही में रिश्वत-रोधी मानक निर्धारण संगठन- 'TRACE' द्वारा 'रिश्वत जोखिम मैट्रिक्स-2021' जारी किया गया।
- यह 194 देशों, क्षेत्रों और स्वायत्त एवं अर्द्ध-स्वायत्त क्षेत्रों में रिश्वतखोरी जोखिम को मापता है।
- यह मूलत: वर्ष 2014 में दुनिया भर में वाणिज्यिक रिश्वतखोरी के जोखिमों के बारे में अधिक विश्वसनीय और सूक्ष्म जानकारी संबंधी व्यावसायिक समुदाय की आवश्यकता को पूरा करने के लिये प्रकाशित किया गया था।
- यह संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक, गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय में 'वी-डेम' संस्थान और विश्व आर्थिक मंच सहित प्रमुख सार्वजनिक हित एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से प्राप्त प्रासंगिक डेटा एकत्र करता है। अत: विकल्प B सही है।

प्रश्न. 23.

उत्तर: D

व्याख्या

स्वदेशी विज्ञान आंदोलन

- वर्ष 1991 में अखिल भारतीय स्तर पर स्वदेशी विज्ञान आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया गया और इसे 'विज्ञान भारती' नाम दिया गया। अत: कथन 1 सही नहीं है।
    - इसका एक उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों को अधिक रचनात्मकता और मौलिकता के लिये प्रेरित करना है।
    - इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- स्वदेशी विज्ञान आंदोलन 'भारतीय विज्ञान संस्थान-बंगलूरू' में कुछ प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा प्रोफेसर 'के.आई. वासु' के मार्गदर्शन में शुरू किया गया था। अत: कथन 2 सही नहीं है।
    - इस आंदोलन ने धीरे-धीरे गति पकड़ी और राष्ट्रीय संगठन के रूप में उभरा।

प्रश्न:24

उत्तर: B

व्याख्या :

- USOF इस बात को सुनिश्चित करता है कि ग्रामीण और दूरदराज़ के क्षेत्रों में लोगों तक आर्थिक रूप से उचित कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सेवाओं की सार्वभौमिक गैर-भेदभावपूर्ण पहुँच सुनिश्चित हो। अत: कथन 1 सही है।
- इस फंड के सभी प्रकार के क्रेडिट के लिये संसदीय अनुमोदन की आवश्यकता होती है और इसे भारतीय टेलीग्राफ (संशोधन) अधिनियम, 2003 के तहत वैधानिक समर्थन प्राप्त है। अत: कथन 2 सही है।
- यह एक गैर-व्यपगत निधि है अर्थात् लक्षित वित्तीय वर्ष के तहत खर्च न की गई राशि व्यपगत नहीं होती है और अगले वर्षों के खर्च के लिये प्रयोग की जाती है।
- USOF संचार मंत्रालय के अधीन है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

प्रश्न.25

उत्तर: B

व्याख्या:

- स्वच्छ सर्वेक्षण भारत के शहरों और कस्बों में स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और समग्र स्वच्छता का वार्षिक सर्वेक्षण करता है।
    - इसे स्वच्छ भारत अभियान के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य भारत को स्वच्छ और खुले में शौच से मुक्त बनाना था।
- स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 की श्रेणियाँ:
    - 1 लाख से कम आबादी: महाराष्ट्र के वीटा, लोनावाला और सासवड शहर क्रमश: पहले, दूसरे और तीसरे सबसे स्वच्छ शहर रहे।
    - 1 लाख से अधिक जनसंख्या: लगातार 5वें वर्ष इंदौर (मध्य प्रदेश) को स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत भारत के सबसे स्वच्छ शहर के खिताब से नवाजा गया।
    - बेस्ट गंगा टाउन: वाराणसी। अत: युग्म 1 सुमेलित नहीं है।
    - सबसे स्वच्छ छावनी: अहमदाबाद छावनी 'भारत की सबसे स्वच्छ छावनी' घोषित की गई, उसके पश्चात् मेरठ छावनी और दिल्ली छावनी का स्थान है।
    - 100 से अधिक शहरी स्थानीय निकाय वाले राज्य:
        - छत्तीसगढ़ को लगातार तीसरे वर्ष भारत के 'सबसे स्वच्छ राज्य' के रूप में सम्मानित किया गया है। अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।
        - कर्नाटक "फास्टेस्ट मूवर स्टेट' (Fastest Mover State) के रूप में उभरा है।
    - 100 से कम शहरी स्थानीय निकाय (ULB) वाले राज्य:
        - झारखंड ने दूसरी बार "शहरी स्थानीय निकाय श्रेणी" में सबसे स्वच्छ राज्य का पुरस्कार जीता। अत: युग्म 3 सुमेलित नहीं है।
        - मिज़ोरम छोटे (100 से कम ULB) राज्य की श्रेणी में 'फास्टेस्ट मूवर स्टेट' के रूप में उभरा है।

प्रश्न.26

उत्तर: C

व्याख्या:

- वर्ष 1995 में भूरिया समिति की सिफारिशों के बाद भारत के अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों हेतु आदिवासी स्वशासन सुनिश्चित करने के लिये पेसा अधिनियम 1996 अस्तित्व में आया। अत: कथन 1 सही है।
- पेसा ग्राम सभाओं को विकास योजनाओं की मंज़ूरी देने और सभी सामाजिक क्षेत्रों को नियंत्रित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने का अधिकार देता है। इस प्रबंधन में निम्नलिखित शामिल है:
    - जल, जंगल, ज़मीन पर संसाधन।
    - लघु वनोत्पाद।
    - मानव संसाधन: प्रक्रियाएँ और कार्मिक जो नीतियों को लागू करते हैं।
    - स्थानीय बाज़ारों का प्रबंधन।
    - भूमि अलगाव को रोकना।
    - नशीले पदार्थों को नियंत्रित करना।
    - अत: कथन 2 सही है।

प्रश्न.27.

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS 2019-21) के नवीनतम आँकड़े जारी किये गए हैं।
    - बाल विवाह की स्थिति: 20-24 वर्ष की आयु की महिलाओं की हिस्सेदारी जिन्होंने 18 वर्ष की आयु से पहले शादी की थी, पिछले पाँच वर्षों में 27% से घटकर 23% हो गई है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
        - पश्चिम बंगाल और बिहार में बालिका विवाह (प्रत्येक राज्य में लगभग 41% ऐसी महिलाएँ) का प्रचलन सबसे अधिक था।
        - राजस्थान, मध्य प्रदेश और हरियाणा में कम उम्र के विवाहों के अनुपात में सबसे अधिक कमी देखी गई।
    - बड़े पैमाने पर एनीमिया: 2015-16 के 53% की तुलना में 2019-21 में 15-49 आयु वर्ग की 57% महिलाओं में एनीमिया पाया गया, जबकि पुरुषों का आँकड़ा 22.7% से बढ़कर 25% हो गया। अत: कथन 2 सही है।
        - बड़े राज्यों में एनीमिया से ग्रस्त महिलाओं की संख्या सबसे अधिक पश्चिम बंगाल में और सबसे कम केरल में दर्ज की गई।

प्रश्न. 28.

उत्तर: B

व्याख्या:

- उन कानूनों के लिये जिनमें 'सनसेट क्लॉज़' शामिल नहीं है, संसद को कानून को निरस्त करने के लिये एक और कानून पारित करना होगा।
    - कानूनों को दो तरीकों से निरस्त किया जा सकता है- या तो एक अध्यादेश के माध्यम से या कानून के माध्यम से।

- अध्यादेश: यदि किसी अध्यादेश का उपयोग किया जाता है, तो उसे छह महीने के भीतर संसद द्वारा पारित कानून से प्रतिस्थापित करने की आवश्यकता होगी। अत: कथन 1 सही नहीं है।
    - यदि अध्यादेश संसद द्वारा अनुमोदित नहीं होने के कारण व्यपगत हो जाता है, तो निरसित कानून को पुनर्जीवित किया जा सकता है। अत: कथन 2 सही है।
- कानून के माध्यम से निरसन: सरकार को संसद के दोनों सदनों में कृषि कानूनों को निरस्त करने के लिये कानून पारित करना होगा और इसके लागू होने से पूर्व राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त करनी होगी।

प्रश्न.29

उत्तर: A

व्याख्या:

- स्वच्छ सर्वेक्षण : यह भारत के शहरों और कस्बों में स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन व समग्र स्वच्छता का वार्षिक सर्वेक्षण करता है। अत: कथन 1 सही है।
- इसे स्वच्छ भारत अभियान के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य भारत को स्वच्छ और खुले में शौच से मुक्त बनाना था।
- आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय (MoHUA) सर्वेक्षण के लिये नोडल मंत्रालय है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
    - इससे पहले जल शक्ति मंत्रालय ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण- II के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2021 या ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 शुरू किया था।

प्रश्न.30.

उत्तर: D

व्याख्या:

- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 2021-26 की अवधि के लिये 'महासागरीय सेवाएँ, मॉडलिंग, अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (O-SMART)' योजना को जारी रखने को मंज़ूरी दे दी है।
- उद्देश्य:
    - भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र (Exclusive Economic Zone) में 'मरीन लिविंग रिसोर्सेज़' (Marine Living Resources) एवं भौतिक पर्यावरण के साथ उनके संबंधों के बारे में सूचना एकत्र करना और उसे नियमित रूप से अपडेट करना। अत: कथन 1 सही है।
    - समय-समय पर भारत के तटीय जल का स्वच्छता मूल्यांकन करने के लिये समुद्री जल प्रदूषकों के स्तर की निगरानी करना। प्राकृतिक एवं मानवजनित गतिविधियों के कारण होने वाले तटीय कटाव के मूल्यांकन के लिये तटरेखा परिवर्तन मानचित्र विकसित करना। अत: कथन 2 सही है।
    - भारत के आसपास के समुद्रों से रियल टाइम डेटा के लिये और महासागर प्रौद्योगिकी के परीक्षण एवं समुद्री प्रायोगिक गतिविधियों को पूरा करने हेतु अत्याधुनिक महासागर अवलोकन प्रणालियों की एक विस्तृत श्रृंखला विकसित करना।
    - सामाजिक लाभ के लिये उपयोगकर्त्ता-उन्मुख महासागरीय सूचना, सलाह, चेतावनी, डेटा एवं डेटा उत्पादों का एक पैकेज तैयार करना एवं उसका प्रसारण करना।
    - महासागर पूर्वानुमान एवं पुनर्विश्लेषण प्रणाली के लिये 'हाई रिज़ोल्यूशन मॉडल' विकसित करना।
    - तटीय अनुसंधान हेतु उपग्रह डेटा के सत्यापन के लिये एल्गोरिदम विकसित करना।
    - तटीय प्रदूषण की निगरानी, विभिन्न अंडरवाटर घटकों के परीक्षण और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन तथा उनके संचालन एवं रखरखाव का समर्थन करने के लिये तटीय अनुसंधान पोत (CRV) का अधिग्रहण करना।
    - समुद्री जैव संसाधनों के निरीक्षण एवं निगरानी करने के लिये प्रौद्योगिकियों, समुद्र से मीठे जल व महासागरीय ऊर्जा उत्पन्न करने वाली प्रौद्योगिकियों तथा अंडरवाटर वाहनों एवं प्रौद्योगिकियों को विकसित करना।
    - गिट्टी जल उपचार (Ballast Water Treatment) सुविधा सुनिश्चित करना।
    - गैस हाइड्रेट्स की जाँच करने के लिये मध्य हिंद महासागर बेसिन में संयुक्त राष्ट्र द्वारा भारत को आवंटित किये गए 75000 वर्ग किमी. के स्थान पर 5500 मीटर तक की गहराई से पॉलीमेटैलिक नोड्यूल्स (Poly Metallic Nodules) की खोज को पूरा करना। अत: कथन 3 सही है।
    - अंतर्राष्ट्रीय समुद्री प्राधिकरण द्वारा रॉड्रिक्स ट्रिपल जंक्शन (कन्वर्जेन्स ऑफ सेंट्रल इंडियन रिज, दक्षिण-पूर्व भारतीय रिज और दक्षिण-पश्चिम भारतीय रिज) के पास पॉलीमेटैलिक सल्फाइड की खोज हेतु अंतर्राष्ट्रीय समुद्र में भारत को 10000 वर्ग किमी. क्षेत्र आवंटित है।
    - EEZ से आगे फैले महाद्वीपीय शेल्फ (Continental Shelf) पर भारत के दावे को वैज्ञानिक डेटा और भारत के EEZ के स्थलाकृतिक सर्वेक्षण द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।

प्रश्न 31:

उत्तर: D

व्याख्या:

- 'केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो' की स्थापना वर्ष 1963 में गृह मंत्रालय के एक प्रस्ताव द्वारा की गई थी।
    - वर्तमान में यह कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT) के प्रशासनिक नियंत्रण में आता है।

- यह एक वैधानिक निकाय नहीं है। यह दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 से अपनी शक्तियाँ प्राप्त करता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- भ्रष्टाचार की रोकथाम पर संथानम समिति (1962-1964) द्वारा इसकी स्थापना की सिफारिश की गई थी।

- हाल ही में राष्ट्रपति ने दो अध्यादेश जारी किये हैं, जो केंद्र सरकार को 'केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो' (CBI) और 'प्रवर्तन निदेशालय' (ED) के निदेशकों के कार्यकाल को दो साल से बढ़ाकर पाँच वर्ष करने की अनुमति देते हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.32

उत्तर: A

व्याख्या:

रियल एस्टेट विनियमन और विकास अधिनियम, 2016 के प्रमुख प्रावधान

- राज्य स्तरीय नियामक प्राधिकरणों की स्थापना: रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (RERA) अधिनियम राज्य सरकारों को निम्नलिखित अधिदेश के साथ एक से अधिक नियामक प्राधिकरण स्थापित करने का प्रावधान करता है। अत: कथन 1 सही है।
- रियल एस्टेट अपीलीय न्यायाधिकरण की स्थापना: इन न्यायाधिकरणों में RERA के निर्णयों के विरुद्ध अपील की जा सकती है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- सज़ा: अपीलीय न्यायाधिकरणों और नियामक प्राधिकरणों के आदेशों के उल्लंघन पर डेवलपर्स के लिये तीन वर्ष तक और एजेंटों तथा खरीदारों के मामले में एक वर्ष तक की कैद का प्रावधान है। अत: कथन 3 सही है।

Q.33

उत्तर: C

व्याख्या:

- संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MPLADS) एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जिसकी घोषणा दिसंबर 1993 में की गई थी।
- इस योजना का उद्देश्य सांसदों को मुख्य रूप से अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों की सिफारिश करने में सक्षम बनाना है जिसके तहत पेयजल, प्राथमिक शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और सड़कों इत्यादि क्षेत्रों मंय टिकाऊ सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष ज़ोर दिया जाता है।
- कार्यान्वयन:
  - MPLADS की प्रक्रिया संसद सदस्यों द्वारा नोडल ज़िला प्राधिकरण को कार्यों की सिफारिश करने के साथ शुरू होती है।
  - संबंधित नोडल ज़िला, संसद सदस्यों द्वारा अनुशंसित कार्यों को लागू करने तथा योजना के तहत निष्पादित कार्यों और खर्च की गई राशि के विवरण हेतु ज़िम्मेदार है। अत: कथन 2 सही है।
- MPLADS के तहत संसद सदस्यों को प्रत्येक वर्ष 2.5 करोड़ रुपए की दो किश्तों में 5 करोड़ रुपए की राशि वितरित की जाती है। MPLADS के तहत आवंटित राशि नॉन-लैप्सेबल (Non-Lapsable) होती है। अत: कथन 1 सही है।
  - लोकसभा सांसदों से इस राशि को अपने लोकसभा क्षेत्रों में ज़िला प्राधिकरण परियोजनाओं में व्यय करने की सिफारिश की जाती है, जबकि राज्यसभा संसदों द्वारा इस राशि का उपयोग उस राज्य क्षेत्र में किया जाता है जहाँ से वे चुने गए हैं।
  - राज्यसभा और लोकसभा के मनोनीत सदस्य देश में कहीं भी कार्य करने की सिफारिश कर सकते हैं।

Q.34

उत्तर: A

व्याख्या:

भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा:

- देश के स्वास्थ्य क्षेत्र को नीति निर्माण इसकी संघीय संरचना और जिम्मेदारियों तथा वित्तपोषण के केंद्रीय-राज्य विभाजन द्वारा आकार दिया गया है।
- राज्य सूची: सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता, अस्पताल तथा औषधालय राज्य के विषय हैं, जिसका अर्थ है कि उनके प्रबंधन एवं सेवा वितरण की प्राथमिक ज़िम्मेदारी राज्यों के पास है।
- संघ सूची: केंद्र, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) और आयुष्मान भारत जैसी केंद्र प्रायोजित योजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं में भी निवेश करता है।
- समवर्ती सूची: केंद्र जीवन संबंधी आँकड़े (Vital Statistics), चिकित्सा शिक्षा और औषधि प्रशासन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो कि समवर्ती सूची के विषय हैं, साथ ही ये राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये योजना बनाने, नीति निर्माण व वित्तपोषण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अत: विकल्प A सही है।

Q.35.

उत्तर: C

व्याख्या:

- हाल ही में केंद्रीय श्रम मंत्रालय और माइक्रोसॉफ्ट इंडिया ने संयुक्त रूप से युवाओं की रोज़गार क्षमता बढ़ाने के लिये एक डिजिटल कौशल मंच 'डिजी सक्षम' (DigiSaksham) का शुभारंभ किया है। अत: कथन 1 सही है।
- यह संयुक्त पहल ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों के युवाओं को प्रोत्साहन देने के लिये सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रमों का विस्तार है।

- डिजी सक्षम पहल के माध्यम से पहले वर्ष में 3 लाख से अधिक युवाओं को बुनियादी कौशल के साथ-साथ उन्नत कंप्यूटिंग (Advanced Computing) सहित डिजिटल कौशल में मुफ्त प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।
- इस पहल में वंचित समुदायों से संबंधित अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों के रोज़गार चाहने वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, इनमें वे लोग भी शामिल होंगे जिन्होंने कोविड-19 महामारी के कारण अपनी नौकरी गँवा दी है। अत: कथन 2 सही है।
  - देश भर में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिये मॉडल कॅरियर केंद्रों (MCC) और राष्ट्रीय कॅरियर सेवा केंद्रों (NCSC) में प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा।
- कार्यान्वयन: डिजी सक्षम को आगा खान रूरल सपोर्ट प्रोग्राम इंडिया (AKRSP-I) द्वारा क्षेत्र में लागू किया जाएगा।
  - AKJRSP-I एक गैर-सांप्रदायिक, गैर-सरकारी विकास संगठन है। यह स्थानीय समुदायों को प्रत्यक्ष सहायता प्रदान कर ग्रामीण समुदायों की बेहतरी के लिये एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है।

Q.36.

उत्तर: C

व्याख्या:

- हाल ही में नीति आयोग ने 'ज़िला अस्पतालों के प्रदर्शन में सर्वोत्तम अभ्यास' शीर्षक से भारत में ज़िला अस्पतालों की एक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट जारी की है।
  - यह रिपोर्ट स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) भारत का एक सहयोगी प्रयास है। अत: कथन 1 सही है।
- रिपोर्ट के अनुसार प्रति व्यक्ति बिस्तर की उपलब्धता: औसतन एक ज़िला अस्पताल में 1,00,000 लोगों के लिये 24 बिस्तर उपलब्ध थे।
  - मूल्यांकन के लिये, यह निर्धारित किया गया था कि एक अस्पताल में इतने लोगों के लिये 22 बिस्तर होने चाहिये (IPHS 2012 दिशा-निर्देश)। अत: कथन 2 सही है।
  - विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) प्रत्येक 1,000 लोगों पर अस्पताल में पाँच बिस्तर/बेड की सिफारिश करता है।

प्रश्न 37.

उत्तर: B

व्याख्या:

- जनहित याचिका (PIL) मानव अधिकारों और समानता को आगे बढ़ाने या व्यापक सार्वजनिक चिंता के मुद्दों को उठाने के लिये कानून का उपयोग है। अत: कथन 3 सही है।
  - जनहित याचिका (Public Interest Litigation-PIL)' की अवधारणा अमेरिकी न्यायशास्त्र से ली गई है। अत: कथन 2 सही है।
- भारतीय कानून में PIL का मतलब जनहित की सुरक्षा के लिये याचिका या मुकदमा दर्ज करना है। यह पीड़ित पक्ष द्वारा नहीं बल्कि स्वयं न्यायालय या किसी अन्य निजी पक्ष द्वारा विधिक अदालत में पेश किया गया मुकदमा है।
  - यह न्यायिक सक्रियता के माध्यम से अदालतों द्वारा जनता को दी गई शक्ति है।
- इसे केवल सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय में दायर किया जा सकता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।

प्रश्न 38:

उत्तर: C

व्याख्या

- 'आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली' एक बैंक नेतृत्व वाला मॉडल है जो आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करके किसी भी बैंक के बिज़नेस कॉरेस्पोंडेंट (BC)/बैंक मित्र के माध्यम से POS (प्वाइंट ऑफ सेल/माइक्रो एटीएम) पर ऑनलाइन इंटरऑपरेबल वित्तीय लेन-देन की अनुमति देता है। अत: कथन 1 सही है।
  - यह प्रणाली वित्तीय लेन-देन में एक और सुरक्षा व्यवस्था है क्योंकि इन लेन-देन को करते समय बैंक विवरण प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होती है।
- इस प्रणाली का परिचालन भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) और भारतीय बैंक संघ (IBA) की एक संयुक्त पहल भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) द्वारा किया जाता है। अत: कथन 2 सही है।

Q.39

उत्तर: B

व्याख्या:

- भारत वन स्थिति रिपोर्ट, 2019 के अनुसार, वन और वृक्ष आवरण देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 24.56 प्रतिशत है।
  - वनावरण (क्षेत्रवार): मध्य प्रदेश> अरुणाचल प्रदेश> छत्तीसगढ़> ओडिशा> महाराष्ट्र।
  - भारत की राष्ट्रीय वन नीति, 1988 में देश के 33% भौगोलिक क्षेत्र को वन और वृक्ष आच्छादित क्षेत्र के अंतर्गत रखने के लक्ष्य की परिकल्पना की गई है।
- 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 के माध्यम से शिक्षा, नापतौल एवं न्याय प्रशासन, वन, वन्यजीवों तथा पक्षियों के संरक्षण को राज्य सूची से समवर्ती सूची में स्थानांतरित कर दिया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।

- संविधान के अनुच्छेद 51 A (g) में कहा गया है कि वनों एवं वन्यजीवों सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और उसमें सुधार करना प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य होगा। अत: कथन 2 सही है।
- राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत अनुच्छेद 48A के मुताबिक, राज्य पर्यावरण संरक्षण व उसको बढ़ावा देने का काम करेगा और देश भर में जंगलों एवं वन्यजीवों की सुरक्षा की दिशा में कार्य करेगा।

प्रश्न 40:

उत्तर: D

व्याख्या

- 'नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल' (NGT) पर्यावरण संरक्षण और वनों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित मामलों के प्रभावी और शीघ्र निपटान के लिये 'राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम' (2010) के तहत स्थापित एक सांविधिक निकाय है। अत: कथन 1 सही है।
- ट्रिब्यूनल में एक अध्यक्ष होता है, जो कि प्रधान पीठ में बैठता है और इसमें कम-से-कम दस न्यायिक सदस्य (बीस से अधिक नहीं) होते हैं और कम-से-कम दस विशेषज्ञ सदस्य (बीस से अधिक नहीं) होते हैं। अत: कथन 2 सही है।
- 'नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल' को आवेदनों या अपीलों के दाखिल होने के 6 महीने के भीतर अंतिम रूप से उनका निपटान करना अनिवार्य है। अत: कथन 3 सही है।

Q.41.

उत्तर: D

व्याख्या:

- ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP) को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017 में अधिसूचित किया गया था।
  - यह वायु प्रदूषण को कम करने के लिए उठाए जाने वाले आपातकालीन उपायों का एक समूह है।
  - राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में वायु गुणवत्ता के संबंध में एमसी मेहता बनाम भारत संघ (2016) के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, विभिन्न वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) के तहत कार्यान्वयन के लिये एक ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान तैयार किया गया है। इन्हें मुख्य श्रेणियों में अर्थात् औसत से खराब, बहुत खराब और गंभीर श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। अत: कथन 2 सही है।
    - इसमें "गंभीर + या आपातकाल" की एक नई श्रेणी जोड़ी गई है।
- वर्ष 2020 तक सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम और नियंत्रण) प्राधिकरण (EPCA) राज्यों को GRAP उपायों को लागू करने का आदेश देता था।
  - EPCA को भंग कर वर्ष 2020 में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) द्वारा इसे प्रतिस्थापित किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
  - CAQM अंतर्निहित उपचारात्मक दृष्टिकोण के साथ दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु विविध प्रयासों के समन्वय और निगरानी के लिये एक वैधानिक तंत्र है। अत: कथन 3 सही है।

Q.42

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में सरकार ने गर्भ का चिकित्सकीय समापन (Medical Termination of Pregnancy) (संशोधन) अधिनियम, 2021 के तहत नए नियमों को अधिसूचित किया है।
  - गर्भ का चिकित्सकीय समापन (MPT) अधिनियम, 1971 में संशोधन करने के लिये 2021 अधिनियम पारित किया गया था।
- कुछ श्रेणियों की महिलाओं के लिये गर्भावस्था को समाप्त करने की गर्भकालीन सीमा को 20 से बढ़ाकर 24 सप्ताह कर दिया गया है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- इसमें सात विशिष्ट श्रेणियाँ हैं:
  - यौन हमले या बलात्कार की स्थिति में;
  - अवयस्क;
  - विधवा और तलाक होने जैसी परिस्थितियों अर्थात् वैवाहिक स्थिति में बदलाव के समय की गर्भावस्था ;
  - शारीरिक रूप से अक्षम महिलाएँ;
  - मानसिक रूप से बीमार महिलाएँ;
  - भ्रूण की विकृति जिसमें बच्चे के असामान्य होने का पर्याप्त जोखिम होता है या बच्चा पैदा होने के बाद गंभीर शारीरिक या मानसिक असामान्यताओं से पीड़ित हो सकता है;
  - जटिल मानवीय परिस्थितियों,आपदा या आपातकाल के दौरान गर्भावस्था वाली महिलाएँ।
- राज्य-स्तरीय मेडिकल बोर्ड: भ्रूण की विकृति के मामलों में 24 सप्ताह के बाद गर्भावस्था को समाप्त किया जा सकता है या नहीं, यह तय करने के लिये एक राज्य-स्तरीय मेडिकल बोर्ड का गठन किया जाएगा।
  - मेडिकल बोर्ड को अनुरोध प्राप्त होने के तीन दिनों के भीतर गर्भावस्था के मेडिकल टर्मिनेशन के प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करना होता है। अत: कथन 2 सही है।
  - गर्भपात प्रक्रिया बोर्ड को अनुरोध प्राप्त होने के पाँच दिनों के भीतर की जानी चाहिये।

Q.43

उत्तर: D

व्याख्या:

- गर्भ का चिकित्सकीय समापन (संशोधन) अधिनियम, 2021 के तहत नए नियम सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) 3.1, 3.7 और 5.6 को पूरा करने में मदद के लिये नए नियम मातृ मृत्यु दर को प्रबंधित करने में योगदान देंगे।
    - SDG 3.1 मातृ मृत्यु अनुपात को कम करने से संबंधित है, जबकि SDG 3.7 और 5.6 यौन और प्रजनन स्वास्थ्य एवं अधिकारों तक सार्वभौमिक पहुँच से संबंधित है।
- सतत विकास लक्ष्य (SDG) 3 का उद्देश्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करना है जो सभी पुरुषों एवं महिलाओं के लिये स्वास्थ्य सेवाओं की समान पहुँच चाहता है। इसमें नवजात शिशुओं, शिशुओं और पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों (बाल मृत्यु दर) और महामारी को समाप्त करने की रोकथाम योग्य मृत्यु को समाप्त करने का प्रस्ताव है।
- SDG 3 के लक्ष्य हैं:
- वर्ष 2030 तक वैश्विक मातृ मृत्यु अनुपात को प्रति 100,000 जीवित जन्मों पर 70 से कम करना। अत: कथन 1 सही है।
- सतत् विकास लक्ष्य 3 में नवजात शिशुओं और 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की रोकी जा सकने वाली मौतों को समाप्त करने का आह्वान किया गया है। यह निर्दिष्ट करता है कि सभी देशों को वर्ष 2030 तक नवजात मृत्यु दर को कम-से-कम 12 मृत्यु प्रति 1,000 जीवित जन्म और पाँच वर्ष से कम आयु के कम-से-कम 25 मृत्यु प्रति 1,000 जीवित जन्मों तक कम करने का लक्ष्य रखना चाहिये।
- वर्ष 2030 तक एड्स, तपेदिक, मलेरिया एवं उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों की महामारियों को समाप्त करना और हेपेटाइटिस, जल जनित रोगों व अन्य संचारी रोगों का मुकाबला करना।
- वर्ष 2030 तक रोकथाम एवं उपचार के माध्यम से गैर-संचारी रोगों से समय से पहले होने वाली मृत्यु दर को एक-तिहाई कम करना और मानसिक स्वास्थ्य व कल्याण को बढ़ावा देना। अत: कथन 3 सही है।
- मादक द्रव्यों के सेवन और शराब के हानिकारक उपयोग सहित मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम तथा उपचार को सुदृढ़ बनाना।
- वर्ष 2020 तक वैश्विक मौतों की संख्या और सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों तथा चोटों की संख्या को आधा करना। अत: कथन 2 सही है।
- वर्ष 2030 तक परिवार नियोजन, सूचना एवं शिक्षा सहित यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करना और राष्ट्रीय रणनीतियों व कार्यक्रमों में प्रजनन स्वास्थ्य का एकीकरण सुनिश्चित करना।
- वित्तीय जोखिम संरक्षण, गुणवत्तापूर्ण आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक पहुँच और सभी के लिये सुरक्षित, प्रभावी, गुणवत्ता तथा सस्ती आवश्यक दवाओं व टीकों तक पहुँच सहित सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करना।
- वर्ष 2030 तक खतरनाक रसायनों और वायु, जल एवं मृदा प्रदूषण व संदूषण से होने वाली मौतों तथा बीमारियों की संख्या को काफी हद तक कम करना।

Q.44

उत्तर: D

व्याख्या:

- वायु प्रदूषण के नियंत्रण और रोकथाम पर माले घोषणा-पत्र और दक्षिण एशिया के लिये इसके संभावित सीमा पार प्रभाव बांग्लादेश, भूटान, भारत, ईरान, मालदीव गणराज्य, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका को शामिल करने वाला एक अंतर-सरकारी नेटवर्क है। यह आठ देशों को कवर करने वाला अपनी तरह का एकमात्र अंतर-सरकारी समझौता है।
    - वर्ष 1998 में मालदीव की राजधानी माले में दक्षिण एशिया सहकारी पर्यावरण कार्यक्रम (SACEP) के सदस्यों द्वारा इस पर हस्ताक्षर किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
    - UNEP के साथ मिलकर इस पहल को विकासशील देशों में क्षेत्रीय वायु प्रदूषण (RAPIDC) कार्यक्रम के हिस्से के रूप में स्वीडिश अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी (SIDA) द्वारा वित्त पोषित किया गया था। अत: कथन 2 सही है।
- ग्रीन एंड क्लाइमेट रेजिलिएंट हेल्थकेयर फैसिलिटीज के संदर्भ में भारत वर्ष 2017 में माले घोषणा-पत्र का हस्ताक्षरकर्त्ता बन गया और किसी भी जलवायु घटना का सामना करने में सक्षम होने के लिये क्लाइमेट रेजिलिएंट हेल्थकेयर फैसिलिटीज को बढ़ावा देने हेतु सहमत हुआ। अत: कथन 3 सही है।

Q.45.

उत्तर: D

व्याख्या:

- 1945 में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) खाद्य और कृषि संगठन के स्थापना दिवस की याद में हर वर्ष 16 अक्तूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। अत: कथन 1 सही है।
    - FAO संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो भुखमरी की समाप्ति के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व करती है। अत: कथन 2 सही है।
- FAO ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित करने के भारत के प्रस्ताव का समर्थन किया।

- यह कदम पौष्टिक भोजन के सेवन को प्रोत्साहित करेगा, उसकी उपलब्धता को बढ़ाएगा तथा उन छोटे और मध्यम किसानों को लाभान्वित करेगा जो ज़्यादातर अपनी जमीन पर मोटे अनाज उगाते हैं, जहाँ पानी की समस्या है और भूमि उपजाऊ नहीं है। अत: कथन 3 सही है।

Q.46.

उत्तर: D

व्याख्या:

- 1945 में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) खाद्य और कृषि संगठन के स्थापना दिवस की याद में हर वर्ष 16 अक्तूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। अत: कथन 1 सही है।
  - FAO संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो भुखमरी की समाप्ति के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व करती है। अत: कथन 2 सही है।
- FAO ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित करने के भारत के प्रस्ताव का समर्थन किया।
  - यह कदम पौष्टिक भोजन के सेवन को प्रोत्साहित करेगा, उसकी उपलब्धता को बढ़ाएगा तथा उन छोटे और मध्यम किसानों को लाभान्वित करेगा जो ज़्यादातर अपनी जमीन पर मोटे अनाज उगाते हैं, जहाँ पानी की समस्या है और भूमि उपजाऊ नहीं है। अत: कथन 3 सही है।

प्रश्न 47.

उत्तर: D

व्याख्या

- हाल ही में प्रधानमंत्री ने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन का शुभारंभ किया।
  - यह देश भर में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करने के लिये सबसे बड़ी अखिल भारतीय योजनाओं में से एक है।
- यह 10 'उच्च फोकस' वाले राज्यों में 17,788 ग्रामीण स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों को सहायता प्रदान करेगा और देश भर में 11,024 शहरी स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र स्थापित करेगा।
  - इसके माध्यम से देश के पाँच लाख से अधिक आबादी वाले सभी ज़िलों में एक्सक्लूसिव क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक के माध्यम से क्रिटिकल केयर सेवाएँ उपलब्ध होंगी, जबकि शेष ज़िलों को रेफरल सेवाओं के माध्यम से कवर किया जाएगा।
  - इस योजना के अंतर्गत एक स्वास्थ्य पहल के लिये एक राष्ट्रीय संस्थान, वायरोलॉजी हेतु चार नए राष्ट्रीय संस्थान,दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) का एक क्षेत्रीय अनुसंधान मंच, नौ जैव सुरक्षा स्तर- III प्रयोगशालाएँ और रोग नियंत्रण के लिये पाँच नए क्षेत्रीय राष्ट्रीय केंद्र स्थापित किये जाएंगे।
- उद्देश्य
  - शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में एक मज़बूत सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचा सुनिश्चित करना, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के अंतर्गत आपातकालीन स्थितियों या बीमारी के प्रकोप से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
  - ब्लॉक, ज़िला, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर निगरानी प्रयोगशालाओं के नेटवर्क के माध्यम से एक आईटी-सक्षम रोग निगरानी प्रणाली स्थापित करना। अत: विकल्प D सही है।

Q.48

उत्तर: C

व्याख्या:

- हाल ही में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने हवाई मार्ग से कृषि उपज की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिये कृषि उड़ान 2.0 (Krishi UDAN 2.0) की शुरुआत की है।
  - कृषि उत्पादों के परिवहन में किसानों की सहायता करने के उद्देश्य से अगस्त 2020 में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय मार्गों पर कृषि उड़ान योजना शुरू की गई थी ताकि कृषि उत्पादों का उचित मूल्य प्राप्त किया जा सके।
- कृषि उड़ान 2.0 पहाड़ी क्षेत्रों, पूर्वोत्तर राज्यों और आदिवासी क्षेत्रों में खराब होने वाले खाद्य उत्पादों (Perishable Food Products) के परिवहन पर ध्यान केंद्रित करेगा।
  - इसे देश भर के 53 हवाई अड्डों पर मुख्य रूप से पूर्वोत्तर और आदिवासी क्षेत्रों पर केंद्रित किया जाएगा तथा इससे किसान, मालवाहकों एवं एयरलाइन कंपनियों को लाभ होने की संभावना है।
  - इसका उद्देश्य कृषि-उपज और हवाई परिवहन के बेहतर एकीकरण एवं अनुकूलन के माध्यम से उत्पादों का उचित मूल्य प्राप्त करने तथा विभिन्न व गतिशील परिस्थितियों में कृषि-मूल्य शृंखला में स्थिरता व लचीलापन लाने में योगदान देना है। अत: विकल्प C सही है।

Q.49.

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में सरकार ने दो साल की अवधि के लिये डॉ. बिबेक देबरॉय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (Economic Advisory Council to the Prime Minister: EAC-PM) का पुनर्गठन किया है। उल्लेखनीय है कि सितंबर 2021 में EAC-PM का कार्यकाल समाप्त हुआ था।

- EAC-PM एक गैर-संवैधानिक, गैर-सांविधिक, स्वतंत्र निकाय है जिसका गठन भारत सरकार, विशेष रूप से प्रधानमंत्री को आर्थिक तथा अन्य संबंधित मुद्दों पर सलाह देने के लिये किया गया है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह परिषद तटस्थ दृष्टिकोण के साथ भारत सरकार के लिये प्रमुख आर्थिक मुद्दों को उजागर करने का कार्य करती है।
  - यह प्रधानमंत्री को मुद्रास्फीति, सूक्ष्म वित्त/माइक्रो फाइनेंस और औद्योगिक उत्पादन जैसे आर्थिक मुद्दों पर सलाह देती है।
- प्रशासनिक, रसद, नियोजन और बजट जैसे उद्देश्यों हेतु नीति आयोग EAC-PM के लिये नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। अत: कथन 2 सही है।

Q.50

उत्तर: C

व्याख्या:

- वन हेल्थ एक ऐसा दृष्टिकोण है जो यह मानता है कि मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और हमारे चारों ओर के पर्यावरण के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। अत: कथन 1 सही है।
- वन हेल्थ का सिद्धांत संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO), विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (OIE) के त्रिपक्षीय-प्लस गठबंधन के बीच हुए समझौते के अंतर्गत एक पहल/ब्लूप्रिंट है। अत: कथन 2 सही है।
- इसका उद्देश्य मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य, पौधों, मिट्टी, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र जैसे विभिन्न विषयों के अनुसंधान और ज्ञान को कई स्तरों पर साझा करने के लिये प्रोत्साहित करना है, जो सभी प्रजातियों के स्वास्थ्य में सुधार, रक्षा और बचाव के लिये ज़रूरी है।

Q. 51.

उत्तर: C

व्याख्या:

- प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट असेसमेंट (PISA) 'आर्थिक सहयोग और विकास संगठन' (OECD) द्वारा समन्वित एक अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षण है तथा इसे पहली बार वर्ष 2000 में आयोजित किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- यह एक योग्यता-आधारित परीक्षा है, जिसे 15 वर्ष की आयु तक के उम्मीदवारों की क्षमता का आकलन करने के लिये डिज़ाइन किया गया है, जो ज्ञान को वास्तविक जीवन की स्थितियों में लागू करने हेतु प्रति तीन वर्ष में उनके पढ़ने, गणित और विज्ञान साक्षरता को मापता है। अत: कथन 2 सही है।

Q.52.

उत्तर : A

व्याख्या :

- संघीय बजट स्थानीय निकायों को धन, राज्य आपदा राहत कोष प्रदान करता है और FC की सिफारिश पर करों के हस्तांतरण के बाद राज्यों के किसी भी राजस्व हानि की भरपाई करता है।
  - 73वें संविधान संशोधन, 1992 में केंद्र और राज्यों दोनों को पंचायती राज संस्थाओं को निधि, कार्य और पदाधिकारियों को सौंपकर स्वशासन की एक इकाई के रूप में विकसित करने में मदद करने की आदेश देता है। अत: कथन 1 सही है।
  - 15वें वित्त आयोग ने 2021-22 से 2025-26 की अवधि के दौरान पंचायतों को 'जल आपूर्ति और स्वच्छता' के लिये 1 लाख 42 हज़ार करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित करने की सिफारिश की है।
- बद्ध बनाम खुला अनुदान :
  - पंचायती राज (Panchayati Raj) संस्थाओं के लिये आवंटित कुल सहायता अनुदान (grants) में से 60 प्रतिशत 'बंधन या बद्ध अनुदान' है। केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत खुले में शौच मुक्त (ODF) स्थिति की स्वच्छता और रखरखाव में सुधार , पेयजल की आपूर्ति, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण के लिये केंद्र द्वारा आवंटित धन के अलावा ग्रामीण स्थानीय निकायों को अतिरिक्त धन की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु बद्ध अनुदान प्रदान किया जाता है।
  - शेष 40 प्रतिशत 'अनटाइड ग्रांट या खुलाअनुदान' है और वेतन के भुगतान को छोड़कर, स्थान–विशिष्ट ज़रूरतों के लिये पंचायती राज संस्थानों के स्वविवेक पर इसका उपयोग किया जाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- संसाधनों का आवंटन : राज्यों को केंद्र सरकार से अनुदान प्राप्त होने के 10 कार्य दिवसों के भीतर ग्रामीण स्थानीय निकायों को अनुदान हस्तांतरित करना आवश्यक है।
  - 10 कार्य दिवसों से अधिक समय लगने पर राज्य सरकारों को ब्याज सहित अनुदान जारी करने की आवश्यकता होती है।

Q. 53

उत्तर: C

व्याख्या:

- FSSAI ने खाद्य सुरक्षा के पाँच मापदंडों पर राज्यों के प्रदर्शन को मापने के लिये राज्य खाद्य सुरक्षा सूचकांक (SFSI) विकसित किया है।

- इस सूचकांक में खाद्य सुरक्षा के पाँच मानकों के आधार पर राज्यों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाता है:
  - मानव संसाधन और संस्थागत डेटा,
  - अनुपालन,
  - खाद्य परीक्षण सुविधा- अवसंरचना और निगरानी,
  - प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण
  - उपभोक्ता सशक्तीकरण।
- सूचकांक एक गतिशील मात्रात्मक और गुणात्मक बेंचमार्किंग मॉडल है जो सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा के मूल्यांकन के लिये एक वस्तुपरक ढाँचा प्रदान करता है। अत: विकल्प C सही है।

Q.54

उत्तर: D

व्याख्या:

- GST परिषद, वस्तु एवं सेवा कर से संबंधित मुद्दों पर केंद्र और राज्य सरकार को सिफारिशें करने के लिये एक संवैधानिक निकाय (अनुच्छेद 279A) है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- जीएसटी परिषद की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा की जाती है तथा अन्य सदस्य केंद्रीय राजस्व या वित्त मंत्री और सभी राज्यों के वित्त या कराधान के प्रभारी मंत्री होते हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - इसे एक संघीय निकाय के रूप में माना जाता है जहाँ केंद्र और राज्य दोनों को उचित प्रतिनिधित्व मिलता है।

प्रश्न 55:

उत्तर: B

व्याख्या

- हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने 'राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क' (NIRF) द्वारा स्थापित 'इंडिया रैंकिंग्स, 2021' जारी की है।
- राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क' (NIRF) को सितंबर 2015 में शिक्षा मंत्रालय (तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्रालय) द्वारा अनुमोदित किया गया था।
  - यह देश में उच्च शिक्षण संस्थानों (HEI) को रैंक प्रदान करने के लिये भारत सरकार का पहला प्रयास है।
  - वर्ष 2018 में देश भर के सभी सरकारी शिक्षण संस्थानों के लिये 'राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क' में हिस्सा लेना अनिवार्य कर दिया गया था।
- 'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग' और 'टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग' द्वारा विकसित रैंकिंग पद्धति में व्यक्तिपरकता ने भारत को शंघाई रैंकिंग की तर्ज पर भारतीय संस्थानों के लिये अपनी रैंकिंग प्रणाली शुरू करने हेतु प्रेरित किया है।
  - 'राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क' अपने छठे वर्ष में है, किंतु अभी भी यह केवल भारतीय संस्थानों को ही रैंक प्रदान करता है, जबकि शंघाई रैंकिंग अपने पहले वर्ष से ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग प्रदान कर रहा है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - हालाँकि 'राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क' की दीर्घकालिक योजना इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाना है।
- IISc, बंगलूरू को भारत रैंकिंग 2021 में पहली बार शामिल की गई श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ शोध संस्थान का दर्जा दिया गया। अत: कथन 2 सही है।

प्रश्न 56.

उत्तर: C

व्याख्या

- 'अटल इनोवेशन मिशन' देश में नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार की प्रमुख पहल है।
- 'अटल इनोवेशन मिशन' संबंधी प्रमुख पहलें:
  - अटल टिंकरिंग लैब्स: भारतीय स्कूलों में समस्या समाधान मानसिकता विकसित करना।
  - अटल इनक्यूबेशन सेंटर: विश्व स्तर पर स्टार्टअप को बढ़ावा देना और इनक्यूबेटर मॉडल में एक नया आयाम जोड़ना।
  - अटल न्यू इंडिया चैलेंज: उत्पाद नवाचारों को बढ़ावा देना और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों/मंत्रालयों की ज़रूरतों के अनुरूप बनाना।
  - मेंटर इंडिया कैंपेन: मिशन की सभी पहलों का समर्थन करने हेतु यह सार्वजनिक क्षेत्र, कॉरपोरेट्स और संस्थानों के सहयोग से एक राष्ट्रीय मेंटर नेटवर्क है।
  - अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर: टियर-2 और टियर-3 शहरों सहित देश के असेवित क्षेत्रों में समुदाय केंद्रित नवाचार एवं विचारों को प्रोत्साहित करना।
  - लघु उद्यमों हेतु अटल अनुसंधान और नवाचार (ARISE): सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में नवाचार एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करना। अत: कथन 1 और कथन 2 सही है।

Q.57

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में, जल शक्ति मंत्रालय ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण- II के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2021 या ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 शुरू किया।
  - इससे पहले मंत्रालय द्वारा वर्ष 2018 और 2019 में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण किया गया था।

- स्वच्छ सर्वेक्षण शहरी 2021 की घोषणा की जानी है। इसे 2016 में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) द्वारा पेश किया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2021 गाँवों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) प्लस का दर्जा देने की केंद्र की पहल के एक हिस्से के रूप में ग्रामीण भारत में स्वच्छता, सफाई और स्वच्छता की स्थिति का आकलन करता है। अत: कथन 2 सही है।
  - ओडीएफ-प्लस स्थिति का उद्देश्य ठोस और तरल कचरे का प्रबंधन सुनिश्चित करना है और ओडीएफ स्थिति का उन्नयन है जिसमें पर्याप्त शौचालयों के निर्माण की आवश्यकता थी ताकि लोगों को खुले में शौच न करना पड़े।

प्रश्न:58

उत्तर: A

व्याख्या:

- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थितहै। इसकी स्थापना केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत वर्ष 1986 में इस उद्देश्य से की गई थी कि भारतीय पुलिस में कानून व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिये पुलिस तंत्र को सूचना प्रौद्योगिकी समाधान और आपराधिक गुप्त सूचनाएँ प्रदान करके समर्थ बनाया जा सके।
  - यह राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और गृह मंत्रालय के कार्य बल (1985) की सिफारिशों के आधार पर स्थापित किया गया था। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- NCRB देश भर में अपराध के वार्षिक व्यापक आँकड़े ('क्राइम इन इंडिया' रिपोर्ट) एकत्रित करता है। अत: कथन 1 सही है।
  - वर्ष 1953 से प्रकाशित होने के बाद यह रिपोर्ट देश भर में कानून और व्यवस्था की स्थिति को समझने में एक महत्त्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करती है।

Q.59

उत्तर : C

व्याख्या :

- वन अधिकार अधिनियम (FRA) 2006 में अधिनियमित किया गया था, जो वन में निवास करने वाले आदिवासी समुदायों और अन्य पारंपरिक वनवासियों के वन संसाधनों के अधिकारों को मान्यता प्रदान करता है, जिन पर ये समुदाय आजीविका, निवास तथा अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक ज़रूरतों सहित विभिन्न आवश्यकताओं के लिये निर्भर थे।
  - यह वन में निवास करने वाली अनुसूचित जनजातियों (FDST) और अन्य पारंपरिक वनवासी (OTFD) जो पीढ़ियों से ऐसे जंगलों में निवास कर रहे हैं, को वन भूमि पर उनके वन अधिकारों को मान्यता देता है ।
  - यह FDST और OTFD की आजीविका तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए वनों के संरक्षण की व्यवस्था को मज़बूती प्रदान करता है।
- ग्राम सभा को व्यक्तिगत वन अधिकार (IFR) या सामुदायिक वन अधिकार (CFR) या दोनों जो कि FDST और OTFD को दिये जा सकते हैं, की प्रकृति एवं सीमा निर्धारित करने हेतु प्रक्रिया शुरू करने का अधिकार है। अत: कथन 1 सही है।
- यह संविधान की पाँचवीं और छठी अनुसूचियों के जनादेश का विस्तार करता है जो भूमि या जंगलों जिनमें वे स्वदेशी समुदाय निवास करते हैं, पर उनके दावों को संरक्षण प्रदान करता है।
  - पाँचवीं अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के अलावा अन्य राज्यों में आदिवासी हितों की रक्षा करती है, जबकि छठी अनुसूची उन चार राज्यों में आदिवासी हितों की रक्षा करती है जिन्हें पाँचवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है। अत: कथन 2 सही है।

प्रश्न:60

उत्तर: A

व्याख्या:

- स्थायी निवास प्रमाण पत्र (PRS) एक प्रकार का अधिवास प्रमाण पत्र है जो लोगों को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश में अधिवास से जुड़े कोटा का लाभ प्राप्त करने में मदद करता है।
  - भारत में PRC अरुणाचल प्रदेश, असम, मिज़ोरम, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर जैसे राज्यों द्वारा जारी किया जाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- यह एक कानूनी दस्तावेज़ है जो निवास के प्रमाण के रूप में कार्य करता है और इस प्रकार जहाँ भी निवास के प्रमाण की आवश्यकता होती है वहाँ जमा किया जा सकता है।
- इसका उपयोग संबंधित राज्य का राशन कार्ड प्राप्त करने और चुनाव में वोट डालने के लिए भी किया जाता है। अत: कथन 1 सही है।
  - राज्य की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने हेतु या राज्य द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति का दावा करने के लिये।

Q.61.

उत्तर: D

व्याख्या:

- एवरग्रीनिंग पेटेंट एक कॉर्पोरेट, कानूनी, व्यावसायिक और तकनीकी रणनीति है, जिसे एक ऐसे अधिकार क्षेत्र में दी गई पेटेंट की अवधि को विस्तृत करने / बढ़ाने के लिये उपयोग किया जाता है, जिसकी अवधि समाप्त होने वाली है ताकि नए पेटेंट निर्मित कर उनसे रॉयल्टी बरकरार रखी जा सके।

- भारतीय पेटेंट अधिनियम 1970 (2005 में संशोधित) की धारा 3 (d) एक ज्ञात पदार्थ के नए रूपों को शामिल करने वाले आविष्कारों को पेटेंट देने की अनुमति नहीं देती है, जब तक कि यह प्रभावकारिता के संबंध में गुणों में महत्त्वपूर्ण रूप से भिन्न न हो।
- इसका आशय यह है कि भारतीय पेटेंट अधिनियम एवरग्रीनिंग पेटेंट के निर्माण की अनुमति नहीं देता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।

● अनिवार्य लाइसेंसिंग (CL) : यह सरकार द्वारा पेटेंट-स्वामी की सहमति के बिना, पेटेंट किये गए आविष्कार का उपयोग, निर्माण, आयात या बिक्री करने के लिये संस्थाओं को अनुमति प्रदान करना है। भारत में पेटेंट अधिनियम अनिवार्य लाइसेंसिंग (CL) से संबंधित है।

- डब्ल्यूटीओ के ट्रिप्स (IPR) समझौते के तहत अनिवार्य लाइसेंस की अनुमति है, लेकिन उसके लिये 'राष्ट्रीय आपात स्थिति, अन्य चरम परिस्थितियों और प्रतिस्पर्द्धा-विरोधी प्रथाओं' जैसी शर्तें को पूरा करना पड़ता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.62.

उत्तर: B

व्याख्या:

● भारत में दशकीय जनगणना की शुरुआत लॉर्ड रिपन द्वारा औपनिवेशिक शासन के दौरान वर्ष 1881 में हुई। हालाँकि सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (SECC) वर्ष 1931 के बाद वर्ष 2011 में पहली बार आयोजित की गई थी। अत: कथन 1 सही नहीं है।

● चूँकि जनगणना, वर्ष 1948 के जनगणना अधिनियम के अंतर्गत आती है, यह भारतीय आबादी का एक समग्र चित्र प्रस्तुत करती है।

- जनगणना का आयोजन सरकार, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और अन्य लोगों द्वारा भारतीय जनसंख्या से संबंधित आँकड़े प्राप्त करने, संसाधनों तक पहुँचने, सामाजिक परिवर्तन, परिसीमन से संबंधित आँकड़े आदि का उपयोग करने के लिये किया जाता है।
- SECC का आशय ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक भारतीय परिवार को कैनवास पर उतारना और उनकी आर्थिक स्थिति एवं प्रत्येक व्यक्ति से उसका विशिष्ट जातिगत नाम पूछना है। अत: कथन 2 सही है।

Q.63

उत्तर: B

व्याख्या:

● हाल ही में सांस्कृतिक मानचित्रण पर राष्ट्रीय मिशन (NMCM) को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) को सौंप दिया गया है, जो अक्तूबर 2021 में 75 गाँवों में ट्रायल रन शुरू करेगा।.

- गाँवों से इस तरह के आँकड़े एकत्र करने के लिये नेहरू युवा केंद्र संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों और समाजशास्त्र तथा सामाजिक कार्य के छात्रों को प्रतिनियुक्त किया जाएगा। अत: कथन 1 सही नहीं है।

● मंत्रालय के तहत विभिन्न संगठनों से कलाकारों, कला रूपों और अन्य संसाधनों का एक व्यापक डेटाबेस बनाने के लिये वर्ष 2017 में संस्कृति मंत्रालय ने NMCM को मंज़ूरी दी थी। अत: कथन 2 सही है।

- इसका उद्देश्य समृद्ध भारतीय कला और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की आवश्यकताओं को संबोधित करना, भारत के विशाल एवं व्यापक सांस्कृतिक कैनवास को एक उद्देश्यपूर्ण सांस्कृतिक मानचित्रण में परिवर्तित करने के साथ ही पूरे देश में एक मज़बूत "सांस्कृतिक जीवंतता" का निर्माण करना है।
- इसमें डेटा मानचित्रण, जनसांख्यिकी निर्माण, प्रक्रियाओं को औपचारिक रूप देना और बेहतर परिणामों के लिये सभी सांस्कृतिक गतिविधियों को एक छत्र के नीचे लाना शामिल है।
- लोक कलाओं का एक डेटाबेस बनाने और गाँवों की विरासत के मानचित्रण का काम पाँच वर्षों में (2017 से) किया जाएगा।

प्रश्न:64

उत्तर: D

व्याख्या:

● जेड-मोड़ सुरंग: यह श्रीनगर-कारगिल-लेह राजमार्ग पर ज़ोजिला दर्रे से 20 किमी. दूर एक निर्माणाधीन सुरंग है।

- 6.5 किमी. लंबी यह सुरंग गगनगीर को सीधे कश्मीर के सोनमर्ग से जोड़ेगी।

● नीलग्रार सुरंगें:

- नीलग्रार-I एक ट्विन ट्यूब सुरंग (Twin Tube Tunnel) है जिसकी लंबाई 433 मीटर है।
- नीलग्रार ट्विन ट्यूब सुरंग-II की लंबाई 1.95 किलोमीटर है।
- नीलग्रार-I और नीलग्रार-II सुरंगें ज़ोजिला पश्चिम पोर्टल तक 18.0 किलोमीटर लंबी सड़क का हिस्सा हैं।
  - ज़ोजिला सुरंग लद्दाख क्षेत्र कारगिल, द्रास और लेह को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

- चटर्जला सुरंग: यह जम्मू एवं कश्मीर में एक निर्माणाधीन सड़क सुरंग है।
  - यह सुरंग 6.8 किमी. लंबी होगी जो जम्मू-कश्मीर के कठुआ और डोडा ज़िलों को बसोहली-बनी (Basohli-Bani) के मध्य से चटर्जला से जोड़ेगी।
- अटल सुरंग हिमाचल प्रदेश के रोहतांग में स्थित है, जो मनाली के पास सोलंग घाटी को लाहौल और स्पीति जिले में सिसु से जोड़ती है।
  - 9.02 किलोमीटर लंबी यह सुरंग 3,000 मीटर की ऊँचाई पर स्थित विश्व की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग है।
  - इसका निर्माण रोहतांग दर्रे के पश्चिम में एक पहाड़ को कटता किया गया है जिससे सोलांग घाटी और सिसु के बीच की दूरी लगभग 46 किमी कम हो गई है इसे पार करने में 15 मिनट का समय लगता है। पहले इन दोनों बिंदुओं के बीच का सफर तय करने में करीब 4 घंटे का समय लगता था। अत: विकल्प D सही है।

प्रश्न:65

उत्तर: B

व्याख्या:

- राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (SDRF) का गठन आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 48 (1) (a) के तहत किया गया है।
  - इसका गठन 13वें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर किया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह राज्य सरकारों के पास अधिसूचित आपदाओं की प्रतिक्रिया के लिये तत्काल राहत प्रदान करने हेतु व्यय को पूरा करने के लिये उपलब्ध प्राथमिक निधि है।
  - इसका ऑडिट हर साल भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (Comptroller and Auditor General of India- CAG) द्वारा किया जाता है। अत: कथन 2 सही है।
- केंद्र सामान्य श्रेणी के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों हेतु SDRF आवंटन का 75% और विशेष श्रेणी के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों (पूर्वोत्तर राज्यों, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर) के लिये 90% का योगदान देता है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
  - वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार वार्षिक केंद्रीय अंशदान दो समान किश्तों में जारी किया जाता है।

Q.66

उत्तर: B

व्याख्या:

- जनसंख्या जनगणना किसी देश या देश के एक सुपरिभाषित हिस्से के सभी व्यक्तियों के एक विशिष्ट समय पर जनसांख्यिकीय, आर्थिक और सामाजिक डेटा एकत्र करने, संकलित करने, विश्लेषण करने तथा प्रसारित करने की समग्र प्रक्रिया है।
- प्राचीन और मध्यकाल में जनगणना:
  - ऋग्वेद: प्राचीनतम साहित्य 'ऋग्वेद' से पता चलता है कि भारत में 800-600 ईसा पूर्व के दौरान किसी प्रकार की जनसंख्या गणना को बनाए रखा गया था।
  - अर्थशास्त्र: तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में 'कौटिल्य' द्वारा लिखे गए 'अर्थशास्त्र' ने जनसंख्या के आँकड़ों के संग्रह को कराधान के लिये राज्य की नीति के एक उपाय के रूप में वर्णित किया। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - आइन-ए-अकबरी: मुगल बादशाह अकबर के शासन काल में प्रशासनिक रिपोर्ट 'आइन-ए-अकबरी' में जनसंख्या, उद्योग, धन और कई अन्य विशेषताओं से संबंधित व्यापक आँकड़ेभी शामिल थे।
- स्वतंत्रता पूर्व अवधि में जनगणना:
  - पहली गैर-समकालिक जनगणना: यह भारत में वर्ष 1872 में गवर्नर-जनरल लॉर्ड मेयो के शासनकाल के दौरान आयोजित की गई थी। अत: कथन 2 सही है।
  - पहली समकालिक जनगणना: पहली समकालिक जनगणना 17 फरवरी, 1881 को ब्रिटिश शासन के तहत डब्ल्यू.सी. प्लौडेन (भारत के जनगणना आयुक्त) द्वारा आयोजित की गई।
- तेरहवीं जनगणना (1991):
  - यह स्वतंत्र भारत की पाँचवीं जनगणना थी।
  - इस जनगणना में साक्षरता की अवधारणा को बदल दिया गया और 7+ आयु वर्ग के बच्चों को साक्षर माना गया (1981 की जनगणना में 4+ आयु वर्ग के बच्चों को साक्षर माना गया था)। अत: कथन 3 सही है।

Q.67.

उत्तर: D

व्याख्या:

- SDRF का गठन आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 48 (1) (a) के तहत किया गया है।
  - इसका गठन 13वें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर किया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।

- यह राज्य सरकारों के पास अधिसूचित आपदाओं की प्रतिक्रिया के लिये तत्काल राहत प्रदान करने हेतु व्यय को पूरा करने के लिये उपलब्ध प्राथमिक निधि है।
    - इसका ऑडिट प्रतिवर्ष भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (Comptroller and Auditor General of India- CAG) द्वारा किया जाता है।
- केंद्र सामान्य श्रेणी के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों हेतु SDRF आवंटन का 75% और विशेष श्रेणी के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों (पूर्वोत्तर राज्यों, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर) के लिये 90% का योगदान देता है।
- SDRF के अंतर्गत शामिल आपदाएँ:
    - चक्रवात, सूखा, भूकंप, आग, बाढ़, सुनामी, ओलावृष्टि, भूस्खलन, हिमस्खलन, बादल फटना, कीटों का हमला, पाला और शीत लहरें। अत: विकल्प D सही है।

Q.68

उत्तर: C

व्याख्या:

इंस्पायर अवार्ड्स- मानक:

- इसे 'स्टार्टअप इंडिया' पहल के साथ जोड़ा गया है और इसे DST (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग) द्वारा नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन-इंडिया (NIF), DST के एक स्वायत्त निकाय के साथ निष्पादित किया जा रहा है। अत: कथन 1 सही है।
- इस योजना के तहत देश भर के सभी सरकारी या निजी स्कूलों से छात्रों को आमंत्रित किया जाता है, भले ही उनके शैक्षिक बोर्ड (राष्ट्रीय और राज्य) कुछ भी हों।
    - इसमें विज्ञान को आगे बढ़ाने और अनुसंधान में कॅरियर बनाने हेतु 10-15 वर्ष आयु वर्ग के और कक्षा 6 से 10 तक के छात्रों को शामिल किया गया है।
- प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के तहत विजेता छात्रों के बैंक खातों में 10,000 रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। अत: कथन 2 सही है।
- यह किसी भी स्तर पर प्रतिभा की पहचान के लिये प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करने में विश्वास नहीं करता है। यह प्रतिभा की पहचान हेतु मौजूदा शैक्षिक संरचना की प्रभावकारिता में विश्वास करता है और उस पर निर्भर करता है।

Q.69

उत्तर: A

व्याख्या :

- मिल्क फोर्टिफिकेशन प्रोजेक्ट उपभोक्ताओं में विटामिन की कमी को दूर करने के लिये शुरू की गई थी। पिछले दो वर्षों में इसमें उल्लेखनीय प्रगति देखी है। अत: कथन 1 सही है।
    - देश के 20 राज्यों में लगभग 25 दुग्ध संघ, उत्पादक कंपनियाँ या दुग्ध संघ प्रतिदिन लगभग 55 लाख लीटर दूध का उत्पादन कर रहे हैं।
    - NDDB और FSSAI (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) द्वारा विकसित मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOP) के अनुसार फोर्टिफिकेशन की जा रही है।
- वर्ष 2017 में मिल्क फोर्टिफिकेशन प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) द्वारा विश्व बैंक तथा टाटा ट्रस्ट के सहयोग से एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लॉन्च किया गया था। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- इस परियोजना का लक्ष्य लगभग दो मिलियन टन फोर्टिफाइड दूध को संसाधित करना है, जो लगभग 30 मिलियन उपभोक्ताओं तक पहुँचेगा।
    - परियोजना की अवधि 23 महीने है। इसे विश्व बैंक द्वारा प्रशासित दक्षिण एशिया खाद्य और पोषण सुरक्षा पहल (SAFANSI) द्वारा वित्तपोषित किया जाता है।

Q.70

उत्तर : C

व्याख्या :

- हाल ही में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) ने प्लास्टिक के प्रयोग से निजात पाने के लिये प्राकृतिक रूप से विकसित अपने प्लास्टिक मिश्रित हस्तनिर्मित कागज़ हेतु पेटेंट पंजीकरण किया है।.
    - प्लास्टिक-मिश्रित हस्तनिर्मित कागज़ (जो पुन: प्रयोज्य और पर्यावरण के अनुकूल है) को प्रोजेक्ट रीप्लान (प्रकृति से प्लास्टिक को कम करना) के तहत विकसित किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- स्वच्छ भारत अभियान के लिये KVIC की प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में इस परियोजना को सितंबर 2018 में लॉन्च किया गया था।
- खादी और ग्रामोद्योग आयोग 'खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम,1956' के तहत एक सांविधिक निकाय (Statutory Body) है। अत: कथन 2 सही है।
    - इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ भी आवश्यक हो, अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर खादी एवं ग्रामोद्योगों की स्थापना तथा विकास के लिये योजनाएँ बनाना, उनका प्रचार-प्रसार करना तथा सुविधाएँ एवं सहायता प्रदान करना है।
    - यह भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (Ministry of MSME) के अंतर्गत कार्य करता है।

Q.71

उत्तर: A

व्याख्या:

- यह राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता विकास कार्यक्रम (National Programme for Civil Services Capacity Building- NPCSCB) है। यह कुशल सार्वजनिक सेवा वितरण के लिये व्यक्तिगत, संस्थागत और प्रक्रिया स्तरों पर क्षमता निर्माण तंत्र में व्यापक सुधार है।
- इसका उद्देश्य भारतीय सिविल सेवकों को और भी अधिक रचनात्मक, सृजनात्मक, विचारशील, नवाचारी, अधिक क्रियाशील, प्रगतिशील, ऊर्जावान, सक्षम, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी समर्थ बनाते हुए भविष्य के लिये तैयार करना है जो न्यू इंडिया की दृष्टि से जुड़ा हुआ है। अत: कथन 1 सही है।
- लेटरल एंट्री मैकेनिज्म मिशन कर्मयोगी से अलग सार्वजनिक सेवा वितरण को बढ़ाने के लिये सुधार है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- क्षमता निर्माण iGOT-कर्मयोगी डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से तैयार की गई सामग्री होगी।

Q.72

उत्तर: A

व्याख्या:

- अनुच्छेद 342 (1)- राष्ट्रपति किसी भी राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के संबंध में, राज्यपाल के परामर्श के बाद एक सार्वजनिक अधिसूचना द्वारा उस राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के संबंध में अनुसूचित जनजाति के रूप में जनजातीय या आदिवासी समुदायों या जनजातियों के उप- समूह या समूहों को निर्दिष्ट कर सकता है।
- जनजातीय समुदायों से संबंधित समितियाँ:
    - शाशा समिति (2013)
    - भूरिया आयोग (2002-2004)
    - लोकुर समिति (1965)
- अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के उप-वर्गीकरण पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिये संविधान के अनुच्छेद 340 के तहत अक्तूबर 2017 में रोहिणी आयोग का गठन किया गया था।
- शिवरमन समिति (1979) नाबार्ड की स्थापना से जुड़ी है। अत: विकल्प A सही है।

Q.73

उत्तर: D

व्याख्या:

- GeM विभिन्न केंद्रीय और राज्य सरकारों के विभागों/संगठनों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSU) द्वारा आवश्यक सामान्य उपयोग की वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद की सुविधा के लिये वन-स्टॉप राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल है। अत: कथन 1 सही है।
- GeM पर उपलब्ध वस्तुओं और सेवाओं के लिये मंत्रालयों व केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (CPSEs) द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद करना अनिवार्य है। अत: कथन 2 सही है।
- यह सरकारी उपयोगकर्त्ताओं को उनके पैसे का सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त करने की सुविधा के लिये ई-बोली और रिवर्स ई-नीलामी जैसे उपकरण भी प्रदान करता है।
- इसे वर्ष 2016 में सरकारी खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिये लॉन्च किया गया था।
- GeM के रखरखाव के लिये वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय नोडल एजेंसी है। अत: कथन 3 सही है।

Q.74

उत्तर: C

व्याख्या:

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) के तहत इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज़ (IIPS)) द्वारा वर्ष 2019 में वैश्विक युवा तंबाकू सर्वेक्षण का चौथा चरण (GYTS-4) आयोजित किया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
    - यह एशिया और प्रशांत क्षेत्र (ESCAP) के लिये आर्थिक और सामाजिक आयोग हेतु जनसंख्या अध्ययन के मामले में प्रशिक्षण और अनुसंधान हेतु एक क्षेत्रीय संस्थान के रूप में कार्य करता है।
    - GYTS के पहले तीन चरण 2003, 2006 और 2009 में आयोजित किये गए थे।
- GYTS-4 के प्रमुख निष्कर्ष:
    - पिछले एक दशक में स्कूल जाने वाले 13-15 वर्ष के बच्चों में तंबाकू के सेवन में 42 प्रतिशत की गिरावट आई है। अत: कथन 2 सही है।
        - 13-15 वर्ष की आयु के छात्रों में से करीब प्रत्येक 5 में एक ने अपने जीवन में किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पाद (धूम्रपान, धुआँ रहित और किसी भी अन्य रूप) का उपयोग किया।

- किसी भी प्रकार के तंबाकू के सेवन की मात्रा के मामले में लड़कों की संख्या अधिक थी। लड़कों में तंबाकू के सेवन का प्रसार 9.6 प्रतिशत और लड़कियों में 7.4 प्रतिशत था।
- स्कूल जाने वाले बच्चों में तंबाकू का सेवन करने वाले अरुणाचल प्रदेश और मिज़ोरम में सबसे अधिक तथा हिमाचल प्रदेश एवं कर्नाटक में सबसे कम थे। अत: कथन 3 सही है।

Q.75

उत्तर: A

व्याख्या:

- उज्ज्वला 1.0 के तहत मार्च 2020 तक गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के परिवारों की 50 मिलियन महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य था। उज्ज्वला 2.0 के तहत लाभार्थियों को अतिरिक्त 10 मिलियन एलपीजी कनेक्शन प्रदान किये जाएंगे।
    - एक जमा-मुक्त एलपीजी कनेक्शन के साथ उज्ज्वला 2.0 लाभार्थियों को पहली रिफिल और एक हॉटप्लेट नि:शुल्क प्रदान किया जाएगा। अत: कथन 1 सही है।
- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (MoPNG) उज्ज्वला योजना को लागू करने वाली नोडल एजेंसी है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.76

उत्तर: D

व्याख्या:

- हाल ही में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने संवाद कार्यक्रम का दूसरा चरण शुरू किया है।
    - इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन बच्चों के लिये मानसिक स्वास्थ्य तक पहुँच बनाना है जो बच्चे तस्करी के शिकार या अनाथ हैं।
    - संवाद (SAMVAD)- कमज़ोर परिस्थितियों में बच्चों के लिये समर्थन, सहायता और मानसिक स्वास्थ्य उपायों और संकट (SAMVAD) कार्यक्रम है।
- इस पहल का वित्तपोषण महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा किया गया है।
    - इसका नेतृत्व राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (NIMHANS) द्वारा किया जाता है।
        - NIMHANS मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान शिक्षा का शीर्ष केंद्र है। यह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्वायत्त रूप से संचालित है।
- NIMHANS ने कैदियों और जेल कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के प्रबंधन पर दिशा-निर्देशों का एक सेट जारी करता है।
    - किरण: सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने चिंता, तनाव, अवसाद, आत्महत्या का विचार और अन्य मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं का सामना कर रहे लोगों को सहायता प्रदान करने के लिये 24/7 टोल-फ्री हेल्पलाइन शुरू की है।
    - मनोदर्पण पहल: यह आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है। इसका उद्देश्य कोविड-19 के दौरान छात्रों, परिवार के सदस्यों और शिक्षकों को उनके मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिये मनोसामाजिक सहायता प्रदान करना है। अत: विकल्प D सही है।

Q.77

उत्तर : B

व्याख्या:

- भारत में हर दशक में जनगणना की जाती है तथा 2021 की जनगणना देश की 16वीं राष्ट्रीय जनगणना होगी।
    - गृह मंत्रालय द्वारा जनगणना कराई जाएगी। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- प्राचीनतम साहित्य 'ऋग्वेद' से पता चलता है कि 800-600 ईसा पूर्व के दौरान कुछ विधियों द्वारा जनगणना को बनाए रखा गया था।
- मुगल बादशाह अकबर के शासन काल में प्रशासनिक रिपोर्ट 'आईन-ए-अकबरी' में जनसंख्या, उद्योग, धन और कई अन्य विशेषताओं से संबंधित व्यापक आँकड़े शामिल थे। अत: कथन 1 सही है।
- भारत में पहली जनगणना गवर्नर-जनरल लॉर्ड मेयो के शासन काल में वर्ष 1872 में की गई थी। हालाँकि देश की पहली जनगणना प्रक्रिया को गैर-समकालिक (देश के विभिन्न भागों में अलग-अलग समय पर) रूप से पूर्ण किया गया। अत: कथन 2 सही है।
    - रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त के नव स्थापित कार्यालय ने वर्ष 1881 में भारत में पहली बार जनगणना पूरी की।

Q 78 .

उत्तर: A

व्याख्या:

- 'धरोहर गोद लें' परियोजना को 27 सितंबर, 2017 (विश्व पर्यटन दिवस) पर शुरू किया गया था, यह पर्यटन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI), राज्य/केंद्रशासित प्रदेश सरकारों का एक समन्वित प्रयास है। अत: कथन 1 सही है।
- स्थलों/स्मारकों का चयन पर्यटकों की संख्या और दृश्यता के आधार पर किया जाता है तथा इसे पाँच साल की प्रारंभिक अवधि के लिये निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और व्यक्तियों द्वारा अपनाया जा सकता है जिन्हें स्मारक मित्र के रूप में जाना जाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

- स्मारक मित्रों का चयन 'निगरानी और दृष्टि समिति' (Oversight and Vision Committee) द्वारा किया जाता है, जिसकी सह-अध्यक्षता पर्यटन सचिव और संस्कृति सचिव द्वारा विरासत स्थल पर सभी सुविधाओं के विकास हेतु बोली लगाने वाले के विज़न के आधार पर की जाती है।
- कॉर्पोरेट क्षेत्र से साइट के रखरखाव के लिये कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) फंड का उपयोग करने की उम्मीद की जाती है।

Q.79

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में ग्रामीण विकास मंत्रालय (Ministry of Rural development) द्वारा एक नया भू-स्थानिक योजना पोर्टल "युक्तधारा" लॉन्च किया गया है। नए पोर्टल से रिमोट सेंसिंग और GIS आधारित जानकारियों का उपयोग करते हुए नई मनरेगा परिसंपत्तियों की योजना बनाने में सुविधा प्राप्त होगी।
  - यह भुवन (Bhuvan) के अंतर्गत एक नया पोर्टल है। अत: कथन 1 सही है।
- यह इसरो और ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से किए गए अथक प्रयासों का परिणाम है, जो विकेंद्रीकृत निर्णय लेने के समर्थन में ग्रामीण योजनाओं हेतु गवर्नमेंट-टू-गवर्नमेंट (G2G) सेवा को साकार करने के लिये किया गया है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - पूर्व में इसरो द्वारा लॉन्च किया गया 'भुवन' पोर्टल वर्तमान समय में पूरे भारत में कई विकासात्मक योजना गतिविधियों के लिये एक वास्तविक भू-स्थानिक मंच बन गया है।
- यह प्लेटफॉर्म विभिन्न राष्ट्रीय ग्रामीण विकास कार्यक्रमों यानी मनरेगा, एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम, प्रति बूंद अधिक फसल और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना आदि के अंतर्गत बनाई गई परिसंपत्तियों (जियोटैग) के भंडार के रूप में कार्य करेगा, जिसमें फील्ड फोटोग्राफी भी शामिल है। अत: कथन 3 सही है।
- यह पोर्टल विभिन्न प्रकार की थीमेटिक परतों, मल्टी-टेम्पोरल हाई रेजोल्यूशन अर्थ ऑब्जर्वेशन डेटा को, विश्लेषण उपकरणों के साथ एकीकृत करेगा।
- योजनाकार विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पिछली परिसंपत्तियों का विश्लेषण करने तथा ऑनलाइन उपकरणों के माध्यम से नए कार्यों की पहचान करने में सक्षम होंगे। राज्य के विभागों के अंतर्गत आने वाले उपयुक्त प्राधिकारियों द्वारा तैयार की गई योजनाओं का मूल्यांकन किया जाएगा।

Q.80

उत्तर: D

व्याख्या:

- मदुर फ्लोर मैट बंगाली जीवन शैली का एक आंतरिक हिस्सा है, मदुर मैट या मधुरकथी प्राकृतिक फाइबर से बने होते हैं।
  - इसे अप्रैल 2018 में GI रजिस्ट्री द्वारा भौगोलिक संकेत (GI) टैग से सम्मानित किया गया था।
  - यह एक प्रकंद आधारित पौधा (साइपरस टेगेटम या साइपरस पैंगोरेई) है जो पश्चिम बंगाल के पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर के जलोढ़ इलाकों में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।
- बंगाल से GI टैग वाले अन्य आइटम:
  - कुष्मंडी का लकड़ी का मुखौटा, पुरुलिया चौ-मुखौटा, गोविंदभोग चावल, तुलाईपंजी चावल, बंगाल पटचित्र, दार्जिलिंग चाय आदि। अत: विकल्प D सही है।

Q.81

उत्तर : C

व्याख्या :

- हाल ही में नीति आयोग (NITI Aayog) और वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (World Resources Institute-WRI), द्वारा संयुक्त रूप से भारत में 'फोरम फॉर डिकार्बोनाइज़िंग ट्रांसपोर्ट' (Forum for Decarbonizing Transport) को लॉन्च किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- यह मंच राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC)- एशिया के लिये परिवहन पहल (NDC-TIA) परियोजना का एक हिस्सा है, जो प्रभावी नीतियों की एक सुसंगत रणनीति विकसित करने और क्षेत्र में कार्बन मुक्त परिवहन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये एक बहु-हितधारक मंच के गठन पर केंद्रित है। अत: कथन 2 सही है।

प्रश्न 82:

उत्तर: C

व्याख्या

- 'ई-श्रम' पोर्टल का उद्देश्य देश भर में कुल 38 करोड़ असंगठित श्रमिकों जैसे- निर्माण मज़दूरों, प्रवासी कार्यबल, रेहड़ी-पटरी वालों और घरेलू कामगारों को पंजीकृत करना है।
- इसके तहत श्रमिकों को एक 'ई-श्रम कार्ड' जारी किया जाएगा, जिसमें 12 अंकों का एक विशिष्ट नंबर शामिल होगा। अत: कथन 1 सही है।
- सभी पंजीकृत असंगठित श्रमिकों को एक वर्ष के लिये 'प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना' (PMSBY) के माध्यम से दुर्घटना बीमा कवरेज प्रदान किया जाएगा। अत: कथन 2 सही है।

- यदि कोई कर्मचारी 'ई-श्रम' पोर्टल पर पंजीकृत है और दुर्घटना का शिकार होता है, तो मृत्यु या स्थायी विकलांगता की स्थिति में 2 लाख रुपए और आंशिक विकलांगता की स्थिति में 1 लाख रुपए का पात्र होगा।
- श्रमिक, ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार के सामाजिक सुरक्षा लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। प्राकृतिक आपदाओं या महामारी के मामले में पात्र श्रमिकों को सहायता प्रदान करने के लिये यह पोर्टल पंजीकरण केंद्रों तथा राज्य सरकारों के लिये उपयोगी होगा।

Q83.

उत्तर : D

व्याख्या :

- प्रधानमंत्री जन धन योजना वित्तीय समावेशन के लिये एक राष्ट्रीय मिशन है, जो वित्तीय सेवाओं, अर्थात् बैंकिंग / बचत और जमा खातों, प्रेषण, क्रेडिट, बीमा, पेंशन तक एक किफायती तरीके से पहुँच सुनिश्चित करता है। अत: कथन 1 सही है।
- इसका मुख्य उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों अर्थात् कमज़ोर वर्ग और निम्न आय वर्ग हेतु किफायती कीमत पर विभिन्न वित्तीय सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना और इसके लिये प्रौद्योगिकी का उपयोग करना।
- यह जन धन खाताधारकों को अल्पकालिक ऋण के रूप में 10,000 रुपए (ओवरड्राफ्ट सुविधा) तक धन निकासी की अनुमति देता है। यह सीमा पहले 5,000 रुपए थी लेकिन सरकार ने पिछले साल इस राशि को दोगुना कर दिया। अत: कथन 2 सही है।
- अगस्त 2021 में खातों की संख्या बढ़कर 43.04 करोड़ हो गई, जो अगस्त 2015 में 17.9 करोड़ थी।
- सक्रिय खातों के प्रतिशत में निरंतर वृद्धि इस बात का संकेत है कि इनमें से अधिक-से- अधिक खाते ग्राहकों द्वारा नियमित रूप से उपयोग किये जा रहे हैं। अत: कथन 3 सही है।

Q.84

उत्तर: D

व्याख्या:

- भारत निर्वाचन आयोग (ECI) भारत में संघ और राज्य चुनाव प्रक्रियाओं के प्रशासन हेतु जिम्मेदार एक स्वायत्त संवैधानिक प्राधिकरण है।
- यह लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के कार्यालयों के चुनावों का प्रशासन करता है।
- भारतीय संविधान का भाग XV चुनावों से संबंधित है और इन मामलों के लिये एक आयोग की स्थापना का प्रावधान करता है।
- संविधान का अनुच्छेद 324 से 329 आयोग और सदस्यों की शक्तियों, कार्य, कार्यकाल, पात्रता आदि से संबंधित है।
- मूल रूप से इसमें केवल एक चुनाव आयुक्त था, लेकिन चुनाव आयुक्त संशोधन अधिनियम, 1989 के बाद इसे एक बहु-सदस्यीय निकाय बना दिया गया है। अत: कथन 1 सही है।
    - वर्तमान में इसमें एक मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो चुनाव आयुक्त (ईसी) होते हैं, जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।
    - ये 6 वर्ष की अवधि के लिये या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने (जो भी पहले हो) तक पद धारण करते हैं। अत: कथन 2 सही है।
- सिस्टमैटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन (SVEEP) 2009 में मतदाता शिक्षा के लिये ECI के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में शुरू किया गया था। अत: कथन 3 सही है।
    - इसका प्राथमिक लक्ष्य सभी पात्र नागरिकों को मतदान करने तथा एक निर्णय एवं नैतिक विकल्प प्रदान करने के लिये प्रोत्साहित करके एक समावेशी और सहभागी लोकतंत्र का निर्माण करना है।

प्रश्न:85

उत्तर: C

व्याख्या:

- NMEO-OP एक नई केंद्र प्रायोजित योजना है। वर्ष 2025-26 तक पाम ऑयल के लिये अतिरिक्त 6.5 लाख हेक्टेयर का प्रस्ताव है।अत: कथन 1 सही है।
    - इसमें 2025-26 तक पाम ऑयल की खेती के क्षेत्र को 10 लाख हेक्टेयर और 2029-30 तक 16.7 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाना शामिल होगा।
- पाम ऑयल किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी और उन्हें मूल्य एवं व्यवहार्यता सूत्र के तहत पारिश्रमिक मिलेगा। अत: कथन 2 सही है।
    - व्यवहार्यता सूत्र एक न्यूनतम समर्थन मूल्य है और सरकार इसे अब कच्चे पाम ऑयल (सीपीओ) मूल्य के 14.3% पर तय करेगी।
- अंतत: यह बढ़कर 15.3% हो जाएगा।
- योजना का एक अन्य फोकस क्षेत्र इनपुट/हस्तक्षेपों के समर्थन में पर्याप्त वृद्धि करना है।
    - पुराने बागानों को उनके कायाकल्प के लिये विशेष सहायता दी जाएगी।

Q.86

उत्तर: D

व्याख्या:

- संशोधित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) को अक्सर PMFBY 2.0 द्वारा संबोधित किया जाता है।
    - यह पूरी तरह से स्वैच्छिक है- 2020 खरीफ से सभी किसानों के लिये 100% स्वैच्छिक नामांकन।
    - इससे पूर्व, अधिसूचित फसलों के लिये फसल ऋण/किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) खाते का लाभ उठाने वाले ऋणी किसानों के लिये अनिवार्य था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- PMFBY ने राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (NAIS) और संशोधित राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (MNAIS) का स्थान ले लिया है। लेकिन पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (WBCIS) को PMFBY के तहत शामिल नहीं किया गया है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.87

उत्तर: B

व्याख्या:

- मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017 मानसिक विकास से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को सरकार द्वारा संचालित या वित्तपोषित सेवाओं से मानसिक स्वास्थ्य देखभाल और उपचार तक पहुँच की गारंटी देता है।
    - इस अधिनियम ने IPC की धारा 309 के उपयोग के दायरे को काफी कम कर दिया है और आत्महत्या करने के प्रयास को केवल एक अपवाद के रूप में दंडनीय बना दिया है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम (MHCA) 2017 'विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (जिसे भारत ने वर्ष 2007 में अनुमोदित किया) की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये वर्ष 2018 में लागू हुआ था। अत: कथन 2 सही है।

Q.88

उत्तर: A

व्याख्या:

- राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (NISD) एक स्वायत्त निकाय है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCT), दिल्ली सरकार के साथ 1860 के सोसायटी अधिनियम XXI के तहत पंजीकृत है। अत: कथन 1 सही है।
    - यह सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय हेतु एक केंद्रीय सलाहकार निकाय है। यह सामाजिक रक्षा के क्षेत्र में नोडल प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान है। अत: कथन 2 सही है।
    - यह सामाजिक रक्षा के क्षेत्र में नोडल प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान है। यह राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सरकार व गैर-सरकारी संगठनों के बीच समन्वय तथा संपर्क का कार्य भी करता है।
- हाल ही में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने एक ऑनलाइन पोर्टल 'उत्पादकता एवं सेवाओं को बढ़ाने के लिये प्रशिक्षण' (TAPAS) लॉन्च किया है।
    - TAPAS हितधारकों की क्षमता निर्माण के लिये सामाजिक रक्षा के क्षेत्र में विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान (NISD) की एक पहल है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

Q.89

उत्तर: D

व्याख्या:

सांसद आदर्श ग्राम योजना (SAGY):

- यह योजना वर्ष 2014 में जय प्रकाश नारायण की जयंती पर शुरू की गई थी। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- योजना के तहत संसद सदस्य (सांसद) वर्ष 2019 तक तीन और 2024 तक कुल आठ गांव के सामाजिक-आर्थिक और भौतिक बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये ज़िम्मेदार हैं।
- सांसद आदर्श ग्राम के विकास के लिए अपने स्वयं के गांव या अपने पति या पत्नी के अलावा अन्य उपयुक्त ग्राम पंचायत की पहचान करने के लिये स्वतंत्र हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.90

उत्तर: A

व्याख्या:

- MPS (जिसे फ्री फ्लोट भी कहा जाता है) नियम के लिये भारत में सभी सूचीबद्ध कंपनियों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि उनके इक्विटी शेयरों का कम-से-कम 25% गैर-प्रवर्तकों, अर्थात् जनता के पास है। अत: कथन 1 सही है।
- सार्वजनिक शेयरधारक व्यक्तिगत या वित्तीय संस्थान हो सकते हैं और वे आमतौर पर सार्वजनिक पेशकश या द्वितीयक बाज़ारों के माध्यम से शेयरों की खरीद करते हैं।
- न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता की अवधारणा सूचीबद्ध कंपनियों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता लाने हेतु पेश की गई थी।
- भारत में औसत प्रमोटर होल्डिंग वैश्विक स्तर पर सबसे ज़्यादा है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

प्रश्न:91

उत्तर: A

व्याख्या:

- यह ऑप्टिकल फाइबर का उपयोग कर विश्व का सबसे बड़ा ग्रामीण ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी कार्यक्रम है और भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड (BBNL) द्वारा कार्यान्वित एक प्रमुख मिशन भी। अत: कथन 1 सही है।
- BBNL, भारत सरकार द्वारा कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत 1000 करोड़ रुपए की अधिकृत पूंजी के साथ स्थापित एक विशेष प्रयोजन वाहन (SPV) है।
- इसे संचार मंत्रालय के तहत दूरसंचार विभाग द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।अत: कथन 2 सही नहीं है।
- अक्तूबर 2011 में नेशनल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क (National Optical Fibre Network- NOFN) को लॉन्च किया गया था, वर्ष 2015 में इसका नाम बदलकर भारत नेट प्रोजेक्ट (Bharat Net Project) कर दिया गया।
    - NOFN को ग्राम पंचायतों (Gram Panchayats) तक ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी पहुँचाने हेतु एक मज़बूत बुनियादी ढाँचे के निर्माण के माध्यम से एक सूचना सुपरहाइवे के रूप में परिकल्पित किया गया था।

प्रश्न 92:

उत्तर: B

व्याख्या.:

- ODF+: एक शहर को ODF+ घोषित किया जा सकता है, यदि किसी दिन किसी भी व्यक्ति को खुले में शौच और/या पेशाब करते हुए नहीं पाया जाता है और सभी सामुदायिक तथा सार्वजनिक शौचालय कार्यात्मक अवस्था में एवं सुव्यवस्थित हैं। ODF+ स्थिति अनिवार्य रूप से जल निकायों या क्षेत्रों में सीवेज के डंपिंग से संबंधित नहीं है। अत: कथन 2 सही है।
- ODF++: एक शहर को ODF++ घोषित किया जा सकता है, यदि वह पहले से ही ODF+ स्थिति में है और वहाँ मल कीचड़/सेप्टेज (Faecal sludge/Septage) और नालियों का सुरक्षित रूप से प्रबंधन तथा उपचार किया जाता है एवं किसी प्रकार के अनुपचारित कीचड़/सेप्टेज (Sludge/Septage) और नालियों की निकासी जल निकायों या खुले क्षेत्रों के नालों में नहीं होती है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- ODF: किसी क्षेत्र को ODF के रूप में अधिसूचित या घोषित किया जा सकता है यदि दिन के किसी भी समय, एक भी व्यक्ति खुले में शौच नहीं करता है।

प्रश्न 93:

उत्तर: A

व्याख्या:

- अंतर-राज्यीय जल विवाद अधिनियम केंद्र सरकार को एक अंतर-राज्यीय नदी या नदी घाटी के पानी के संबंध में दो या दो से अधिक राज्यों के बीच विवाद के निर्णय के लिये एक तदर्थ न्यायाधिकरण स्थापित करने का अधिकार देता है। अत: कथन 1 सही है।
- न्यायाधिकरण का निर्णय अंतिम होता है और विवाद के पक्षकारों पर बाध्यकारी होता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- किसी भी जल विवाद के संबंध में न तो सर्वोच्च न्यायालय और न ही कोई अन्य न्यायालय अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग कर सकते हैं, जिसे इस अधिनियम के तहत किसी न्यायाधिकरण को संदर्भित किया जा सकता है। अत: कथन 3 सही है।

Q.94

उत्तर: D

व्याख्या:

- अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन के एक भाग के रूप में वर्ष 2000 में व्यक्तियों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की तस्करी को रोकने, अपराधियों को पकड़ने और दंडित करने के लिये प्रोटोकॉल।
    - संयुक्त राष्ट्र ड्रग्स और अपराध कार्यालय (UNODC) प्रोटोकॉल को लागू करने के लिये ज़िम्मेदार है।
    - यह राज्यों को कानूनों मसौदा तैयार करने, व्यापक राष्ट्रीय तस्करी विरोधी रणनीति बनाने और उन्हें लागू करने के लिये संसाधन उपलब्ध कराकर व्यावहारिक सहायता प्रदान करता है।
- भूमि, समुद्र और वायु मार्ग से प्रवासियों की तस्करी के खिलाफ प्रोटोकॉल:
    - यह 28 जनवरी, 2004 को लागू हुआ था।
    - यह अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का भी पूरक है।
    - प्रोटोकॉल का उद्देश्य प्रवासियों के अधिकारों की सुरक्षा और प्रवासियों का दुरुपयोग करने वाले संगठित आपराधिक समूहों की शक्ति एवं प्रभाव को कम करना है।
- मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (1948) एक गैर-बाध्यकारी घोषणा है जो प्रत्येक मनुष्य को सम्मान के साथ जीने का अधिकार प्रदान करती है और दासता को प्रतिबंधित करती है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- ब्लू हार्ट अभियान, UNODC द्वारा शुरू किया गया एक अंतर्राष्ट्रीय तस्करी-रोधी कार्यक्रम है। अत: कथन 1 सही नहीं है।

- सतत् विकास लक्ष्य: विभिन्न SDG का उद्देश्य इसकी जड़ों और साधनों को लक्षित कर तस्करी को समाप्त करना है।
  - लक्ष्य 5 (लैंगिक समानता हासिल करना और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना)।
  - लक्ष्य 8 (निरंतर, समावेशी और सतत् आर्थिक विकास, पूर्ण एवं उत्पादक रोज़गार तथा सभी के लिये अच्छे काम को बढ़ावा देना)।
  - लक्ष्य 16 (सतत् विकास के लिये शांतिपूर्ण और समावेशी समाजों को बढ़ावा देना, सभी के लिये न्याय तक पहुँच प्रदान करना व सभी स्तरों पर प्रभावी, जवाबदेह और समावेशी संस्थानों का निर्माण करना)।

Q.95

उत्तर : C

व्याख्या :

- हाल ही में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) ने राजस्थान के उदयपुर में निचला मांडवा (Nichla Mandwa) गाँव से "सूखे भू-क्षेत्र पर बाँस मरु-उद्यान" (BOLD) नामक एक परियोजना शुरू की। अत: कथन 1 सही है।
- इस परियोजना के अंतर्गत विशेष रूप से असम से लाए गए बाँस की विशेष प्रजातियों- बंबुसा टुल्डा (Bambusa Tulda) और बंबुसा पॉलीमोर्फा (Bambusa Polymorpha) के 5,000 पौधों को निचला मांडवा ग्राम पंचायत की 25 बीघा (लगभग 16 एकड़) खाली शुष्क भूमि पर लगाया गया है।
  - इस तरह KVIC ने एक ही स्थान पर एक ही दिन में सर्वाधिक संख्या में बाँस के पौधे लगाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है।
- यह भारत में इस तरह का पहला अभ्यास है। यह परियोजना शुष्क व अर्द्ध-शुष्क भूमि क्षेत्रों में बाँस आधारित हरित पट्टी बनाने का प्रयास करती है। अत: कथन 2 सही है।
- यह मरुस्थलीकरण को कम करेगा और आजीविका तथा बहु-विषयक ग्रामीण उद्योग में सहायता प्रदान करेगा।
- यह सतत् विकास और खाद्य सुरक्षा के रूप में भी कार्य करेगा।

Q.96

उत्तर: D

व्याख्या :

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39 (क) में सभी के लिये न्याय सुनिश्चित किया गया है और गरीबों तथा समाज के कमज़ोर वर्गों के लिये राज्य द्वारा नि:शुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था करने को कहा गया है। अत: कथन 1 सही है।
  - अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 22 (1), विधि के समक्ष समानता सुनिश्चित करने के लिये राज्य को बाध्य करता है।
- वर्ष 1987 में गरीबों को मुफ्त और सक्षम कानूनी सेवाएँ प्रदान करने हेतु विधिक सेवा प्राधिकरण (LSA) अधिनियम को अधिनियमित किया गया था ।
  - LSA अधिनियम के तहत मुफ्त कानूनी सेवाएँ अनुसूचित जनजाति (Schedule Tribe) और अनुसूचित जाति (Schedule Caste) से संबंधित व्यक्ति, महिला, बच्चे, मानव तस्करी के शिकार, दिव्यांगजन, औद्योगिक कामगार और गरीबों हेतु उपलब्ध हैं।
  - टेली-लॉ प्रोग्राम किसी भी व्यक्ति को कीमती समय और धन बर्बाद किये बिना कानूनी सलाह लेने में सक्षम बनाती है।
    - विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 12 के तहत उल्लिखित मुफ्त कानूनी सहायता के लिये पात्र लोगों हेतु यह सेवा मुफ्त है। अत: कथन 2 सही है।
    - अन्य सभी के लिये मामूली शुल्क लिया जाता है।

प्रश्न:97

उत्तर: C

व्याख्या:

- हाल ही में सरकार ने सार्वजनिक उद्यम विभाग (Department of Public Enterprises-DPE) को भारी उद्योग मंत्रालय के दायरे से हटाकर पुन: वित्त मंत्रालय के दायरे में ला दिया है। अत: कथन 1 सही है।
- वित्त मंत्रालय में अब छह विभाग होंगे जबकि DPE के मूल मंत्रालय, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय को अब केवल भारी उद्योग मंत्रालय कहा जाएगा।
  - लोक उद्यम विभाग सभी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (Central Public Sector Enterprises-CPSEs) का नोडल विभाग है और CPSEs से संबंधित नीतियाँ तैयार करता है।
  - CPSEs ऐसी कंपनियाँ हैं जिनमें केंद्र सरकार या अन्य CPSEs की प्रत्यक्ष हिस्सेदारी 51% या उससे अधिक है।
  - यह विशेष रूप से, CPSEs में निष्पादकता सुधार एवं मूल्यांकन, स्वायत्तता तथा वित्तीय शक्तियों के प्रत्यायोजन और कार्मिक प्रबंधन के बारे में नीतिगत दिशानिर्देश तैयार करता है।
  - इसके अलावा यह केंद्रीय सरकारी उद्यमों से संबंधित बहुत से क्षेत्रों के संबंध में सूचना एकत्र करता है और उसका रखरखाव भी करता है।
- यह अब आर्थिक मामले, राजस्व, व्यय, वित्तीय सेवाएँ और निवेश तथा सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (Department of Investment and Public Asset Management-DIPAM) के अलावा वित्त मंत्रालय में छठा विभाग होगा। अत: कथन 2 सही है।

- DPE को वित्त मंत्रालय में स्थानांतरित किये जाने से CPSEs के पूंजीगत व्यय, परिसंपत्ति मुद्रीकरण और वित्तीय स्वास्थ्य की कुशल निगरानी में मदद मिलेगी।

Q.98

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने स्पर्श (System for Pension Administration Raksha- SPARSH) नामक एक एकीकृत प्रणाली लागू की है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह पेंशनभोगियों के लिये एक पेंशनभोगी पोर्टल है जिसके माध्यम से पेंशनभोगी अपनी पेंशन संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, सेवाओं तक पहुँच प्राप्त कर सकते हैं और अपनी शिकायत (यदि हो) तो दर्ज करा सकते हैं। अत: कथन 2 सही है।
- स्पर्श (SPARSH) ने उन पेंशनभोगियों को अंतिम छोर से कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिये सेवा केंद्रों की स्थापना की परिकल्पना की है जो किसी भी कारण से सीधे स्पर्श पोर्टल तक पहुँचने में असमर्थ हों।
  - रक्षा पेंशनभोगियों से संबंधित दो सबसे बड़े बैंकों-भारतीय स्टेट बैंक (SBI) और पंजाब नेशनल बैंक (PNB) को साझा तौर पर सेवा केंद्र के रूप में चुना गया है।

Q.99

उत्तर : B

व्याख्या:

- यह अधिनियम पीढ़ियों से जंगलों में निवास कर रहे वन विस्थापित अनुसूचित जनजातियों (Forest Dwelling Scheduled Tribes- FDST) और अन्य पारंपरिक वन विस्थापितों (Other Traditional Forest Dwellers- OTFD) के लिये वन भूमि में वन अधिकारों एवं व्यवसाय को मान्यता देता है।
  - अधिनियम के तहत वन अधिकारों का दावा उस सदस्य या समुदाय द्वारा किया जा सकता है, जिसकी कम-से-कम तीन पीढ़ियाँ (75 वर्ष) मुख्य रूप से अपनी जीविका की ज़रूरतों को पूरा करने हेतु 13 दिसंबर, 2005 से पहले तक वन भूमि क्षेत्र में निवास करती हो। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- ग्रामसभा को व्यक्तिगत वन अधिकार (IFR) या सामुदायिक वन अधिकार (CFR) या दोनों जो FDST और OTFD को दिये जा सकते हैं, की प्रकृति एवं सीमा को निर्धारित करने के लिये प्रक्रिया शुरू करने का अधिकार है। अत: कथन 2 सही है।

Q.100

उत्तर : A

व्याख्या :

- हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'कृषि अवसंरचना कोष' के अंतर्गत केंद्रीय क्षेत्र की वित्तपोषण सुविधा योजना में कुछ संशोधनों को मंज़ूरी दी।
  - इसे 2020 में कोविड-19 संकट के विरुद्ध प्रोत्साहन पैकेज के रूप में 20 लाख करोड़ रुपए की घोषणा के साथ शुरू किया गया।
- इसका उद्देश्य फसलोपरांत बुनियादी ढाँचा प्रबंधन और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों के लिये व्यवहार्य परियोजनाओं में निवेश हेतु मध्यम-लंबी अवधि के ऋण वित्तपोषण की सुविधा प्रदान करना। अत: कथन 1 सही है।
  - केंद्र / राज्य / स्थानीय निकायों द्वारा प्रायोजित फसल एकत्रीकरण के लिये पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) परियोजनाओं के अलावा कोल्ड स्टोर, चेन वेयरहाउसिंग, ग्रेडिंग और पैकेजिंग इकाइयों, ई-ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से जुड़े ई-मार्केटिंग पॉइंट्स की स्थापना के लिये धन उपलब्ध कराया जाएगा।
- अवधि: 13 वर्षों तक बढ़ाई गई (2032-33 तक)।
- पात्र लाभार्थी: इस योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों में, प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PAC), विपणन सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों (FPOs), स्वयं सहायता समूहों (SHGs), किसानों, संयुक्त देयता समूहों (Joint Liability Groups- JLG), बहुउद्देशीय सहकारी समितियों, कृषि उद्यमियों, स्टार्टअपों और केंद्रीय/राज्य एजेंसी या स्थानीय निकाय प्रायोजित सार्वजनिक-निजी साझीदारी परियोजनाएँ आदि को शामिल किया गया है।
  - राज्य एजेंसियों और कृषि उपज विपणन समितियों (APMC) के साथ-साथ सहकारी संगठनों, FPO तथा SHG के संघों के लिये पात्रता बढ़ा दी गई है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- पात्र लाभार्थियों को ऋण के रूप में बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा 1 लाख करोड़ रुपए प्रदान किये जाएंगे।
  - पुनर्भुगतान के लिये अधिस्थगन न्यूनतम 6 महीने और अधिकतम 2 वर्षों के अधीन भिन्न हो सकता है।
  - ऋणों पर 2 करोड़ रुपए की सीमा तक 3% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज सबवेंशन होगा। यह सबवेंशन अधिकतम सात साल की अवधि के लिये उपलब्ध होगा।
- इस वित्तपोषण सुविधा से ऋण प्राप्त करने वाले पात्र उधारकर्त्ताओं को 2 करोड़ रुपए तक के ऋण हेतु सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिये क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (Credit Guarantee Fund Trust for Micro and Small Enterprises- CGTMSE) योजना के तहत एक क्रेडिट गारंटी कवरेज़ उपलब्ध होगा। अत: कथन 3 सही है।

Q.101

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धति के तहत शोध, चिकित्सा शिक्षा से संबंधित पाँच पोर्टल्स का लोकार्पण किया गया। ये पाँच पोर्टल हैं- CTRI (क्लीनिकल ट्रायल रजिस्ट्रेशन ऑफ इंडिया), RMIS (रिसर्च मैनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम), SAHI/साही (शोकेस ऑफ आयुर्वेद हिस्टोरिकल इम्प्रिंट्स), AMAR (आयुष मैन्यूस्क्रिप्ट्स एडवांस्ड रिपॉज़िटरी) तथा e-Medha/ई-मेधा (इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल हेरिटेज एक्सेसन)।
    - 'आयुष' (AYUSH) का अर्थ: स्वास्थ्य देखभाल और उपचार की पारंपरिक एवं गैर-पारंपरिक प्रणालियाँ जिनमें आयुर्वेद (Ayurveda), योग (Yoga), प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी (Unani), सिद्ध (Siddha), सोवा-रिग्पा (Sowa-Rigpa) तथा होम्योपैथी (Homoeopathy) आदि शामिल हैं।
- क्लीनिकल ट्रायल रजिस्ट्रेशन ऑफ इंडिया (CTRI): विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organization-WHO) के इंटरनेशनल क्लीनिकल ट्रायल्स रजिस्ट्री प्लेटफॉर्म के तहत तैयार किया गया क्लीनिकल ट्रायल्स का प्राथमिक रजिस्टर है।
- रिसर्च मैनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम (RMIS): यह आयुर्वेद आधारित अध्ययनों में अनुसंधान एवं विकास के लिये वन स्टॉप सोल्यूशन के रूप में कार्य करेगा।
- शोकेस ऑफ आयुर्वेद हिस्टोरिकल इम्प्रिंट्स पोर्टल (SAHI): यह पुरा-वानस्पतिक (Archeo-Botanical) जानकारियों, शिलालेखों पर मौजूद उत्कीर्णो और उच्च स्तरीय पुरातात्त्विक अध्ययनों को प्रदर्शित करेगा। अत: कथन 1 सही है।
- आयुष मैन्यूस्क्रिप्ट्स एडवांस्ड रिपॉज़िटरी (AMAR): यह एक डिजिटल डैशबोर्ड है जिसमें आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और सोवा-रिग्पा से जुड़ी पाण्डुलिपियों के देश-दुनिया में मौजूद खजाने के बारे में जानकारी मौजूद रहेगी।
- इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल हेरिटेज एक्सेसन (e-Medha): इसमें राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (National Informatics Centre- NIC) की मदद से ई-ग्रंथालय प्लेटफॉर्म में संग्रहीत 12000 से भी अधिक भारतीय चिकित्सीय विरासत संबंधी पांडुलिपियों और पुस्तकों का कैटलॉग ऑनलाइन उपलब्ध हो सकेगा। अत: कथन 2 सही नहीं है।
    - ई-ग्रंथालय (e-Granthalaya): यह NIC द्वारा सरकारी पुस्तकालयों के लिये इन-हाउस गतिविधियों के स्वचालन के साथ-साथ सदस्य सेवाओं और संसाधन साझाकरण की नेटवर्किंग हेतु विकसित एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है।

Q.102

उत्तर: C

व्याख्या:

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय है।
    - इसकी स्थापना वर्ष 2005 में टाइगर टास्क फोर्स की सिफारिशों के बाद की गई थी।
    - इसे सौंपी गई शक्तियों और कार्यों के अनुसार, बाघ संरक्षण को मज़बूती प्रदान करने के लिये वर्ष 2006 में संशोधित वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत इसका गठन किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- प्रोजेक्ट टाइगर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसे वर्ष 1973 में भारत में नामित बाघ अभयारण्यों में बाघ संरक्षण हेतु राज्यों को केंद्रीय सहायता प्रदान करने के लिये शुरू किया गया था। अत: कथन 2 सही है।
    - यह परियोजना राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा प्रशासित है।

प्रश्न 103:

उत्तर: C

व्याख्या:

- 'नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड' विद्युत मंत्रालय के तहत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (Public Sector Undertaking- PSU) है।
    - एनटीपीसी आरईएल (NTPC REL), एनटीपीसी (NTPC) की 100% हिस्सेदारी वाली कंपनी है। अत: कथन 1 सही है।
- हाल ही में 'नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड- रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड' (NTPC- REL) ने देश का पहला 'ग्रीन हाइड्रोजन मोबिलिटी प्रोजेक्ट' स्थापित करने हेतु केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
    - NTPC REL ने इस क्षेत्र में शुरुआत के लिये 5 हाइड्रोजन बसें चलाने की योजना बनाई है और कंपनी लेह में एक सौर संयंत्र तथा एक हरित हाइड्रोजन उत्पादन इकाई स्थापित करेगी।
    - यह लेह को हरित हाइड्रोजन आधारित गतिशीलता परियोजना लागू करने वाला देश का पहला शहर बना देगा। यह सही मायने में ज़ीरो एमिशन मोबिलिटी होगी।
- NTPC REL गुजरात के कच्छ के रण में एक सौर पार्क भी स्थापित करेगी जहाँ से यह अल्ट्रा-मेगा अक्षय ऊर्जा पावर पार्क (UMREPP) योजना के तहत व्यावसायिक स्तर पर हरित हाइड्रोजन भी उत्पन्न करेगी।

- NTPC REL गुजरात के कच्छ के रण में 4.75 गीगावाट अक्षय ऊर्जा पार्क स्थापित करेगा। यह भारत का सबसे बड़ा सोलर पार्क होगा, जिसका निर्माण देश की सबसे बड़ी विद्युत उत्पादक कंपनी करेगी। अत: कथन 3 सही नहीं है।

प्रश्न:104

उत्तर: B

व्याख्या:

- विश्व युवा कौशल दिवस (World Youth Skills Day) प्रत्येक वर्ष 15 जुलाई को मनाया जाता है।
  - इसे वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (United Nations General Assembly- UNGA) द्वारा नामित किया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - इसका उद्देश्य विश्व के युवाओं को रोज़गार, काम और उद्यमिता के लिये आवश्यक कौशल प्रदान करना है।
- यूनेस्को (UNESCO) के अनुमानों के अनुसार, मार्च 2020 और मई 2021 के बीच 50% देशों में 30 सप्ताह से अधिक समय तक स्कूल बंद रहे थे।
  - वयस्कों (Adult) के 3.7% की तुलना में युवा (Youth) रोज़गार पिछले वर्ष 8.7% गिर गया।
- प्रधानमंत्री ने 75 नए स्वीकृत जन शिक्षण संस्थानों (Jan Shikshan Sansthan- JSS) की घोषणा की और इसके लिये विशेष रूप से बनाया गया एक पोर्टल भी लॉन्च किया।
  - जेएसएस का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-साक्षर, नव-साक्षर और साथ ही स्कूल छोड़ने वालों को संबंधित क्षेत्र के बाज़ार के लिये प्रासंगिक कौशल की पहचान करके व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। अत: कथन 2 सही है।
- जनजातीय समुदाय के लिये विशेष पहल:
- गोल कार्यक्रम (Going Online As Leaders' -GOAL): इस कार्यक्रम को इस प्रकार से डिज़ाइन किया गया है जिससे आदिवासी युवाओं और महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों यथा- बागवानी, खाद्य प्रसंस्करण, मधुमक्खी पालन, आदिवासी कला एवं संस्कृति आदि में डिजिटल कौशल व प्रौद्योगिकी के माध्यम से दीर्घकालिक स्तर पर ज्ञान प्राप्त हो सके। अत: कथन 3 सही है।
  - इसी प्रकार वन धन योजना आदिवासी समाज को नए अवसरों से प्रभावी ढंग से जोड़ रही है।

Q.105

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) ने एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित पोर्टल 'SUPACE' लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य कानूनी अनुसंधान के लिये न्यायाधीशों की सहायता करना है। अत: कथन 2 सही है।
  - 'SUPACE' 'सुप्रीम कोर्ट पोर्टल फॉर असिस्टेंस इन कोर्ट्स एफिशिएंसी' का संक्षिप्त रूप है।
- यह ऐसा साधन है जो प्रासंगिक तथ्यों और कानूनों को एकत्र करता है तथा उन्हें न्यायाधीशों के लिये उपलब्ध कराता है।
  - इस उपकरण को निर्णय लेने के लिहाज़ से डिज़ाइन नहीं किया गया है, बल्कि यह केवल तथ्यों को संसाधित करेगा और न्यायाधीशों की सहायता के लिये तथ्य उपलब्ध कराएगा। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - प्रारंभ में इसका प्रयोग बंबई और दिल्ली उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों द्वारा प्रायोगिक आधार पर किया जाएगा।

Q.106

उत्तर: D

व्याख्या :

- हाल ही में, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) द्वारा "स्थायी आवास के लिये लक्ष्य: ऊर्जा दक्षता निर्माण में नई पहल 2021" (Aiming for Sustainable Habitat: New Initiatives in Building Energy Efficiency 2021) शुरु की गई।
  - ये पहल भवन क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने का प्रयास करती हैं और इन्हें 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया था। अत: कथन 3 सही है।
- शुरू की गई पहलें:
  - ईको निवास संहिता 2021 : भारत के ऊर्जा संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देने हेतु आवासीय भवनों (Energy Conservation Building Code for Residential- ECBC-R) के लिये यह एक ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता है। अत: कथन 1 सही है।
    - यह ईको निवास संहिता 2021 के साथ कोड अनुपालन दृष्टिकोण और भवन सेवाओं के लिये न्यूनतम ऊर्जा प्रदर्शन आवश्यकताओं एवं सत्यापन ढाँचे को निर्दिष्ट करता है।

- हैंडबुक फॉर लर्निंग: वेब आधारित एक मंच "द हैंडबुक ऑफ रेप्लिकेबल डिज़ाइन फॉर एनर्जी एफिसिएंट रेज़िडेन्शियल बिल्डिंग्स" उपलब्ध होगा जिसका उपयोग भारत में कम ऊर्जा खपत वाले भवनों के निर्माण में एक उपयोगी और अपनाई जा सकने योग्य सूचनाओं एवं जानकारियों के स्रोत के रूप में किया जा सकेगा।
- निर्माण सामग्री की ऑनलाइन डॉयरेक्टरी: ऊर्जा दक्षता वाले भवन निर्माण हेतु भवन निर्माण सामग्री के लिये मानकीकरण की प्रक्रिया को पूर्ण करने के उद्देश्य से भवन निर्माण सामग्री की एक ऑनलाइन डॉयरेक्टरी तैयार की जाएगी।
- निर्माण पुरस्कार: निर्माण पुरस्कार (NEERMAN यानी नेशनल एनर्जी एफिसिएन्सी रोडमैप फॉर मूवमेंट टूवड्र्स एफोर्डेबल एंड नेचुरल हैबीटेट) की घोषणा की जाएगी जिसका उद्देश्य BEE की ऊर्जा बचत भवन संहिता के अनुरूप तैयार असाधारण रूप से ऊर्जा बचत भवन प्रारूपों को प्रोत्साहित करना है। अत: कथन 2 सही है।

Q.107

उत्तर: B

व्याख्या:

- गृह मंत्रालय के अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंस' (निमहांस/NIMHANS) ने कैदियों और जेल कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के प्रबंधन के लिये दिशा-निर्देश जारी किये हैं। अत: कथन 1 सही है।
  - मानसिक स्वास्थ्य संबंधी रोग की पहचान के लिये 'गेटकीपर मॉडल' के तहत आत्महत्या के जोखिम वाले कैदियों की पहचान करने हेतु विशेष रूप से प्रशिक्षित चयनित कैदी, अन्य कैदियों को उपचार एवं सहायक सेवा प्रदान करेंगे।
  - मानसिक विकारों वाले कैदियों को आत्महत्या के जोखिम से बचाने के लिये उनका नियमित रूप से मूल्यांकन एवं पर्यवेक्षण करना आवश्यक होता है और नियमित रूप से दवा दी जानी भी महत्त्वपूर्ण होती है।
- सामाजिक हस्तक्षेप के लिये 'बडी सिस्टम' (Buddy System):
  - यह प्रशिक्षित कैदियों के माध्यम से एक प्रकार का सामाजिक समर्थन कार्यक्रम है, जिसे 'बडी' या 'श्रोता' के रूप में जाना जाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - आत्महत्या की इच्छा से पीड़ित कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य पर इस पहल का बेहतर प्रभाव पाया गया है। इसके अलावा मित्रों और परिवार के साथ समय-समय पर टेलीफोन पर बातचीत करना भी इस दिशा में महत्त्वपूर्ण हो सकता है।

प्रश्न:108

उत्तर: C

व्याख्या:

- हाल ही में उत्तराखंड सरकार ने घोषणा की है कि वह अपने प्राकृतिक संसाधनों का मूल्यांकन 'सकल पर्यावरण उत्पाद' (Gross Environment Product'- GEP) के रूप में शुरू करेगी।
- यह सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product- GDP) के अनुरूप है।
- वैश्विक स्तर पर इसकी स्थापना वर्ष 1997 में रॉबर्ट कोस्टांज़ा जैसे पारिस्थितिक अर्थशास्त्रियों द्वारा की गई थी।
  - यह पारिस्थितिक स्थिति को मापने हेतु एक मूल्यांकन प्रणाली है। इसे उन उत्पाद और सेवा मूल्यों के रूप में लिया जाता है जिसमें पारिस्थितिकी तंत्र मानव कल्याण और आर्थिक एवं सामाजिक सतत् विकास को बढ़ावा मिलता है, इसमें प्रावधान, विनियमन तथा सांस्कृतिक पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ शामिल हैं। अत: कथन 1 सही है।
  - कुल मिलाकर GEP उत्पादों और सेवाओं को प्रदान करने में पारिस्थितिकी तंत्र के आर्थिक मूल्य हेतु ज़िम्मेदार है जो हरित जीडीपी के घटकों में से एक है। अत: कथन 2 सही है।
    - ग्रीन GDP किसी देश की मानक GDP के साथ-साथ पर्यावरणीय कारकों को ध्यान में रखते हुए आर्थिक विकास का एक संकेतक है। यह जैव विविधता के ह्रास और जलवायु परिवर्तन हेतु ज़िम्मेदार लागतों का कारक है।
  - पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं का मूल्य वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद से लगभग दोगुना है। इसलिये यह पर्यावरण के संरक्षण में मदद करेगा और हमें जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बचाने में भी मदद करेगा।

प्रश्न:109

उत्तर: A

व्याख्या:

- भारत में व्यक्तियों के विदेशी धन को विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (Foreign Contribution (Regulation) Act- FCRA), 2010 के तहत विनियमित किया जाता है और गृह मंत्रालय (Ministry of Home Affairs) द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।
- व्यक्तियों को MHA की अनुमति के बिना विदेशी राशि स्वीकार करने की अनुमति है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - हालाँकि ऐसे विदेशी अंश की स्वीकृति हेतु मौद्रिक सीमा 25,000 रुपए से कम होगी।
  - अधिनियम के तहत संगठनों को हर पाँच वर्ष में अपना पंजीकरण कराना आवश्यक है।

- विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2020:
  - विदेशी अंशदान स्वीकार करने पर रोक: अधिनियम लोक सेवकों को विदेशी अंशदान प्राप्त करने से रोकता है। लोक सेवक में कोई भी व्यक्ति शामिल हो सकता है जो सेवा में है या जिसे सरकार द्वारा भुगतान किया जाता है या किसी सार्वजनिक कर्तव्य के प्रदर्शन हेतु सरकार द्वारा पारिश्रमिक दिया जाता है। अत: कथन 2 सही है।
  - विदेशी अंशदान का अंतरण: अधिनियम विदेशी अंशदान को स्वीकार करने के लिये पंजीकृत व्यक्ति के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को विदेशी अंशदान के हस्तांतरण पर रोक लगाता है।

Q.110

उत्तर: C

व्याख्या:

- भारतीय संविधान में 'अल्पसंख्यक' शब्द को परिभाषित नहीं किया गया है। तथापि संविधान केवल धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को मान्यता देता है।
  - भारत में 6 अल्पसंख्यक समुदाय: जैन, पारसी, बौद्ध, ईसाई, सिख और मुस्लिम (सरकार द्वारा अधिसूचित)।
- अनुच्छेद 29: इसमें प्रावधान किया गया है कि भारत के राज्यक्षेत्र या उसके किसी भाग के निवासी नागरिकों, जिसकी अपनी विशेष भाषा, लिपि या संस्कृति है, को उसे बनाए रखने का अधिकार होगा।
  - यह धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ-साथ भाषाई अल्पसंख्यकों दोनों को संरक्षण प्रदान करता है।
- अनुच्छेद 30: इस अनुच्छेद के तहत सभी अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी रूचि के शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन का अधिकार होगा।
  - अनुच्छेद 30 के तहत संरक्षण केवल अल्पसंख्यकों (धार्मिक या भाषाई) तक ही सीमित है, अनुच्छेद 29 की तरह यह नागरिकों के किसी भी वर्ग के लिये उपलब्ध नहीं है।
- अनुच्छेद 350-B: मूल रूप से, भारतीय संविधान में भाषाई अल्पसंख्यकों के लिये विशेष अधिकारी के संबंध में कोई प्रावधान नहीं किया गया था। लेकिन, 1956 के सातवें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान में अनुच्छेद 350-B को जोड़ा गया।
  - इसके अनुसार, भाषाई अल्पसंख्यक वर्गों के लिये एक विशेष अधिकारी होगा जिसकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी।
  - विशेष अधिकारी का यह कर्त्तव्य होगा कि वह संविधान के अंतर्गत भाषाई अल्पसंख्यक वर्गों के लिये उपबंधित रक्षोपायों से संबंधित सभी विषयों का अन्वेषण करे।

प्रश्न:111

उत्तर: C

व्याख्या:

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (Ministry of Social Justice and Empowerment) ने वित्त वर्ष 2021-22 में सूचना-निगरानी, मूल्यांकन और सामाजिक लेखापरीक्षा (Information-Monitoring, Evaluation and Social Audit- I-MESA) नामक एक योजना तैयार की है। अत: कथन 1 सही है।
- इस योजना के अंतर्गत वित्त वर्ष 2021-22 से विभाग की सभी योजनाओं की सामाजिक लेखापरीक्षा आयोजित की जाएगी।
- यह सामाजिक लेखापरीक्षा राज्यों की सामाजिक लेखापरीक्षा इकाइयों (Social Audit Unit) और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के माध्यम से की जाती है। अत: कथन 2 सही है।

Q.112

उत्तर: C

व्याख्या:

- भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण अधिनियम, 2008 (AERA अधिनियम) पारित किया गया जिसने AERA को एक वैधानिक निकाय के रूप में स्थापित किया। अत: कथन 1 सही है।
- यह इस बात को ध्यान में रखते हुए स्थापित किया गया था कि देश को एक ऐसे स्वतंत्र नियामक की आवश्यकता है जिसके पास पारदर्शी नियम हों और जो सेवा प्रदाताओं के साथ-साथ उपभोक्ताओं के हितों का भी ध्यान रख सके।
- AERA प्रमुख हवाई अड्डों पर वैमानिकी सेवाओं (हवाई यातायात प्रबंधन, विमान की लैंडिंग एवं पार्किंग, ग्राउंड हैंडलिंग सेवाएँ) के लिये टैरिफ और अन्य शुल्क (विकास शुल्क तथा यात्री सेवा शुल्क) नियंत्रित करता है। अत: कथन 2 सही है।

Q.113

उत्तर : C

व्याख्या :

- मैनुअल स्कैवेंजिंग (Manual Scavenging) को "सार्वजनिक सड़कों और सूखे शौचालयों से मानव मल को हटाने, सेप्टिक टैंक, नालियों और सीवर की सफाई" के रूप में परिभाषित किया गया है।
  - मैनुअल स्कैवेंजिंग की प्रथा जाति, वर्ग और आय के विभाजन से प्रेरित है।

- इसलिये, हाथ से मैला ढोना संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत उल्लंघन माना जाएगा है क्योंकि अनुच्छेद 21 व्यक्ति को मानवीय गरिमा के साथ 'जीवन जीने के अधिकार' की गारंटी देता है। यह अधिकार नागरिकों और गैर-नागरिकों दोनों के लिये अधिमान्य है। अत: कथन 1 सही है।
  - भारत में मौलिक अधिकार भारत के संविधान के भाग III (अनुच्छेद 12-35) के तहत गारंटीकृत अधिकार हैं।
- मैनुअल स्कैवेंजर्स का रोज़गार और शुष्क शौचालय का निर्माण (निषेध) अधिनियम, 1993" के तहत देश में हाथ से मैला ढोने की प्रथा को प्रतिबंधित कर दिया गया है। अत: कथन 2 सही है।

Q.114

उत्तर: A

व्याख्या:

- आकाशीय बिजली/तड़ित का तात्पर्य वातावरण में विद्युत के तीव्र प्रवाह और बड़े पैमाने पर निर्वहन से है। इसका कुछ भाग पृथ्वी की ओर निर्देशित होता है। यह बादल के ऊपरी हिस्से और निचले हिस्से के बीच प्राकृतिक रूप से न्यूनतम अवधि के विद्युत निर्वहन और उच्च आवेश के प्रक्रिया का परिणाम है।
  - अत: इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मैनेजमेंट (Indian Institute of Tropical Management-IITM) ने भी बिजली गिरने की घटनाओं में वृद्धि को सीधे तौर पर जलवायु संकट और ग्लोबल वार्मिंग के कारण ज़मीन पर अधिक नमी की उपलब्धता से संबंधित माना है।
  - पुणे स्थित IITM भारत का एकमात्र संस्थान है जो पूर्ण रुप से गरज और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं के अध्ययन पर कार्य करता है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- लाइटनिंग रेज़िलिएंट इंडिया कैंपेन (LRIC) द्वारा हाल ही में जारी बिजली पर भारत की दूसरी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2020 और मार्च 2021 के बीच भारत में बिजली गिरने की 18.5 मिलियन घटनाएँ दर्ज की गईं।
  - इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में 34% की वृद्धि हुई है; अप्रैल 2019 और मार्च 2020 के बीच कम-से-कम बिजली गिरने की 13.8 मिलियन घटना दर्ज की गईं। अत: कथन 1 सही है।
  - LRIC क्लाइमेट रेज़िलिएंट ऑब्ज़र्विंग सिस्टम प्रमोशन काउंसिल (CROPC), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA), भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD), केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, वर्ल्ड विज़न इंडिया, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (UNICEF) की एक संयुक्त पहल है। अत: कथन 2 सही है।
    - इस अभियान का लक्ष्य वर्ष 2022 तक बिजली गिरने से होने वाली मौतों की संख्या को 1,200 प्रतिवर्ष से कम करना है।

Q.115

उत्तर: D

व्याख्या:

- केंद्र प्रायोजित योजनाएँ (CSS) केंद्र सरकार की ऐसी योजनाएँ हैं जिनमें केंद्र और राज्यों दोनों की वित्तीय भागीदारी होती है।
  - केंद्र प्रायोजित योजनाओं को 'कोर ऑफ कोर स्कीम', 'कोर स्कीम' और 'वैकल्पिक स्कीमों' में विभाजित किया गया है।
    - वर्तमान में 6 'कोर ऑफ कोर स्कीम्स' हैं।
  - इनमें से अधिकांश योजनाओं में राज्यों की विशिष्ट वित्तीय भागीदारी निर्धारित हैं।
- छह 'ऑफ द कोर' केंद्र प्रायोजित योजनाओं में शामिल हैं:
  - राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम।
  - महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी कार्यक्रम।
  - अनुसूचित जाति के विकास हेतु अम्ब्रेला कार्यक्रम।
  - अनुसूचित जनजातियों के विकास हेतु अम्ब्रेला कार्यक्रम।
  - अल्पसंख्यकों के विकास हेतु अम्ब्रेला कार्यक्रम।
  - अन्य संवेदनशील समूहों के विकास हेतु अम्ब्रेला कार्यक्रम। अत: विकल्प D सही है।

Q. 116.

उत्तर: A

व्याख्या:

- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का गठन एक सांविधिक संगठन के रूप में जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के अंतर्गत सितंबर, 1974 को किया गया।
  - यह बोर्ड पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के अंतर्गत पर्यावरण एवं वन मंत्रालय को तकनीकी सेवाएँ भी उपलब्ध कराता है। अत: कथन 1 सही है।
- इसके पश्चात् केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के अंतर्गत शक्तियाँ व कार्य सौंपे गए। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रमुख कार्यों को जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 तथा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत वर्णित किया गया है।
  - जल प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण और उपशमन द्वारा राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों में नालों और कुओं की सफाई को बढ़ावा देना।
  - वायु की गुणवत्ता में सुधार और देश में वायु प्रदूषण को रोकने, नियंत्रित करने या कम करने के प्रयास करना।

प्रश्न 117:

उत्तर: C

व्याख्या

- 'राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग' (NCPCR) ने देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान करने के लिये एक ऑनलाइन ट्रैकिंग पोर्टल 'बाल स्वराज' (कोविड-केयर) पोर्टल तैयार किया है। अत: कथन 1 सही है।
- यह उन बच्चों की ऑनलाइन ट्रैकिंग और डिजिटल रियल टाइम मॉनीटरिंग के उद्देश्य से बनाया गया है, जिन्हें देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता है।
- NCPCR, बाल अधिकार संरक्षण आयोग (CPCR) अधिनियम, 2005 के तहत मार्च 2007 में स्थापित एक सांविधिक निकाय है।
- यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है। अत: कथन 2 सही है।
- आयोग का प्राथमिक कार्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी देशों में बन रहे सभी कानून, नीतियाँ, कार्यक्रम और प्रशासनिक तंत्र, बाल अधिकारों के परिप्रेक्ष्य में भारतीय संविधान एवं बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन के अनुरूप हों।
- यह शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत एक बच्चे के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार से संबंधित शिकायतों की जाँच करता है।
- यह यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (POCSO) अधिनियम, 2012 के कार्यान्वयन की निगरानी करता है।

Q.118.

उत्तर: A

व्याख्या:

- आपदाओं के कुशल प्रबंधन और इससे जुड़े अन्य मामलों के लिये वर्ष 2005 में भारत सरकार द्वारा DM अधिनियम पारित किया गया था।
    - यह अधिनियम समग्र राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के संचालन के लिये गृह मंत्रालय को नोडल मंत्रालय के रूप में नामित करता है। अत: कथन 1 सही है।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का गठन औपचारिक रूप से 27 सितंबर 2006 को आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत हुआ था, इसके अनुसार प्रधान मंत्री इसके अध्यक्ष (गृह मंत्री की अध्यक्षता में नहीं) होते हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.119.

उत्तर: D

व्याख्या:

- हाल ही में भारत सरकार ने बाँस के सामानों के विपणन के लिये GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) पोर्टल पर एक विंडो 'द ग्रीन गोल्ड कलेक्शन' शुरू करने के लिये कार्य प्रारंभ किया है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
    - "द ग्रीन गोल्ड कलेक्शन" [https://gem.gov.in/national-bamboo-mission] के माध्यम से जीईएम पर उत्कृष्ट दस्तकारी वाले बाँस और बाँस से बने उत्पादों, हस्तशिल्प, डिस्पोजल और कार्यालय में उपयोग होने वाले उत्पादों का प्रदर्शन किया जाता है।
    - इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बाँस के कारीगरों, बुनकरों और उद्यमियों को सरकारी खरीदारों तक बाज़ार पहुँच प्रदान करना है।
- स्टेट ऑफ एनवायरनमेंट रिपोर्ट 2018 के अनुसार, भारत चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाँस की खेती करने वाला देश है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति द्वारा 14वें वित्त आयोग (2018-19 तथा 2019-20) की शेष अवधि के दौरान सतत् कृषि के लिये राष्ट्रीय मिशन (National Mission for Sustainable Agriculture - NMSA) के अंतर्गत केंद्र प्रायोजित पुर्नगठित राष्ट्रीय बाँस मिशन (National Bamboo Mission - NBM) को स्वीकृति दी गई थी। यह 'हब एंड स्पोक' मॉडल पर आधारित है। अत: कथन 3 सही है।

Q.120

उत्तर: B

व्याख्या:

- 'वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद' (CSIR) भारत का सबसे बड़ा अनुसंधान एवं विकास (R&D) संगठन है। 37 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, 39 दूरस्थ केंद्रों, 3 नवोन्मेषी परिसरों और 5 इकाइयों के एक सक्रिय नेटवर्क के साथ इसकी उपस्थिति पूरे भारत में है।
- प्रधानमंत्री इसका अध्यक्ष (पदेन) होता है तथा केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री इसका उपाध्यक्ष (पदेन) होता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- स्किमागो इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग वर्ल्ड रिपोर्ट 2021 (Scimago Institutions Ranking World Report 2021) के अनुसार, यह विश्व भर के 1587 सरकारी संस्थानों में 37वें स्थान पर है और शीर्ष 100 वैश्विक सरकारी संस्थानों में एकमात्र भारतीय संगठन है। अत: कथन 2 सही है।
    - एशिया में CSIR 7वें स्थान पर है।

- इसकी स्थापना वर्ष 1942 में की गई थी तथा यह दिल्ली में स्थित है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

Q.121.

उत्तर: C

व्याख्या:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (FAO) संयुक्त रूप से सदस्य राज्यों और अन्य संबंधित संगठनों के सहयोग से विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाते हैं। अत: कथन 1 सही है।
  - यह पहली बार वर्ष 2019 में "द फ्यूचर ऑफ फूड सेफ्टी" के तहत में अदीस अबाबा सम्मेलन और जिनेवा फोरम द्वारा 2019 में की गई खाद्य सुरक्षा को बढ़ाने की प्रतिबद्धता को मज़बूत करने के लिये मनाया गया था।
  - कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (CAC) खाद्य और कृषि संगठन और विश्व स्वास्थ्य संगठन का एक संयुक्त अंतर-सरकारी निकाय है।
  - वर्तमान में इसके 189 सदस्य हैं और भारत इसका सदस्य है। अत: कथन 2 सही है।
- CAC का सचिवालय रोम में FAO मुख्यालय में स्थित है।
  - यह उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा करने और खाद्य व्यापार में उचित व्यवहार सुनिश्चित करने के लिये स्थापित किया गया था।
  - कोडेक्स एलिमेंटेरियस अंतर्राष्ट्रीय खाद्य मानकों का एक संग्रह है जिसे CAC द्वारा अपनाया गया है।

प्रश्न:122

उत्तर: B

व्याख्या:

- वर्ष 2020 में भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (Insurance Regulatory and Development Authority of India- IRDAI) द्वारा लॉन्च किया गया सरल जीवन बीमा (Saral Jeevan Bima) जनता के बीच एक लोकप्रिय टर्म लाइफ इंश्योरेंस (Term Life Insurance) उत्पाद बन गया है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - आईआरडीएआई एक स्वायत्त निकाय है जिसे वर्ष 1999 में बीमा उद्योग को विनियमित और विकसित करने के लिये स्थापित किया गया था।
- सरल जीवन बीमा नियामक द्वारा आदेशित मानक टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान है जो स्वरोज़गार वाले या निम्न आय वर्ग के लोगों को बुनियादी सुरक्षा प्रदान करता है। अत: कथन 1 सही है।
  - यह एक शुद्ध टर्म लाइफ इंश्योरेंस उत्पाद है जिसे 18 से 65 वर्ष के आयु वर्ग के लोग खरीद सकते हैं और इसकी पॉलिसी अवधि 5 से 40 वर्ष होगी।
- यह पॉलिसी अवधि के दौरान बीमित व्यक्ति की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के मामले में नामांकित व्यक्ति को एकमुश्त राशि के भुगतान का प्रावधान करती है।
- इसमें आत्महत्या के अलावा कोई अन्य अपवाद शामिल नहीं है। अत: कथन 3 सही है।

Q.123

उत्तर: B

व्याख्या:

- सेना विमानन कोर की स्थापना नवंबर वर्ष 1986 में हुई थी।
- यह एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर 'ध्रुव', चेतक, चीता और चीतल हेलीकॉप्टर संचालन के लिये कार्यरत है। अत: कथन 1 सही है।
- यह सियाचिन ग्लेशियर सहित ऊँचाई वाले क्षेत्रों में सेना की तैनाती में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- हाल ही में सेना विमानन कोर में पहली बार हेलीकॉप्टर पायलट ट्रेनिंग के लिये दो महिला अधिकारियों का चयन किया गया है। वे जुलाई 2022 में अपना प्रशिक्षण पूरा करने के बाद फ्रंट-लाइन फ्लाइंग ड्यूटी में शामिल होंगी।
  - वर्तमान तक सेना विमानन कोर में महिला अधिकारियों को सिर्फ ग्राउंड ड्यूटी दी जाती थी। अत: कथन 3 सही नहीं है।

Q.124

उत्तर: C

व्याख्या:

- कॉर्पोरेट औसत ईंधन दक्षता (CAFE) विनियम को पहली बार वर्ष 2017 में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम (Energy Conservation Act), 2001 के तहत केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय (Union Ministry of Power) द्वारा अधिसूचित किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- यह विनियमन वर्ष 2015 के ईंधन खपत मानकों के अनुसार है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक वाहनों की ईंधन दक्षता को 35% तक बढ़ाना है। अत: कथन 2 सही है।

Q.125

उत्तर: B

व्याख्या:

- उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण रिपोर्ट (All India Survey on Higher Education- AISHE) 2019-20 देश में उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति पर प्रमुख प्रदर्शन संकेतक प्रदान करती है।

- उच्च शिक्षा विभाग द्वारा वार्षिक रूप से जारी की जाने वाली अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (AISHE) की शृंखला में यह 10वीं रिपोर्ट है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- कुल छात्र नामांकन: वर्ष 2015-16 से 2019-20 तक पिछले पाँच वर्षों की अवधि में छात्र नामांकन में 11.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- वर्ष 2019-20 के दौरान उच्च शिक्षा में कुल नामांकन 3.85 करोड़ रहा जबकि वर्ष 2018-19 में यह 3.74 करोड़ था। इसमें 11.36 लाख (3.04 प्रतिशत) की वृद्धि दर्ज की गई।
  - भारत में सबसे अधिक नामांकन उत्तर प्रदेश में हुए इसमें 49.1% छात्र और 50.9% छात्राएँ हैं, इसके बाद तमिलनाडु और महाराष्ट्र का स्थान आता है।
- सकल नामांकन अनुपात (GER): वर्ष 2019-20 के दौरान सकल नामांकन अनुपात (Gross Enrollment Ratio-GER) में 0.8% की मामूली वृद्धि हुई।
  - GER शिक्षा के किसी दिये गए स्तर में नामांकित छात्रों की संख्या है, यह उम्र की परवाह किये बिना, शिक्षा के समान स्तर के अनुरूप आधिकारिक स्कूली-आयु की आबादी के प्रतिशत के रूप में व्यक्त की जाती है।
  - वर्ष 2019-20 में उच्च शिक्षा में नामांकित पात्र आयु वर्गों के छात्रों का प्रतिशत 27.1 था। जबकि वर्ष 2018-19 में यह 26.3% और वर्ष 2014-15 में 24.3% था।
- महिला नामांकन: वर्ष 2015-16 से वर्ष 2019-20 तक उच्च शिक्षा में महिला नामांकन में कुल मिलाकर 18% से अधिक की वृद्धि हुई है। अत: कथन 2 सही है।
  - शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की अपेक्षा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी कम होने के साथ-साथ राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों में छात्राओं की हिस्सेदारी सबसे कम है।
- लैंगिक समानता सूचकांक: उच्च शिक्षा में लैंगिक समानता सूचकांक (Gender Parity Index- GPI) वर्ष 2018-19 के 1.00 के मुकाबले वर्ष 2019-20 में 1.01 रहा जो कि पात्र आयु समूह में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के लिये उच्च शिक्षा में सापेक्ष पहुँच में सुधार का संकेत है। अत: कथन 3 सही है।
  - 1 का GPI लैंगिक समानता को दर्शाता है; एक GPI जो 0 और 1 के बीच भिन्न होता है, आमतौर पर इसका मतलब पुरुषों के पक्ष में असमानता है; जबकि 1 से अधिक का GPI महिलाओं के पक्ष में असमानता को दर्शाता है।

Q.126.

उत्तर: D

व्याख्या:

- कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2014-15 में कृषि मशीनीकरण पर उप-मिशन (SMAM)को लॉन्च किया। अत: कथन 1 सही है।
- इसके तहत NER (पूर्वोत्तर क्षेत्र) राज्यों के अलावा अन्य राज्यों हेतु 40-50% की सीमा तक विभिन्न प्रकार के कृषि उपकरण और मशीनरी की खरीद हेतु सब्सिडी प्रदान की जाती है और NER राज्यों के लिये यह प्रति लाभार्थी 1.25 लाख रुपए तक 100% है। अत: कथन 2 सही है।
- कृषि मंत्रालय ने एक बहुभाषी मोबाइल एप, 'सीएचसी (कस्टम हायरिंग सेंटर)- फार्म मशीनरी' भी विकसित किया है जो किसानों को उनके क्षेत्र में स्थित कस्टम हायरिंग सर्विस सेंटर से जोड़ता है। अत: कथन 3 सही है।

Q.127

उत्तर: B

व्याख्या:

- 28 मई, 2021 को 'राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता पोर्टल' (National AI Portal) ने अपनी पहली वर्षगाँठ मनाई।
- यह इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (Ministry of Electronics and IT- MeitY), राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (National e-Governance Division-NeGD) और नैसकॉम (NASSCOM) की एक संयुक्त पहल है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह भारत और उसके बाहर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) से संबंधित समाचार, सीखने, लेख, घटनाओं और गतिविधियों आदि के लिये एक केंद्रीय हब (Hub) के रूप में कार्य करता है। अत: कथन 2 सही है।
- राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीज़न: वर्ष 2009 में डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन (MeitY द्वारा स्थापित एक गैर-लाभकारी कंपनी) के तहत NeGD को एक स्वतंत्र व्यापार प्रभाग के रूप में स्थापित किया गया था।
- NASSCOM एक गैर-लाभकारी औद्योगिक संघ है जो भारत में IT उद्योग के लिये सर्वोच्च निकाय है।

प्रश्न 128:

उत्तर: C

व्याख्या:

- पश्चिम बंगाल से तमिलनाडु तक विस्तृत यह आर्थिक गलियारा समग्र भारत को दक्षिण, दक्षिणपूर्व और पूर्वी एशिया के उत्पादन नेटवर्क से जोड़ता है।
  - इसमें पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु को कवर किया गया है। अत: कथन 1 सही है।
- 'पूर्वी तट आर्थिक गलियारे' के विकास में 'एशियाई विकास बैंक' भारत सरकार का प्रमुख भागीदार है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

- वर्ष 2019 में सरकार ने 'राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास और कार्यान्वयन ट्रस्ट' (NICDIT) के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही पाँच औद्योगिक गलियारा परियोजनाओं के विकास को मंज़ूरी दी थी। इनमें शामिल हैं:
    - दिल्ली-मुंबईऔद्योगिक गलियारा (DMIC)
    - अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा (AKIC)
    - चेन्नई-बंगलूरू औद्योगिक गलियारा (CBIC)
    - पूर्वी तट आर्थिक गलियारा (ECEC) के साथ विज़ाग चेन्नई औद्योगिक गलियारा
    - बंगलूरू-मुंबई औद्योगिक गलियारा (BMIC) अत: कथन 3 सही है।

Q.129

उत्तर: A

व्याख्या:

- भारतीय मानक ब्यूरो (Bureau of Indian Standard-BIS) भारत में सोने और चाँदी की हॉलमार्किंग योजना को संचालित करता है, हॉलमार्किंग को "कीमती धातु की वस्तुओं में कीमती धातु की आनुपातिक सामग्री का सटीक निर्धारण और आधिकारिक रिकॉर्डिंग" के रूप में परिभाषित करता है। अत: कथन 1 सही है।
    - यह कीमती धातु की वस्तुओं की "शुद्धता या सुंदरता की गारंटी" है, जो वर्ष 2000 में शुरू हुई थी।
- भारत में वर्तमान में दो कीमती धातुओं सोना और चाँदी को हॉलमार्किंग के दायरे में लाया गया है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- BIS प्रमाणित ज्वैलर्स किसी भी BIS मान्यता प्राप्त एसेइंग एंड हॉलमार्किंग सेंटर (Assaying and Hallmarking Centres- A&HC) से अपने आभूषण हॉलमार्क करवा सकते हैं।

Q.130

उत्तर: B

व्याख्या:

- भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) वस्तुओं के मानकीकरण, अंकन और गुणवत्ता प्रमाणन जैसी गतिविधियों के सामंजस्यपूर्ण विकास का कार्य भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय (National Standard Body of India) करता है।
- BIS, अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (International Organization for Standardization- ISO) का संस्थापक सदस्य है और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के विकास में सक्रिय रूप से शामिल है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- भारत का प्रतिनिधित्व BIS के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रो-तकनीकी आयोग (International Electro-technical Commission- IEC) द्वारा किया जाता है। अत: कथन 2 सही है।
    - IEC सभी विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक और संबंधित प्रौद्योगिकियों के लिये अंतर्राष्ट्रीय मानकों की तैयारी एवं प्रकाशन हेतु विश्व का अग्रणी संगठन है।

Q.131

उत्तर: A

व्याख्या:

- भारत में लगभग 14,500 किलोमीटर नौगम्य जलमार्ग (Navigable Waterways) हैं जिनमें नदियाँ, नहरें, बैकवाटर/अप्रवाही जल, खाड़ियाँ आदि शामिल हैं।
- राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम 2016 के अनुसार, 111 जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग (NWs) घोषित किया गया है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
    - राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 1: इलाहाबाद-हल्दिया जलमार्ग को भारत में राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-1 का दर्जा दिया गया है। यह जलमार्ग गंगा-भागीरथी-हुगली नदी तंत्र में स्थित है। यह 1620 किमी लंबाई के साथ भारत में सबसे लंबा राष्ट्रीय जलमार्ग है। अत: कथन 1 सही है।
- अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (Inland Waterways Authority of India-IWAI), विश्व बैंक की तकनीकी और वित्तीय सहायता से गंगा के हल्दिया-वाराणसी खंड पर नेविगेशन की क्षमता वृद्धि हेतु जल मार्ग विकास परियोजना (Jal Marg Vikas Project-JMVP) को कार्यान्वित कर रहा है। अत: कथन 3 सही है।

Q.132

उत्तर: C

व्याख्या:

- राष्ट्रीय कॅरियर सेवा (NCS) वर्ष 2015 में ई-गवर्नेंस योजना की छत्रछाया में लॉन्च किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
  - यह एक वन-स्टॉप समाधान है जो भारत के नागरिकों को रोज़गार और कॅरियर से संबंधित सेवाओं की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करता है।
- यह श्रम और रोज़गार मंत्रालय योजना के कार्यान्वयन के लिये नोडल मंत्रालय है। अत: कथन 2 सही है।
- NCS परियोजना अपने तीन आवश्यक स्तंभों के माध्यम से इस देश के लोगों तक पहुँचती है।
  - एक अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया आईसीटी आधारित पोर्टल जो एनसीएस पोर्टल है।
  - देश भर में मॉडल कॅरियर केंद्रों की स्थापना।
  - रोज़गार कार्यालयों के माध्यम से सभी राज्यों के साथ अंतर्संबंध।

प्रश्न 133:

उत्तर: A

व्याख्या:

- राज्यपाल से संबंधित संवैधानिक प्रावधान
  - भारतीय संविधान के अनुच्छेद 153 के तहत प्रत्येक राज्य के लिये एक राज्यपाल का प्रावधान किया गया है। एक व्यक्ति को दो या दो से अधिक राज्यों के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया जा सकता है।
    - राज्यपाल केंद्र सरकार का एक नामित व्यक्ति होता है, जिसे राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।
  - संविधान के मुताबिक, राज्य का राज्यपाल दोहरी भूमिका अदा करता है।
    - वह राज्य के मंत्रिपरिषद (CoM) की सलाह मानने को बाध्य राज्य का संवैधानिक प्रमुख होता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
    - इसके अतिरिक्त वह केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच एक महत्त्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है।
  - अनुच्छेद 157 और 158 के तहत राज्यपाल पद के लिये पात्रता संबंधी आवश्यकताओं को निर्दिष्ट किया गया है।
  - राज्यपाल को संविधान के अनुच्छेद 161 के तहत क्षमादान और दंडविराम आदि की भी शक्ति प्राप्त है।
  - कुछ विवेकाधीन शक्तियों के अतिरिक्त राज्यपाल को उसके अन्य सभी कार्यों में सहायता करने और सलाह देने के लिये मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक मंत्रिपरिषद का गठन किये जाने का प्रावधान है। (अनुच्छेद 163)
  - राज्य के मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है। (अनुच्छेद 164)
  - राज्यपाल, राज्य की विधानसभा द्वारा पारित विधेयक को अनुमति देता है, अनुमति रोकता है अथवा राष्ट्रपति के विचार के लिये विधेयक को सुरक्षित रखता है। (अनुच्छेद 200)
  - राज्यपाल कुछ विशिष्ट परिस्थितियों में अध्यादेशों को प्रख्यापित कर सकता है। (अनुच्छेद 213)। अत: कथन 1 सही है।

Q.134

उत्तर: D

व्याख्या:

- केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय है, जो सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के प्रावधानों के तहत फिल्मों के सार्वजनिक प्रदर्शन को नियंत्रित करता है। अत: कथन 2 सही है।
- बोर्ड में गैर-आधिकारिक सदस्य और एक अध्यक्ष (जिनमें से सभी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किये जाते हैं) होता है और इसका मुख्यालय मुंबई में है। अत: कथन 1 सही है।
- केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा प्रमाणित होने के बाद ही फिल्मों को भारत में (सिनेमा हॉल, टीवी चैनलों पर) सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जा सकता है।
- वर्तमान में फिल्मों को 4 श्रेणियों के तहत प्रमाणित किया जाता है: U, U/A, A & S।
  - अप्रतिबंधित सार्वजनिक प्रदर्शनी (U)।
  - अप्रतिबंधित सार्वजनिक प्रदर्शनी लेकिन सावधानी के साथ 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिये माता-पिता के विवेक की आवश्यकता (U/A)।
  - वयस्कों के लिये प्रतिबंधित (A)।
  - व्यक्तियों के किसी विशेष वर्ग के लिए प्रतिबंधित (S)। अत: कथन 3 सही है।

प्रश्न 135:

उत्तर: D

व्याख्या:

- योग एक प्राचीन शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी।
  - 'योग' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई है इसका अर्थ है- किसी व्यक्ति के शरीर एवं चेतना का मिलन या एकजुट होना।
- वर्ष 2014 में आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के 69वें सत्र के उद्घाटन के दौरान भारत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (IDY) का विचार प्रस्तावित किया गया था। अत: कथन 1 सही है।

- संयुक्त राष्ट्र ने दिसंबर, 2014 में एक प्रस्ताव पारित करके 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (IDY) के रूप में घोषित किया।
- प्रधानमंत्री ने एम-योग एप की घोषणा की जो 'एक विश्व एक स्वास्थ्य' के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा।
  - यह एप विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और आयुष मंत्रालय (भारत सरकार) के बीच सहयोग के माध्यम से विकसित किया गया है। अत: कथन 2 सही है।
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) जैसी विभिन्न कौशल पहलों के माध्यम से हज़ारों उम्मीदवारों को योग प्रशिक्षक के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। अत: कथन 3 सही है।
  - PMKVY कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की महत्त्वाकांक्षी योजना है।
  - योग 'फिट इंडिया मूवमेंट' का भी हिस्सा है।

प्रश्न:136

उत्तर: C

व्याख्या

- भारत संयुक्त राष्ट्र सिंगल कन्वेंशन ऑन नारकोटिक्स ड्रग्स-1961, कन्वेंशन ऑन साइकोट्रोपिक सब्सटेंस-1971 और कन्वेंशन ऑन इलीसिट ट्रैफिक ऑन नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस, 1988 का एक हस्ताक्षरकर्त्ता है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
  - ये सभी कन्वेंशन चिकित्सा और वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिये नशीली दवाओं और साइकोट्रोपिक पदार्थों के उपयोग को सीमित करने के साथ-साथ उसके दुरुपयोग को रोकने हेतु दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करने नियम निर्धारित करते हैं।
- 'नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस' (NDPS) अधिनियम, 1985 के तहत वर्ष 1986 में 'नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो' का भी गठन किया गया था।
  - 'नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो' गृह मंत्रालय के तहत शीर्ष समन्वय एजेंसी है। अत: कथन 2 सही है।
- नारकोटिक्स ड्रग्स और साइकोट्रोपिक सब्सटेंस पर राष्ट्रीय नीति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 47 पर आधारित है जो राज्य को औषधीय प्रयोजनों को छोड़कर स्वास्थ्य के लिये हानिकारक नशीले पदार्थों के उपभोग पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास करने का निर्देश देती है। अत: कथन 1 सही है।
  - नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर नियंत्रण केंद्र सरकार की ज़िम्मेदारी है।
- 'नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस' (NDPS) अधिनियम, 1985
  - इसमें नशीली दवाओं और साइकोट्रोपिक पदार्थों के अवैध व्यापार से प्राप्त या उपयोग की गई संपत्ति की ज़ब्ती का प्रावधान किया गया है।

Q.137

उत्तर: D

व्याख्या:

- संसद द्वारा बनाए गए कानून (सातवीं अनुसूची के तहत संघ सूची) के तहत या द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किये जाते हैं।
  - सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (Ministry of Road Transport and Highways) मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रख-रखाव के लिये उत्तरदायी है।
- भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 के तहत अधिसूचित किया गया है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का गठन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1988 के तहत राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास, अनुरक्षण और प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए किया गया।
- भूमिराशि पोर्टल को भूमि अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल और स्वचालित करने के लिये वर्ष 2018 में लॉन्च किया गया था। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.138

उत्तर : A

व्याख्या :

- प्रवर्तन निदेशालय (ED), भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अधीन एक विशेष वित्तीय जाँच एजेंसी है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- इस निदेशालय की उत्पत्ति 1 मई, 1956 को हुई, जब विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947 (फेरा '47) के तहत विनिमय नियंत्रण कानून के उल्लंघन से निपटने के लिये आर्थिक मामलों के विभाग में एक 'प्रवर्तन इकाई' का गठन किया गया। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - वर्ष 1957 में इस इकाई का नाम बदलकर 'प्रवर्तन निदेशालय' कर दिया गया ।
- ED निम्नलिखित कानूनों को लागू करता है :
  - विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (FEMA)। अत: कथन 3 सही है।
  - धन शोधन निवारण अधिनियम,2002 (PMLA)

Q.139

उत्तर: C

व्याख्या:

- एग्रीस्टैक प्रौद्योगिकियों और डिजिटल डेटाबेस का एक संग्रह है जो किसानों तथा कृषि क्षेत्र पर केंद्रित है। हाल ही में कृषि मंत्रालय ने 6 राज्यों के 100 गाँवों के लिये एक पायलट कार्यक्रम चलाने हेतु माइक्रोसॉफ्ट के साथ समझौता ज्ञापन (Memorandum of Understanding) पर हस्ताक्षर किये हैं। इसमें 'एग्रीस्टैक' (कृषि में प्रौद्योगिकी आधारित हस्तक्षेप का एक संग्रह) बनाने की मंत्रालय की योजना का एक बड़ा हिस्सा शामिल है, जिस पर बाकी सभी संरचनाएँ बनायी जाएंगी। एग्रीस्टैक किसानों को कृषि खाद्य मूल्य श्रृंखला में एंड टू एंड सर्विसेज़ प्रदान करने के लिये एक एकीकृत मंच तैयार करेगा। अत: विकल्प C सही है।

Q.140.

उत्तर: C

व्याख्या:

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने वर्ष 2018-2025 की अवधि के लिये नशीली दवाओं की मांग में कमी लाने हेतु राष्ट्रीय कार्ययोजना (National Action Plan for Drug Demand Reduction- NAPDDR) का कार्यान्वयन शुरू किया है। अत: कथन 1 सही है।
    - इसका उद्देश्य शिक्षा, नशा मुक्ति और प्रभावित व्यक्तियों तथा उनके परिवारों के पुनर्वास को शामिल करते हुए एक बहु-आयामी रणनीति के माध्यम से नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रतिकूल परिणामों को कम करना है।
- नशीली दवाओं के अवैध उपयोग के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन:
- सिंगल कन्वेंशन ऑन नारकोटिक्स ड्रग्स, 1961
- कन्वेंशन ऑन साइकोट्रोपिक सब्सटेंस-1971
- कन्वेंशन ऑन इलीसिट ट्रैफिक ऑन नारकोटिक ड्रग्स एँड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस, 1988
    - भारत इन तीनों का हस्ताक्षरकर्त्ता देश है और इसने नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (NDPS) अधिनियम, 1985 को अधिनियमित किया है। अत: कथन 2 सही है।

प्रश्न 141

उत्तर: B

व्याख्या

- शराबबंदी गुजरात, बिहार, मिज़ोरम, नगालैंड और केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप में लागू है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- 'शराब' भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत राज्य सूची में शामिल विषय है। अत: कथन 2 सही है।
- अनुच्छेद 47: अनुच्छेद 47 के तहत भारत के संविधान में नीति निर्देशक सिद्धांतों में कहा गया है कि "राज्य मादक पेयों और स्वास्थ्य के लिये हानिकर ओषधियों के औषधीय प्रयोजनों से भिन्न उपभोग का प्रतिषेध करने का प्रयास करेगा"।

Q.142

उत्तर: D

व्याख्या:

- 'विकलांगों और बेरोज़गारों को राहत' (Relief Of The Disabled and Unemployable') का विषय संविधान की सातवीं अनुसूची की राज्य सूची में निर्दिष्ट है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
    - हाल ही में भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने स्वीकार किया है कि शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को पदोन्नति में भी आरक्षण का अधिकार है।
    - यह मामला 'दिव्यांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995' के तहत प्रस्तुत एक दावे पर आधारित है।
- दिव्यांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 पदोन्नति में आरक्षण के अधिकार को मान्यता देता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
    - अधिनियम की धारा 32 के अनुसार, आरक्षण के लिये पदों की पहचान नियुक्ति हेतु एक पूर्वापेक्षा है; लेकिन पदों की पहचान करने से इनकार करके नियुक्ति के लिये मना नहीं किया जा सकता है।
    - इस अधिनियम को दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम 2016 के साथ प्रतिस्थापित किया गया है।

Q.143

उत्तर: A

व्याख्या:

- NATRIP ऑटोमोटिव क्षेत्र में सबसे बड़ी और सबसे महत्त्वपूर्ण पहल है जिसमें भारत सरकार, कई राज्य सरकारों तथा भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग के प्रतिनिधि शामिल हैं। अत: कथन 1 सही है।
- यह भारी उद्योग मंत्रालय की एक फ्लैगशिप परियोजना है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- इसका उद्देश्य देश में अत्याधुनिक परीक्षण, सत्यापन और अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना का निर्माण करना है।
- हाल ही में भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्री ने पीथमपुर, इंदौर (मध्य प्रदेश) में NATRAX- हाई स्पीड ट्रैक (NATRAX-High Speed Track) का उद्घाटन किया।

- यह नेशनल ऑटोमोटिव टेस्टिंग एंड रिसर्च एंड डेवलपमेंट (R&D) इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट (NATRIP) के तहत अत्याधुनिक ऑटोमोटिव टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन सेंटर में से एक है।

Q.144

उत्तर: C

व्याख्या:

- प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) का उद्देश्य देश में सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण प्राप्त करने के लिये ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सभी शेष गैर-विद्युतीकृत घरों में अंतिम मील कनेक्टिविटी और बिजली कनेक्शन द्वारा सभी तक ऊर्जा पहुँच प्रदान करना है। अत: कथन 1 सही है।
- हरित ऊर्जा कॉरिडोर (GEC) विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं से उत्पादित अक्षय ऊर्जा के संचरण के लिये ग्रिड से जुड़ा नेटवर्क है। इस परियोजना की परिकल्पना पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (PGCIL) ने 'ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर्स' नामक नवप्रवर्तनशील रिपोर्ट में की थी। अत: कथन 2 सही है।

Q.145

- पर्यावरण की सुरक्षा एवं पर्यावरण में सुधार करने के उद्देश्य से पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम (Environment (Protection Act-EPA), 1986 को अधिनियमित किया गया था।
  - EPA को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 253 के तहत अधिनियमित किया गया था, जो अंतर्राष्ट्रीय समझौतों को प्रभावी करने के लिये कानून बनाने का प्रावधान करता है।
- EPA का अधिनियमन जून, 1972 (स्टॉकहोम सम्मेलन) में स्टॉकहोम में आयोजित "मानव पर्यावरण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन" को देश में प्रभावी बनाने हेतु किया गया। ज्ञातव्य है कि भारत ने 'मानव पर्यावरण में सुधार के लिये उचित कदम उठाने हेतु आयोजित' इस सम्मेलन में भाग लिया था।
  - यह अधिनियम पर्यावरण के संरक्षण और सुधार हेतु सबसे व्यापक कानूनों में से एक है।
  - यह केंद्र सरकार को सभी रूपों में पर्यावरण प्रदूषण को रोकने और देश के विभिन्न हिस्सों में विशिष्ट पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिये प्राधिकरण स्थापित करने हेतु अधिकृत करता है।
- राष्ट्रीय पर्यावरण अपीलीय प्राधिकरण (National Environment Appellate Authority- NEAA) की स्थापना राष्ट्रीय पर्यावरण अपीलीय प्राधिकरण अधिनियम, 1997 के तहत केंद्र सरकार द्वारा की गई थी। अत: विकल्प D सही उत्तर है।
  - NEAA की स्थापना उन क्षेत्रों में लगाए गए प्रतिबंध के संबंध में अपील सुनने के लिये की गई थी, जिनमें पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत कुछ सुरक्षा उपायों के अधीन कोई उद्योग या प्रक्रिया का संचालन नहीं किया जाएगा।
- EPA के तहत जारी महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ:
  - तटीय विनियमन क्षेत्र अधिसूचना (वर्ष 1991), जो तटीय हिस्सों से जुड़ी गतिविधियों को नियंत्रित करती है।
  - विकास परियोजना अधिसूचना का पर्यावरणीय प्रभाव आकलन।

Q.146

उत्तर: B

व्याख्या:

- एनर्जी कॉम्पैक्ट्स (प्रतिबद्धताओं और कार्यों के एकीकरण और संयोजन हेतु एक मंच) यूएन-एनर्जी (UN-Energy) द्वारा संगठित किया जा रहा है और मौजूदा दशक की कार्रवाई के दौरान इसे संगठित एवं अपडेट किया जाना जारी रहेगा।
- ये स्पष्ट, अंतर्निहित कार्रवाइयों के साथ चल रही या नई प्रतिबद्धताएँ हैं जो SDG7 के तीन मुख्य लक्ष्यों में से एक या अधिक को आगे बढ़ाएगी। अत: कथन 2 सही है।
  - SDG7 वर्ष 2030 तक "सभी के लिये सस्ती, विश्वसनीय, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा" का आह्वान करता है।
  - SDG 7 तीन के मुख्य लक्ष्य: ऊर्जा तक पहुँच, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता।
- ये सदस्य राज्यों और गैर-राज्य अभिकर्त्ताओं जैसे- कंपनियों, क्षेत्रीय/स्थानीय सरकारों, गैर- सरकारी संगठनों और अन्य द्वारा व्यक्त स्वैच्छिक प्रतिबद्धताएँ हैं।
  - चूँकि सस्ती, स्वच्छ ऊर्जा अन्य सभी SDG और पेरिस समझौते के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये एक पूर्वापेक्षा है, इसलिये एनर्जी कॉम्पेक्ट में परिभाषित कार्यों को SDG एक्सेलेरेशन एक्शन के रूप में माने जाने वाले राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान से सीधे जोड़ा जा सकता है।
- एनर्जी कॉम्पैक्ट्स (EC) और राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs) के बीच अंतर:
  - NDCs सदस्य राज्यों की राष्ट्रीय जलवायु महत्त्वाकांक्षाओं और लक्ष्यों को संबोधित करते हैं जो पेरिस समझौते के तहत कानूनी रूप से आवश्यक हैं और ये संपूर्ण रूप से अर्थव्यवस्था के माध्यम से देश के उत्सर्जन प्रोफाइल पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
  - वहीं दूसरी ओर 'एनर्जी कॉम्पैक्ट्स' के तहत विशेषत: ऊर्जा प्रणाली और SDG7 पर केंद्रित विभिन्न प्रकार की स्वैच्छिक प्रतिबद्धताएँ, कार्य, पहल और भागीदारी शामिल हैं। अत: कथन 1 सही नहीं है।

- ये SDG7 लक्ष्यों को कवर करते हैं और इसमें वे लक्ष्य भी शामिल हैं, जो किसी देश के NDCs में परिलक्षित नहीं होते हैं।
- 'एनर्जी कॉम्पैक्ट्स' SDG7 से संबंधित सभी हितधारकों के लिये खुला हुआ है, जिसमें व्यवसाय, संगठन और उप-राष्ट्रीय प्राधिकरण शामिल हैं तथा वार्षिक तौर पर प्रतिबद्धताओं को लेकर प्रगति को ट्रैक करने हेतु तंत्र भी शामिल है।

Q.147

उत्तर: C

व्याख्या:

- आयुध निर्माणी बोर्ड (ओएफबी) आयुध कारखानों और संबंधित संस्थानों के लिये एक पूर्ण निकाय है, और वर्तमान में रक्षा मंत्रालय (एमओडी) का एक अधीनस्थ कार्यालय है। अत: कथन 1 सही है।
- पहला भारतीय आयुध कारखाना 1712 में डच कंपनी द्वारा गनपाउडर फैक्ट्री, पश्चिम बंगाल के रूप में स्थापित किया गया था। अत: कथन 2 सही है।
- यह 41 कारखानों, 9 प्रशिक्षण संस्थानों, 3 क्षेत्रीय विपणन केंद्रों और 5 क्षेत्रीय सुरक्षा नियंत्रकों का समूह है।
- इसका मुख्यालय कोलकाता में है।

Q.148

उत्तर: D

व्याख्या:

- हाल ही में भारत ने सौर ऊर्जा क्षेत्र की परियोजनाओं के लिये श्रीलंका को 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट (LOC) प्रदान करने के लिये एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। भारत में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की योजनाओं में शामिल हैं:
  - राष्ट्रीय सौर मिशन (जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना का एक हिस्सा): इसका उद्देश्य पूरे देश में सौर ऊर्जा की स्थापना के लिये नीतिगत शर्तें बनाकर भारत को सौर ऊर्जा में एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करना है।
  - किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (KUSUM): इस योजना में ग्रिड से जुड़े अक्षय ऊर्जा विद्युत संयंत्र (0.5 - 2 मेगावाट)/सौर जल पंप/ग्रिड से जुड़े कृषि पंप शामिल हैं।
  - रूफटॉप सौर योजना: घरों की छत पर सौर पैनल स्थापित कर सौर ऊर्जा उत्पन्न करने हेतु नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ग्रिड से जुड़ी रूफटॉप सौर योजना (द्वितीय चरण) को लागू कर रहा है।
  - अटल ज्योति योजना (AJAY): इसे सितंबर 2016 में उन राज्यों में सौर स्ट्रीट लाइटिंग (SSL) सिस्टम की स्थापना के लिये लॉन्च किया गया था, जहाँ 50% से कम घरों में ग्रिड विद्युत् उपलब्ध है (जनगणना 2011 के अनुसार)।
  - सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम: सौर प्रतिष्ठानों की देखभाल करने हेतु ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना। अत: विकल्प D सही है।

Q.149

उत्तर: B

व्याख्या:

- मॉडल पंचायत नागरिक घोषणापत्र को पंचायती राज मंत्रालय (MoPR) द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (National Institute of Rural Development & Panchayati Raj- NIRDPR) के सहयोग से तैयार किया गया है। अत: कथन 2 सही है।
  - NIRDPR, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- इसे सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs) के साथ कार्यों को संरेखित करते हुए, 29 क्षेत्रों में सेवाओं के वितरण के हेतु विकसित किया गया है।
- यह आशा है कि पंचायतें इस रूपरेखा का उपयोग करते हुए और ग्राम सभा के यथोचित अनुमोदन से एक नागरिक घोषणापत्र बनाएंगी जिसमें पंचायत द्वारा नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की विभिन्न श्रेणियों, ऐसी सेवाओं के लिये शर्तों और ऐसी सेवाओं की समय-सीमा का विस्तृत ब्यौरा होगा।
- यह घोषणापत्र जहाँ एक ओर नागरिकों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करेगा वहीं दूसरी ओर पंचायतों एवं उनके चुने हुए प्रतिनिधियों को लोगों के प्रति सीधे जवाबदेह बनाएगा।

प्रश्न.150

उत्तर: C

व्याख्या :

- नागरिक बचाव मिशन:
  - खाड़ी देशों से निकासी (1990-91):
    - वंदे भारत मिशन से पूर्व वर्ष 1990 में खाड़ी युद्ध के दौरान कुवैत से भारतीय नागरिको को वापस लाना अब तक का सबसे बड़ा निकासी अभियान था।
    - खाड़ी युद्ध के दौरान लगभग 1,77,000 भारतीय फँसे हुए थे। उस समय, एयर इंडिया ने दो महीनों में लगभग 500 उड़ानें संचालित की थीं।

- ऑपरेशन राहत:
    - वर्ष 2015 के यमन संकट के दौरान भारतीय सशस्त्र बल द्वारा शुरू किये गए ऑपरेशन राहत के अंतर्गत यमन से 41 देशों के 960 विदेशी नागरिकों के साथ 4640 से अधिक भारतीय नागरिकों को निकाला गया था।अत: कथन 1 सही सुमेलित नहीं है।
    - यह अभियान वायु मार्ग और समुद्र मार्ग दोनों से संचालित किया गया था।
- ऑपरेशन मैत्री:
    - वर्ष 2015 में नेपाल में आए भूकंप में बचाव और राहत अभियान के रूप में ऑपरेशन मैत्री का संचालन भारत सरकार और भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किया गया था।अत: कथन 2 सही सुमेलित नहीं है।
    - भारतीय सशस्त्र बलों ने लगभग 5,188 लोगों को निकाला था, जबकि लगभग 785 विदेशी पर्यटकों को पारगमन वीज़ा प्रदान किया गया था।
- ऑपरेशन सुरक्षित घर वापसी:
    - इसे भारत सरकार ने 26 फरवरी, 2011 को लीबियाई गृहयुद्ध में फँसे भारतीय नागरिकों को निकालने के लिये शुरू किया था।
    - भारतीय नौसेना और एयर इंडिया द्वारा वायु मार्ग और समुद्र मार्ग दोनों का संचालन किया गया था। ऑपरेशन में लगभग 15,000 नागरिकों को बचाया गया था।
- ऑपरेशन सुकून:
    - यह अभियान भारतीय नौसेना द्वारा लेबनान युद्ध (2006) के दौरान लेबनान में फँसे भारत, श्रीलंका और नेपाल के नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिये चलाया गया था। अत: कथन 3 सही सुमेलित है।
    - यह भारतीय नौसेना द्वारा किये गए सबसे बड़े बचाव अभियानों में से एक था, जिसमें कुल 2,280 लोगों को बचाया गया था।

प्रश्न 151:

उत्तर: C

व्याख्या:

- शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति पूरे विश्व में रहने वाले सिखों का एक सर्वोच्च लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित निकाय है। अत: कथन 1 सही है।
- इसे धार्मिक मामलों और सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक स्मारकों की देखभाल के लिये वर्ष 1925 में संसद के एक विशेष अधिनियम के तहत स्थापित किया गया था। अत: कथन 2 सही है।

प्रश्न 152:

उत्तर: (B)

व्याख्या

- भारतीय नौसेना ने भारत में ऑक्सीजन से भरे कंटेनरों की शिपमेंट के लिये 'ऑपरेशन समुद्र सेतु-II' की शुरुआत की है। अत: कथन 2 सही है।
    - इस ऑपरेशन के हिस्से के रूप में सात भारतीय नौसेना जहाज़ों अर्थात् कोलकाता, कोच्चि, तलवार, टाबर, त्रिकंड, जलश्व तथा ऐरावत को विभिन्न देशों से लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन-फील्ड क्रायोजेनिक कंटेनर्स और संबंधित मेडिकल इक्विपमेंट की शिपमेंट के लिये तैनात किया गया है।
    - दो जहाज़ INS कोलकाता और INS तलवार, मुंबई के लिये 40 टन तरल ऑक्सीजन लाने हेतु मनामा और बहरीन के बंदरगाहों में प्रवेश कर चुके हैं।
    - INS जलाश्व और INS ऐरावत भी इसी प्रकार के मिशन के साथ क्रमश: बैंकॉक और सिंगापुर के मार्ग पर हैं।
- ज्ञात हो कि ऑपरेशन समुद्र सेतु को कोविड-19 महामारी के दौरान विदेशों में फँसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने के राष्ट्रीय प्रयास के तहत मई 2020 में लॉन्च किया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।

प्रश्न.153.

उत्तर: C

व्याख्या:

- प्रत्येक वर्ष विश्व भर में 3 मई को 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' (WPFD) मनाया जाता है। यह दिवस ' संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (UNESCO) द्वारा आयोजित किया जाता है। अत: कथन 1 सही है।
    - इस वर्ष विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की थीम 'इनफॉर्मेशन एज़ ए पब्लिक गुड' है।
- वर्ष 1991 में यूनेस्को की जनरल कॉन्फ्रेंस की सिफारिश के बाद वर्ष 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की घोषणा की थी।
- यह दिवस वर्ष 1991 में यूनेस्को द्वारा अपनाई गई 'विंडहोक' (Windhoek) घोषणा को भी चिह्नित करता है.विंडहोक घोषणा विश्व में प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिये एक बेंचमार्क है।
- वर्ष 1991 की 'विंडहोक घोषणा' एक मुक्त, स्वतंत्र और बहुलवादी प्रेस के विकास से संबंधित है।
    - वर्ष1991 में विंडहोक घोषणा को अफ्रीकी अखबार के पत्रकारों द्वारा स्वतंत्र प्रेस सिद्धांतों के एक बयान को एक साथ रखा गया। अत: कथन 2 सही है।

- ‘विंडहोक घोषणा’ एक मुक्त, स्वतंत्र और बहुलवादी प्रेस के विकास से संबंधित है जो पूर्ण रूप से प्रेस की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक क्षेत्र में एक सफल भागीदारी के बीच जुड़ाव एक मज़बूत विश्वास पर आधारित है।

प्रश्न.154.

उत्तर: C

व्याख्या:

- अमेरिका ने कोविड -19 वैक्सीन के लिये बौद्धिक संपदा (IP) संरक्षण में छूट प्रदान करने की घोषणा की है।
  - यह निर्णय महामारी से लड़ने के क्रम में भारत और दक्षिण अफ्रीका द्वारा विश्व व्यापार संगठन (WTO) के सदस्य देशों को इस तरह की छूट के लिये सहमत करने हेतु गए प्रयासों की एक सफलता है।
- व्यक्तियों को उनके बौद्धिक सृजन के परिप्रेक्ष्य में प्रदान किये जाने वाले अधिकार ही बौद्धिक संपदा अधिकार कहलाते हैं। वस्तुत: ऐसा समझा जाता है कि यदि कोई व्यक्ति किसी प्रकार का बौद्धिक सृजन (जैसे:आविष्कार, साहित्यिक और कलात्मक कार्य, और प्रतीक, नाम, चित्र और व्यावसायिक पैमाने पर उपयोग किये गए डिज़ाइन) करता है तो सर्वप्रथम इस पर उसी व्यक्ति का अनन्य अधिकार होना चाहिये। चूँकि यह अधिकार बौद्धिक सृजन के लिये ही दिया जाता है, इसलिये इसे बौद्धिक संपदा अधिकार की संज्ञा दी जाती है। अत: कथन 1 सही है।
  - बौद्धिक संपदा अधिकार सृजनकर्त्ता को एक निश्चित समयावधि के लिये उसके निर्माण के उपयोग पर एक विशेष अधिकार देते हैं।
- भारत विश्व व्यापार संगठन का एक सदस्य है और बौद्धिक संपदा (TRIPS समझौते) के व्यापार संबंधित पहलुओं पर समझौते के लिये प्रतिबद्ध है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- ट्रिप्स समझौता कॉपीराइट एवं संबंधित अधिकारों, ट्रेडमार्क, भौगोलिक संकेतों (Geographical Indications-GI), औद्योगिक डिजाइन, पेटेंट, एकीकृत सर्किट ले आउट डिज़ाइन तथा अप्रकाशित जानकारी सुरक्षा हेतु न्यूनतम मानक निर्धारित करता है। अत: कथन 3 सही है।

प्रश्न 155:

उत्तर: D

व्याख्या:

- केंद्र सरकार, संविधान के अनुच्छेद-275 के तहत राज्यों को विचलन बाद राजस्व घाटा (Post Devolution Revenue Deficit Grant) अनुदान प्रदान करती है। अत: कथन 1 सही है।
  - ये अनुदान राज्यों के विचलन के अंतर को पूरा करने के लिये मासिक किस्तों में वित्त आयोग (Finance Commission) की सिफारिशों के अनुसार जारी किये जाते हैं।
- संविधान का अनुच्छेद-275:
  - यह अनुच्छेद संसद को इस बात का अधिकार प्रदान करता है कि वह ऐसे राज्यों को उपयुक्त सहायक अनुदान देने का उपबंध कर सकती है, जिन्हें संसद की दृष्टि में सहायता की आवश्यकता है।
  - इस अनुदान को प्रत्येक वर्ष भारत की संचित निधि (Consolidated Fund of India) से भुगतान किया जाता है। अत: कथन 2 सही है।
  - ये अनुदान पूंजी और आवर्ती रकम के रूप में हो सकते हैं।
  - इन अनुदानों का उद्देश्य उस राज्य की विकास संबंधी ऐसी योजनाओं की लागतों को पूरा करना है, जो राज्य में अनुसूचित जनजातियों के कल्याण या अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन स्तर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार की सहायता से लागू है। अत: कथन 3 सही है।
  - ये अनुदान मुख्य रूप से वित्तीय संसाधनों में अंतर-राज्य असमानताओं को समाप्त करने और राष्ट्रीय स्तर पर राज्य सरकारों की कल्याणकारी योजनाओं के एक समान रखरखाव तथा विस्तार के समन्वय हेतु दिये जाते हैं।

Q. 156.

उत्तर: B

व्याख्या:

- भारत सरकार द्वारा NFRA का गठन वर्ष 2018 में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 132 के तहत किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- इसके खाते की निगरानी भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (Comptroller and Auditor General-CAG) द्वारा की जाती है। अत: कथन 2 सही है।
- यह पब्लिक इंटरेस्ट एंटिटीज़ के रूप में नामित कंपनियों और निकायों के निम्नलिखित वर्गों से संबंधित जाँच कर सकता है:
  - ऐसी कंपनियाँ जिनकी प्रतिभूतियाँ भारत में या भारत के बाहर किसी भी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं। अत: कथन 3 सही नहीं है।

Q.157.

उत्तर: D

व्याख्या:

- अनुच्छेद 311 (1) के अनुसार, किसी व्यक्ति को जो संघ की सिविल सेवा का या अखिल भारतीय सेवा का या राज्य की सिविल सेवा का संदस्य है अथवा संघ या राज्य के अधीन कोई सिविल पद धारण करता है, उसकी नियुक्ति करने वाले प्राधिकारी के अधीनस्थ किसी प्राधिकारी द्वारा पदच्युत नहीं किया जाएगा या पद से नहीं हटाया जाएगा।
- अनुच्छेद 311 (2) कहता है कि किसी भी सिविल सेवक को उस जाँच के बाद बर्खास्त या हटाया या उसके रैंक को कम नहीं किया जाएगा, जिसमें उसे आरोपों के बारे में सूचित किया गया है और उन आरोपों के संबंध में सुनवाई का उचित अवसर दिया गया है।
    - अनुच्छेद 311 के तहत संरक्षित व्यक्ति:
        - संघ की सिविल सेवा,
        - अखिल भारतीय सेवाओं और
        - किसी राज्य की सिविल सेवा
        - संघ या किसी राज्य के अधीन सिविल पद धारण करने वाले व्यक्ति।
        - अनुच्छेद 311 के तहत दिये गए सुरक्षात्मक उपाय केवल सिविल सेवकों, यानी लोक सेना अधिकारियों पर लागू होते हैं। वे रक्षाकर्मियों के लिये उपलब्ध नहीं हैं। अत: कथन 1 सही नही है।
- अनुच्छेद 309 संसद और राज्य विधायिका को क्रमश: संघ या किसी राज्य के मामलों के संबंध में सार्वजनिक सेवाओं और पदों पर नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती और सेवा की शर्तों को विनियमित करने का अधिकार देता है।
- अनुच्छेद 310 के अनुसार, संविधान द्वारा प्रदान किये गए प्रावधानों को छोड़कर, संघ में एक सिविल सेवक राष्ट्रपति की इच्छा से काम करता है और राज्य के अधीन एक सिविल सेवक उस राज्य के राज्यपाल की इच्छा पर काम करता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

प्रश्न158:

उत्तर: A

व्याख्या:

- वर्ष 1973 में ढेबर आयोग (Dhebar Commission) ने आदिम जनजातीय समूहों (Primitive Tribal Groups-PTGs) को एक अलग श्रेणी के रूप में वर्गीकृत किया , जो कि जनजातीय समूहों के मध्य कम विकसित होते हैं। वर्ष 2006 में भारत सरकार द्वारा PTGs का नाम परिवर्तित कर PVTGs कर दिया गया। अत: कथन 1 सही है।
    - वर्ष 1975 में भारत सरकार द्वारा PVTGs नामक एक अलग श्रेणी के रूप में सबसे कमज़ोर आदिवासी समूहों की पहचान की गई जिसमें ऐसे 52 समूहों को शामिल किया गया। वर्ष 1993 में इस श्रेणी में 23 और ऐसे अतिरिक्त समूहों को शामिल किया गया जिसमें 705 जनजातियों में से 75 को विशेष रूप से सुभेद्य जनजातीय समूह (PVTG's) में शामिल किया गया।
    - 75 सूचीबद्ध PVTG's में से सबसे अधिक संख्या ओडिशा में पाई जाती है।
        - ओडिशा की 13 विशेष रूप से कमज़ोर जनजातियों में बोंडा (Bonda), बिरहोर (Birhor), चुक्तिया भुंजिया (Chuktia Bhunjia), दीदई (Didayi) , डोंगरिया कोंध (Dungaria Kandha), हिल खरिया (Hill Kharia), जुआंग (Juang), कुटिया कोंध (Kutia Kondh), लांजिया सोरा (Lanjia Saora), लोढ़ा (Lodha), मनकीडिया (Mankirdia), पाउड़ी भुइयां (Paudi Bhuyan) और सौरा (Saora) शामिल हैं।
        - अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के PVTGs में ग्रेट अंडमानी, ज़रवा, ओंगेस, सेंटिनली और शोर्न पेन शामिल हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।

प्रश्न:159

उत्तर: B

व्याख्या:

- किशोर न्याय अधिनियम (Juvenile Justice Act), 2015 निर्धारित प्रक्रियाओं के बाहर बच्चों को गोद देने या प्राप्त करने पर रोक लगाता है। अत: कथन 1 सही है।
    - यदि किसी को ऐसे बच्चे के विषय में जानकारी है जिसे देखभाल की आवश्यकता है, तो उसे चार एजेंसियों यथा- चाइल्ड लाइन 1098, ज़िला बाल कल्याण समिति (CWC), ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी (DCPO) और राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की हेल्पलाइन में से किसी एक पर संपर्क करना चाहिये।
        - इसके बाद सीडब्ल्यूसी बच्चे का आकलन करेगी और उसे तत्काल एक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी (Specialised Adoption Agency) की देखभाल में रखेगी।
        - इस प्रकार राज्य ऐसे सभी बच्चों की देखभाल करता है जिन्हें 18 वर्ष की आयु तक देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता होती है।
- एक बार जब सीडब्ल्यूसी द्वारा बच्चे को गोद लेने के लिये कानूनी रूप से वैध घोषित कर दिया जाता है, तब उसे भारतीय भावी दत्तक माता-पिता या अनिवासी भारतीय या विदेशियों द्वारा गोद लिया जा सकता है।

- भारत ने अंतर्देशीय दत्तक ग्रहण पर हेग कन्वेंशन (Hague Convention on Intercountry Adoption), 1993 की पुष्टि की है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

- केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (Central Adoption Resource Authority), महिला और बाल विकास मंत्रालय का एक सांविधिक निकाय है, जो गोद लेने संबंधी मामलों की नोडल एजेंसी है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
  - यह अनाथ बच्चों को गोद लेने की प्रक्रिया का अपनी संबद्ध या मान्यता प्राप्त एजेंसियों के माध्यम से विनियमन करता है।

Q.160

उत्तर: C

व्याख्या:

- चुनावी बॉण्ड राजनीतिक दलों को दान देने हेतु एक वित्तीय साधन है।
  - चुनावी बॉण्ड बिना किसी अधिकतम सीमा के 1,000 रुपए, 10,000 रुपए, 1 लाख रुपए, 10 लाख रुपए और 1 करोड़ रुपए के गुणकों में जारी किये जाते हैं।
- भारतीय स्टेट बैंक इन बॉण्डों को जारी करने और भुनाने (Encash) के लिये अधिकृत बैंक है, ये बॉण्ड जारी करने की तारीख से पंद्रह दिनों तक वैध रहते हैं। अत: कथन 2 सही है।
- यह बॉण्ड एक पंजीकृत राजनीतिक पार्टी के निर्दिष्ट खाते में प्रतिदेय होता है।
  - केवल वे राजनीतिक दल ही चुनावी बॉण्ड प्राप्त करने के योग्य हैं जो जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29(A) के तहत पंजीकृत हैं और जिन्होंने बीते आम चुनाव में कम-से-कम 1% मत प्राप्त किया है। अत: कथन 1 सही है।

प्रश्न 161 :

उत्तर: C

व्याख्या:

- एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (Eklavya Model Residential School) की शुरुआत वर्ष 1997-98 में दूरस्थ क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिये की गई थी। अत: कथन 1 सही है।
- ये स्कूल न केवल अकादमिक शिक्षा पर बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- इसके अंतर्गत न केवल उन्हें उच्च एवं पेशेवर शैक्षिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से सार्वजनिक व निजी क्षेत्रों में रोज़गार हेतु सक्षम बनाने पर बल दिया जा रहा है, बल्कि गैर-अनुसूचित जनजाति की आबादी के समान शिक्षा के सर्वोत्तम अवसरों तक उनकी पहुँच सुनिश्चित करने के भी प्रयास किये जा रहे हैं।
- राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में 480 छात्रों की क्षमता वाले EMRS की स्थापना भारतीय संविधान के अनुच्छेद-275 (1) के अंतर्गत अनुदान द्वारा विशेष क्षेत्र कार्यक्रम (Special Area Programme- SAP) के तहत की जा रही है। अत: कथन 2 सही है।
  - इनका वित्तपोषण जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा किया जाता है।
  - इसको गति देने के लिये यह निर्णय लिया गया है कि वर्ष 2022 तक 50 प्रतिशत से अधिक जनजातीय आबादी वाले प्रत्येक ब्लॉक तथा कम-से-कम 20,000 जनजातीय जनसंख्या वाले प्रखंडों में एक ईएमआरएस होगा।
- एकलव्य विद्यालय लगभग नवोदय विद्यालय के समान होते हैं, जहाँ खेल तथा कौशल विकास में प्रशिक्षण प्रदान करने के अलावा स्थानीय कला एवं संस्कृति के संरक्षण के लिये विशेष सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं।

प्रश्न.162

उत्तर: B

व्याख्या :

- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) , 2005 को एक सामाजिक उपाय के रूप में प्रदर्शित किया गया था जो "रोज़गार के अधिकार" की गारंटी देती है। इस योजना के संपूर्ण कार्यान्वयन की निगरानी ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा राज्य सरकारों के सहयोग से किया जाता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- प्रमुख उद्देश्य:
  - मनरेगा कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार के अकुशल श्रम करने के इच्छुक वयस्क सदस्यों के लिये एक वित्तीय वर्ष में कम-से-कम 100 दिन का गारंटीयुक्त रोज़गार प्रदान किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप निर्धारित गुणवत्ता और स्थायित्व की उत्पादक संपत्ति का निर्माण होता है। अत: कथन 2 सही है।
    - मनरेगा की संपत्तियों में प्रमुख रूप से खेत, तालाब, रिसाव टैंक, चेक डैम, सड़क की मरम्मत, सिंचाई प्रणाली आदि शामिल हैं।
  - इसमें शामिल ग्राम पंचायतों द्वारा मनरेगा के तहत कार्यों की प्रकृति को मंज़ूरी देकर उनकी प्राथमिकता तय की जाती है।
  - मनरेगा के तहत किये गए कार्यों का सामाजिक-लेखांकन (Social Audit) अनिवार्य है, जिसके परिणामस्वरूप जवाबदेही और पारदर्शिता में विस्तार होता है।

प्रश्न:163

उत्तर: C

व्याख्या:

- अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम (Crime and Criminal Tracking Network and Systems- CCTNS) एक केंद्रीय वित्तपोषित योजना है, जिसे राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (National Crime Records Bureau) द्वारा विकसित किया गया है। अत: कथन 1 सही है।
- यह गृह मंत्रालय के नेशनल ई-गवर्नेंस प्लान (National e-Governance Plan) के तहत स्थापित एक मिशन मोड प्रोजेक्ट है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
    - इसे वर्ष 2009 में मंज़ूरी दी गई थी।
    - यह एक सुरक्षित एप्लीकेशन है जो देश के 97% से अधिक पुलिस स्टेशनों को जोड़ता है।
- उद्देश्य:
    - पुलिस थानों के कामकाज को पारदर्शी करके पुलिस के कामकाज को नागरिक हितैषी और अधिक पारदर्शी बनाना। अत: कथन 3 सही है।
    - आईसीटी के प्रभावी उपयोग के माध्यम से नागरिक केंद्रित सेवाओं के वितरण में सुधार लाना।
    - अपराध और अपराधियों की सटीक एवं तीव्र जाँच के लिये जाँच अधिकारियों को अद्यतित उपकरण, तकनीक और जानकारियाँ प्रदान करना।

Q.164

उत्तर: A

व्याख्या:

- नए ज़िले बनाने या मौजूदा ज़िलों की स्थिति बदलने या उन्हें समाप्त करने की शक्ति राज्य सरकारों में निहित है। अत: कथन 1 सही है।
    - ऐसा या तो एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से या राज्य विधानसभा में एक कानून पारित करके किया जा सकता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
    - अधिकांश राज्य केवल आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना जारी करके ज़िले संबंधी प्रावधानों में परिवर्तन करना पसंद करते हैं।
- ज़िलों के परिवर्तन या नए ज़िलों के निर्माण में केंद्र की कोई भूमिका नहीं है। राज्य इस संबंध में निर्णय लेने के लिये पूर्णत: स्वतंत्र हैं।
    - गृह मंत्रालय की भूमिका तब महत्त्वपूर्ण हो जाती है जब कोई राज्य किसी ज़िले या रेलवे स्टेशन का नाम बदलना चाहता है।
    - राज्य सरकार के अनुरोध को अन्य विभागों और एजेंसियों- जैसे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, खुफिया विभाग, डाक विभाग, भारतीय भौगोलिक सर्वेक्षण विभाग, विज्ञान एवं रेल मंत्रालय को मंज़ूरी के लिये भेजा जाता है।
    - इन विभागों और मंत्रालयों द्वारा आवश्यक जाँच के बाद अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया जा सकता है।

Q.165

उत्तर: A

व्याख्या:

- ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के अनुसार, एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति वह होता है जिसका लिंग जन्म के समय निर्धारित लिंग से मेल नहीं खाता है। इसमें ट्रांसमेन और ट्रांस-महिला (Transmen and Trans-Women), इंटरसेक्स भिन्नता वाले व्यक्ति, लिंग-क्वीर (Gender-Queers) और सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान वाले व्यक्ति जैसे- किन्नर और हिजड़ा शामिल हैं।
    - राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (National Legal Services Authority- NALSA) बनाम भारत संघ, 2014 में सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रांसजेंडर लोगों को 'थर्ड जेंडर' घोषित किया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह अधिनियम माता-पिता और परिवार के सदस्यों के साथ निवास का अधिकार प्रदान करता है।
    - यह शिक्षा, रोज़गार और स्वास्थ्य सेवा आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति के खिलाफ भेदभाव को रोकता है।
- यह अधिनियम ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिये एक राष्ट्रीय परिषद (National Council for Transgender persons- NCT) की स्थापना का प्रावधान करता है। यह सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत कार्य करता है। अत: कथन 2 सही है।

Q.166

उत्तर: A

व्याख्या:

- NISD एक स्वायत्त निकाय है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (National Capital Territory- NCT) दिल्ली सरकार के साथ 1860 के सोसायटी अधिनियम XXI (Societies Act XXI of 1860) के तहत पंजीकृत है। अत: कथन 1 सही है।
    - यह सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय नहीं) का एक केंद्रीय सलाहकार निकाय है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

- यह सामाजिक रक्षा के क्षेत्र में नोडल प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान है।

- यह वर्तमान में नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम, वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण, भिक्षावृत्ति रोकथाम, ट्रांसजेंडर और अन्य सामाजिक रक्षा मुद्दों के क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास पर केंद्रित है।

Q.167

उत्तर: A

व्याख्या:

- पोषक तत्त्व-आधारित सब्सिडी (NBS) व्यवस्था तहत इन उर्वरकों में निहित पोषक तत्त्वों (N, P, K & S) के आधार पर किसानों को रियायती दरों पर उर्वरक प्रदान किये जाते हैं। अत: कथन 1 सही है।
    - साथ ही जिन उर्वरकों को माध्यमिक और सूक्ष्म पोषक तत्त्वों जैसे मोलिब्डेनम (Molybdenum- Mo) और ज़स्ता के साथ मज़बूत किया जाता है, उन्हें अतिरिक्त सब्सिडी दी जाती है।
    - NBS नीति का इरादा P&K उर्वरकों की खपत में वृद्धि करना है ताकि NPK उर्वरक का इष्टतम संतुलन (N:P:K= 4:2:1) हासिल किया जा सके।
    - इससे मृदा के स्वास्थ्य में सुधार होगा और परिणामस्वरूप फसलों की उपज में वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आय में वृद्धि होगी।
    - साथ ही सरकार को उर्वरकों के तर्कसंगत उपयोग की उम्मीद है, इससे उर्वरक सब्सिडी का बोझ भी कम होगा।
- इसे उर्वरक और रसायन मंत्रालय के उर्वरक विभाग द्वारा अप्रैल 2010 से क्रियान्वित किया जा रहा है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.168.

उत्तर: B

व्याख्या:

- भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग एक सांविधिक निकाय है जो प्रतिस्पर्द्धा अधिनियम, 2002 के उद्देश्यों को लागू करने के लिये ज़िम्मेदार है।
    - CCI की स्थापना प्रतिस्पर्द्धा अधिनियम, 2002 (कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत नहीं) के प्रावधानों के तहत की गई थी। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- CCI की स्थापना केंद्र सरकार द्वारा 14 अक्तूबर, 2003 को की गई थी, लेकिन इसने 20 मई, 2009 से पूरी तरह से कार्य करना शुरू किया।
    - प्रतिस्पर्द्धा अधिनियम के अनुसार, आयोग में एक अध्यक्ष और छह सदस्य होते हैं जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है। अत: कथन 2 सही है।
- प्रतिस्पर्द्धा अधिनियम, 2007 को प्रतिस्पर्द्धा अधिनियम, 2002 में संशोधन के बाद अधिनियमित किया गया था, जिसके कारण CCI और प्रतिस्पर्द्धा अपीलीय अधिकरण की स्थापना हुई।
    - सरकार ने 2017 में प्रतिस्पर्द्धा अपीलीय न्यायाधिकरण (COMPAT) को राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (National Company Law Appellate Tribunal- NCLAT) में बदल दिया।
        - NCLAT का गठन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 410 के तहत किया गया है।

Q.169.

उत्तर: D

व्याख्या:

- सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2017 में के.एस. पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ मामले में निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार माना, जिसके बाद केंद्र सरकार ने डेटा संरक्षण के अनुशासन में कानून का प्रस्ताव करने के लिये न्यायमूर्ति बी. एन. श्रीकृष्ण समिति की नियुक्ति की थी। अत: विकल्प (D) सही है।
    - इस समिति ने व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, 2018 के रूप में अपनी रिपोर्ट और मसौदा सरकार को सौंपा।
    - संसद ने वर्ष 2019 में फिर से संशोधित किया और नए बिल को व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक (Personal Data Protection Bill), 2019 नाम दिया है।
- भूरेलाल समिति मोटर वाहन कर में वृद्धि से संबंधित है।
- बिमल जालान समिति पूंजी बाज़ार अवसंरचना संस्थानों (MII) के कामकाज से संबंधित है।
- सी. रंगराजन समिति गरीबी के मापन के लिये कार्यप्रणाली की समीक्षा करने से संबंधित है

Q.170

उत्तर: B

व्याख्या:

- MCA 21 कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (MCA) का ऑनलाइन पोर्टल है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- MCA 21 भारत सरकार की मिशन मोड परियोजनाओं का हिस्सा रहा है।
- MCA 21 कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (MCA) का ऑनलाइन पोर्टल है जिसने कंपनी से संबंधित सभी जानकारियों को विभिन्न हितधारकों और आम जनता के लिये सुलभ बना दिया है। अत: कथन 2 सही है।
- हाल ही में सरकार ने अपने डिजिटल कॉर्पोरेट अनुपालन पोर्टल, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (Ministry of Corporate Affairs- MCA) 21 संस्करण 3.0 के नवीनतम अपडेट के पहले चरण की शुरुआत की।

- यह भारत में व्यापार सुगमता सूचकांक (Ease Of Doing Business) को बेहतर बनाने में मदद करेगा। विश्व बैंक द्वारा जारी व्यापार सुगमता रिपोर्ट- 2020 में भारत 190 देशों में 63वें स्थान पर है।
- MCA 21 संस्करण 3.0 बजट 2021 की घोषणा का हिस्सा है।

प्रश्न:171

उत्तर: B

व्याख्या:

- राष्ट्रीय हरित अधिकरण (National Green Tribunal-NGT) पर्यावरण संरक्षण और वनों तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित मामलों के प्रभावी एवं शीघ्र निपटान के लिये राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम (National Green Tribunal Act), 2010 के अंतर्गत स्थापित एक विशेष निकाय है।
  - NGT के लिये यह अनिवार्य है कि उसके पास आने वाले पर्यावरण संबंधी मुद्दों का निपटारा 6 महीनों के भीतर हो जाए। अत: कथन 2 सही है।
  - इसका मुख्यालय दिल्ली में है, जबकि अन्य चार क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल, पुणे, कोलकाता एवं चेन्नई में स्थित हैं।
- एक वैधानिक निकाय होने के कारण एनजीटी के पास अपीलीय क्षेत्राधिकार है और जिसके तहत वह सुनवाई कर सकता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।

प्रश्न:172

उत्तर: B

व्याख्या:

- राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (National Pension System-NPS) की शुरुआत केंद्र सरकार ने जनवरी 2004 में (सशस्त्र बलों को छोड़कर) की।
- एनपीएस को देश में पेंशन निधि नियामक और विकास प्राधिकरण (Pension Fund Regulatory and Development Authority- PFRDA) द्वारा कार्यान्वित और विनियमित किया जा रहा है।
  - यह वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (Department of Financial Service) के अंतर्गत काम करता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - पीएफआरडीए द्वारा स्थापित राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली ट्रस्ट (National Pension System Trust) एनपीएस के तहत आने वाली सभी संपत्तियों का पंजीकृत मालिक है।
- एनपीएस मई 2009 से भारत के सभी नागरिकों के लिये उपलब्ध है।
  - 18-65 वर्ष के आयु वर्ग में भारत का कोई भी नागरिक (निवासी और अनिवासी दोनों) एनपीएस में शामिल हो सकता है। अत: कथन 2 सही है।
  - लेकिन इसके अंतर्गत ओवरसीज़ सिटीज़न ऑफ इंडिया (Overseas Citizens of India) और भारतीय मूल के व्यक्ति (Person of Indian Origin) कार्डधारक तथा हिंदू अविभाजित परिवार (Hindu Undivided Family) खाते खोलने के लिये पात्र नहीं हैं।

प्रश्न:173

उत्तर: C

व्याख्या:

- पेंशन निधि नियामक और विकास प्राधिकरण (Pension Fund Regulatory and Development Authority- PFRDA) राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के व्यवस्थित विकास को विनियमित करने, बढ़ावा देने और सुनिश्चित करने के लिये संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित वैधानिक प्राधिकरण है।
  - यह वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (Department of Financial Service) के अंतर्गत काम करता है। अत: कथन 1 सही है।
- यह विभिन्न मध्यवर्ती एजेंसियों जैसे- पेंशन फंड मैनेज़र (Pension Fund Manager), सेंट्रल रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी (Central Record Keeping Agency) आदि की नियुक्ति का कार्य करता है।
  - यह राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (National Pension System- NPS) के तहत पेंशन उद्योग को विकसित, बढ़ावा और नियंत्रित करता है तथा अटल पेंशन योजना (Atal Pension Yojana- APY) का प्रबंधन भी करता है। अत: कथन 2 सही है।

Q.174

उत्तर: B

व्याख्या:

- आयुष-64 'केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद' (CCRAS) द्वारा विकसित एक पॉली-हर्बल फॉर्मूलेशन है। अत: कथन B सही है।
- यह मानक देखभाल सहयोगी के रूप में स्पर्शोन्मुख, हल्के और मध्यम कोविड -19 संक्रमण के उपचार में उपयोगी है।

- इस दवा को पहली बार मलेरिया हेतु वर्ष 1980 में विकसित किया गया था और अब इसे कोविड -19 के लिये पुन: तैयार किया गया है।

Q.175

उत्तर: D

व्याख्या:

- महिला और बाल विकास मंत्रालय लिंग आधारित हिंसा से पीड़ित भारतीय महिलाओं को सहायता प्रदान करने के लिये 10 देशों में वन स्टॉप सेंटर (One Stop Centres- OSC) स्थापित करेगा।
  - इनमे बहरीन, कुवैत, कतर, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब के जेद्दा और रियाद, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा तथा सिंगापुर शामिल है जहाँ वन स्टॉप सेंटर खोले जाएंगे।
- यह सभी ज़िलों में लगभग 700 मौजूदा OSC के अलावा देश में 300 OSC भी स्थापित करेगा।
- यह महिलाओं के खिलाफ हिंसा की समस्या के समाधान के लिये एक केंद्र प्रायोजित योजना है। इसे अप्रैल 2015 में लॉन्च किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
  - यह इंदिरा गांधी मातृत्व सहयोग योजना (Indira Gandhi Mattritav Sahyaog Yojana) सहित राष्ट्रीय महिला सशक्तीकरण मिशन के लिये अंब्रेला योजना की एक उप-योजना है।
- एक ही छत के नीचे हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एकीकृत रूप से सहायता एवं सहयोग प्रदान करने के लिये देश भर में वन स्टॉप सेंटर और विश्व भर में प्रत्येक मिशन के लिये कम-से-कम एक OSC स्थापित किया जाएगा।
  - भारतीय मिशन विश्व भर में भारतीयों और भारत सरकार के बीच संपर्क हेतु एक महत्त्वपूर्ण प्रतिनिधित्व प्रदान करता है।
  - परिवार के भीतर या कार्यस्थल पर या समुदाय के भीतर, निजी या सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली हिंसा से प्रभावित महिलाओं का समर्थन करना।
- यह निर्भया फंड के माध्यम से वित्तपोषित है और केंद्र सरकार राज्य सरकारों/केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासन को 100% वित्तीय सहायता प्रदान करती है। अत: कथन 2 सही है।

Q.176

उत्तर: C

व्याख्या:

- 22 मार्च, 1989 का प्लेनिपोटेंटियरीज़ का सम्मेलन (Conference of Plenipotentiaries) जो बासेल (स्विट्ज़रलैंड) में आयोजित हुआ था, के अंतर्गत देशों के मध्य खतरनाक कचरे के आदान-प्रदान को रोकना और इसके निराकरण के प्रयास करना था। इसे बेसल कन्वेंशन (Basel Convention) के रूप में जाना जाता है और यह 1992 में लागू हुई।
  - यह एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जिसका लक्ष्य विभिन्न देशों के मध्य खतरनाक कचरे के आदान-प्रदान को रोकना है। अत: कथन 1 सही है।
- इसका मुख्य फोकस (केंद्र-बिंदु) विकसित देशों और विकासशील देशों के मध्य खतरनाक कचरे के आयात-निर्यात को बाधित करना है।
  - यह संधि देशों के मध्य आपसी सहयोग एवं बासेल अभिसमय (Basel Convention) के निर्देशों के क्रियान्वयन संबंधी जानकारियों को साझा करने का भी आदेश देती है।
- भारत बेसल कन्वेंशन का सदस्य है।
  - जून 1992 में भारत ने कन्वेंशन की पुष्टि की तथा 22 सितंबर 1992 से लागू किया। अत: कथन 2 सही है।
  - हालांकि भारत द्वारा बेसल बैन संशोधन (Basel Ban Amendment) की पुष्टि नहीं की गई है।

प्रश्न.177

उत्तर : B

व्याख्या :

- हाल ही में तेलंगाना सरकार ने एक महत्त्वाकांक्षी यानी इस प्रकार की पहली पायलट परियोजना 'मेडिसिन फ्रॉम द स्काई' के परीक्षण के लिये 16 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHC) का चयन किया है।
- इस परियोजना में ड्रोन के ज़रिये दवाओं की डिलीवरी करना शामिल है।
- नागरिक उड्डयन मंत्रालय की मंजूरी के पश्चात् इस परियोजना की शुरूआत की जा रही है।
  - मंत्रालय ने वैक्सीन की डिलीवरी हेतु प्रायोगिक बियॉन्ड विज़ुअल लाइन ऑफ साइट (BVLOS) ड्रोन उड़ानों के संचालन के लिये मानव रहित विमान प्रणाली नियम, 2021 से तेलंगाना सरकार को सशर्त छूट दी है।
- परियोजना को तीन चरणों में शुरू किया जाएगा, जो एक पायलट परियोजना के रूप में शुरू होगी और इसके बाद वांछित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में वैक्सीन/दवा पहुँचाने हेतु ड्रोन के संचालन के लिये रूट नेटवर्क की मैपिंग निर्धारित होगी। अत: विकल्प B सही है।

प्रश्न 178:

उत्तर: D

व्याख्या

- पालेर्मो प्रोटोकॉल कुल तीन प्रोटोकॉल हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'कन्वेंशन ऑन ट्रांसनेशनल ऑर्गनाइज़्ड क्राइम' (2000) कन्वेंशन के पूरक के रूप में अपनाया गया था। ये प्रोटोकॉल और कन्वेंशन ड्रग्स एंड क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। इसमें शामिल हैं:
  - मानव, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की अवैध तस्करी को रोकने, कम करने और दंडित करने संबंधी प्रोटोकॉल;
  - भूमि, समुद्र और वायु मार्ग द्वारा प्रवासियों की तस्करी के खिलाफ प्रोटोकॉल;
  - आग्नेयास्त्रों, उनके पुर्जों एवं घटकों और गोला-बारूद के अवैध निर्माण और तस्करी के खिलाफ प्रोटोकॉल। अत: विकल्प D सही है।

Q.179

उत्तर: D

व्याख्या:

- प्रधानमंत्री सुरक्षा निधि (PMSSN) सार्वजनिक खाते में स्वास्थ्य क्षेत्र हेतु एक 'सिंगल नॉन लैप्सेबल रिज़र्व फंड' है। अत: कथन 1 सही है।
- स्वास्थ्य एवं शिक्षा उपकर से प्राप्त राशि में से स्वास्थ्य का अंश 'प्रधानमंत्री सुरक्षा निधि' (PMSSN) में भेजा जाएगा। अत: कथन 2 सही है।
- PMSSN में भेजी गई इस राशि का इस्तेमाल स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण योजनाओं में किया जाएगा: -
  - आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY); अत: कथन 3 सही है।
  - आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं देखभाल केंद्र (AB-HWCs)
  - राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन।
  - प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (PMSSY)
  - स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों एवं आकस्मिक विपत्ति में तैयारी एवं प्रतिक्रिया।
  - कोई भी अन्य भावी कार्यक्रम/योजना जिसका लक्ष्य एसडीजी की दिशा में प्रगति हासिल करना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 के तहत तय लक्ष्यों को प्राप्त करना।
- PMSSN का प्रशासन और रखरखाव का कार्य स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (Ministry of Health & Family Welfare- MoHFW) को सौंपा गया है।
  - किसी भी वित्तीय वर्ष में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की उक्त योजनाओं का व्यय प्रारंभिक तौर पर PMSSN से लिया जाएगा तथा बाद में सकल बजट सहायता (Gross Budgetary Support- GBS) से प्राप्त किया जाएगा।

प्रश्न 180:

उत्तर: C

व्याख्या

- भारतीय संविधान में गैर-कर राजस्व के साथ-साथ करों के वितरण और ऋण लेने की शक्ति से संबंधित विस्तृत प्रावधान किये गए हैं, इसके अलावा संघ द्वारा राज्यों को अनुदान सहायता प्रदान करने से संबंधित पूरक प्रावधान भी किये गए हैं।
  - संविधान के भाग XII में अनुच्छेद 268 से 293 तक केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों पर चर्चा की गई है।
- संविधान ने केंद्र व राज्यों के बीच कराधान शक्तियों का आवंटन निम्न प्रकार से किया है:
  - संघ सूची में सूचीबद्ध विषयों के बारे में कर निर्धारण का अधिकार संसद के पास है, जबकि राज्य सूची के संदर्भ में कर निर्धारण का विशेष अधिकार राज्य विधानमंडल के पास है।
  - समवर्ती सूची के संदर्भ में कर निर्धारण का अधिकार संसद व राज्य विधानमंडल दोनों के पास है, लेकिन कर निर्धारण की अवशिष्ट शक्ति केवल संसद में निहित है। अत: कथन 1 सही है।
- कर राजस्व का वितरण:
  - केंद्र द्वारा उद्ग्रहीत और राज्यों द्वारा संगृहीत एवं विनियोजित कर (अनुच्छेद 268):
    - इसमें विनिमय पत्रों, चेकों आदि पर लगने वाला स्टाम्प शुल्क शामिल है।
  - केंद्र द्वारा उद्ग्रहीत एवं संगृहीत किंतु राज्यों को सौंपे जाने वाले कर (अनुच्छेद 269)
    - इसमें अंतर-राज्यीय व्यापार या वाणिज्य में वस्तुओं के क्रय-विक्रय से संबंधित कर (समाचार-पत्र को छोड़कर) तथा माल या सामान के अंतर-राज्यीय व्यापार या वाणिज्य के पारेषण से संबंधित कर शामिल हैं।
  - अंतर-राज्यीय व्यापार या वाणिज्य के पारेषण में माल और सेवाओं पर कर का आरोपण तथा संग्रहण (अनुच्छेद 269-A):
    - अंतर-राज्यीय व्यापार या वाणिज्य के दौरान पूर्ति पर लगने वाला वस्तु एवं सेवा कर (GST) भारत सरकार द्वारा उद्गृहीत एवं संग्रहीत किये जाएंगे। अत: कथन 3 सही है।

- लेकिन केंद्र तथा राज्यों के बीच इस कर का विभाजन GST परिषद की सिफारिशों के आधार पर संसद द्वारा निर्धारित रीति से किया जाएगा।

◆ केंद्र द्वारा उद्गृहीत एवं संगृहीत किंतु संघ तथा राज्यों के बीच वितरण वाले कर (अनुच्छेद 270)

- इस श्रेणी में संघ सूची में उल्लिखित सभी कर और शुल्क आते हैं:

- संविधान के अनुच्छेद 268, 269 तथा 269-A में उल्लिखित कर।
- संविधान के अनुच्छेद 271 में उल्लिखित कर पर अधिभार (यह विशेष रूप से केंद्र के पास जाता है)।
- किसी विशिष्ट प्रयोजन के लिये लगाया गया कोई उपकर (Cess)।
- सहायतार्थ अनुदान (Grants-in-Aid): केंद्र व राज्यों के बीच करों के साझाकरण के अलावा संविधान में राज्यों को केंद्र से सहायतार्थ अनुदान का भी प्रावधान किया गया है। अनुदान दो प्रकार के होते हैं:

◆ विधिक अनुदान (Statutory Grants) (अनुच्छेद 275): संसद द्वारा भारत की संचित निधि (Consolidated Fund of India) से यह अनुदान उन राज्यों को दिया जाता है, जिन्हें सहायता की आवश्यकता होती है। अलग-अलग राज्यों के लिये सहायता राशि भी भिन्न-भिन्न निर्धारित की जा सकती है।

- राज्यों में जनजातियों के उत्थान एवं कल्याण तथा अनुसूचित क्षेत्रों में प्रशासनिक विकास के लिये विशेष अनुदान भी दिये जाते हैं।

◆ विवेकाधीन अनुदान (Discretionary Grants) (अनुच्छेद 282): यह संघ एवं राज्य दोनों को इस बात का अधिकार देता है कि वे किसी भी लोक प्रयोजन के लिये अनुदान आवंटित कर सकते हैं भले ही यह उनकी संबंधित विधायी क्षमता तहत न आता हो। अत: कथन 2 सही नहीं है।

- इस प्रावधान के तहत केंद्र राज्यों को अनुदान प्रदान करता है। इन अनुदानों को विवेकाधीन अनुदान कहा जाता है, क्योंकि केंद्र राज्यों को इस प्रकार का अनुदान देने के लिये बाध्य नहीं है और यह पूर्णतया उसके स्वविवेक पर निर्भर करता है।
- इन अनुदानों के दो उद्देश्य होते हैं- योजनागत लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु राज्यों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना तथा राष्ट्रीय योजना के लिये राज्यों को प्रभावित करना।

प्रश्न:181

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में केंद्र सरकार ने कोविड-19 की दूसरी लहर के मद्देनज़र राज्यों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (State Disaster Response Fund- SDRF) की पहली किस्त जारी की है।
- प्राय: वित्त आयोग (Finance Commission) की सिफारिशों के अनुसार पहली किस्त जून माह में जारी की जाती है।
- SDRF का गठन आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 48 (1) (a) के तहत किया गया है।

◆ इसका गठन 13वें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर किया गया था। अत: कथन 3 सही नहीं है।

◆ यह राज्य सरकार के पास उपलब्ध प्राथमिक निधि होती है, जिसका उपयोग प्राय: अधिसूचित आपदाओं हेतु तत्काल राहत प्रदान करने के लिये किया जाता है।

◆ प्रतिवर्ष भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (Comptroller and Auditor General of India- CAG) द्वारा इसका ऑडिट किया जाता है। अत: कथन 2 सही है।

- केंद्र सरकार SDRF आवंटन में सामान्य श्रेणी के राज्यों हेतु 75% तथा विशेष श्रेणी के राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (पूर्वोत्तर राज्यों, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर) को 90% का योगदान देती है। अत: कथन 1 सही नहीं है।

◆ वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार वार्षिक केंद्रीय योगदान दो समान किश्तों में जारी किया जाता है।

- SDRF के अंतर्गत शामिल आपदाएँ: चक्रवात, सूखा, भूकंप, आग, बाढ़, सुनामी, ओलावृष्टि, भूस्खलन, हिमस्खलन, बादल फटना, कीट का हमला, ठंढ और शीत लहरें आदि।

प्रश्न .182

उत्तर : D

व्याख्या :

- कई वैज्ञानिकों ने सरकार द्वारा समर्थित एक मॉडल को कोविड की दूसरी लहर के लिये ज़िम्मेदार ठहराया हैं, जिसे SUTRA (Susceptible, Undetected, Tested (positive), and Removed Approach) कहा जाता है , इस मॉडल के निर्माण के पीछे सबसे बड़ी धारणा यह थी कि भारत में कोविड की दूसरी लहर की संभावना नहीं है।
- कानपुर और हैदराबाद आईआईटी के वैज्ञानिकों ने भारत में कोविड ग्राफ का पूर्वानुमान लगाने के लिये SUTRA मॉडल लागू किया। अत: विकल्प D सही है।

- यह पहली बार तब सार्वजनिक रूप से लोगों के ध्यान में आया, जब उसके एक विशेषज्ञ सदस्य ने अक्तूबर 2020 में यह घोषणा की कि भारत में कोविड की स्थिति अपनी चरम सीमा पर है।
- महामारी संबंधी विषयों का पूर्वानुमान लगाने के लिये यह मॉडल तीन मुख्य मापदंडों का उपयोग करता है, जो इस प्रकार हैं:
  - बीटा (Beta): जिसे संपर्क दर भी कहा जाता है, जो यह मापता है कि एक संक्रमित व्यक्ति प्रतिदिन कितने लोगों को संक्रमित करता है। यह R0 वैल्यू से संबंधित है, जो एक संक्रमित व्यक्ति के संक्रमण के दौरान वायरस को फैलाने वाले लोगों की संख्या है।
  - पहुँच (Reach): यह जनसंख्या में महामारी के प्रसार के स्तर की एक माप है।
  - एप्सिलॉन (Epsilon): यह जाँच किये गए सक्रिय और असक्रिय मामलों का अनुपात है।

Q.183

उत्तर: A

व्याख्या:

- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 को पौधों और जानवरों की प्रजातियों के संरक्षण के लिये लागू किया गया था।
- इस अधिनियम के तहत, राज्य सरकारें (न कि राज्य के राज्यपाल) एक मुख्य वन्यजीव वार्डन (CWLW) की नियुक्ति करती हैं, जो विभाग के वन्यजीव विंग का प्रमुख होता है और एक राज्य के भीतर संरक्षित क्षेत्रों (PAs) पर पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण रखता है।
- अधिनियम अनुसूची I, II, III और IV में निर्दिष्ट किसी भी जंगली जानवर के शिकार पर प्रतिबंध लगाता है।
  - यद्यपि इन अनुसूचियों के तहत सूचीबद्ध किसी जंगली जानवर का केवल निम्नलिखित परिस्थितियों में शिकार किया जा सकता है।
    - यह मानव जीवन या संपत्ति (किसी भी भूमि पर खड़ी फसल सहित) के लिये खतरनाक हो गया हो।
    - यह एक ऐसी बीमारी से ग्रसित या पीड़ित हो जिसका इलाज नहीं किया जा सकता। अत: विकल्प A सही है।
- अधिनियम की अनुसूची V (न कि अनुसूची VI) में उन जानवरों को शामिल किया गया है जिन्हें वर्मिन (छोटे जंगली जानवर जो बीमारी के वाहक होते हैं और पौधों एवं भोजन को नष्ट करते हैं) माना जाता है। इन जानवरों का शिकार किया जा सकता है। इसमें सामान्य कौवे, फ्रूट बैट, चूहे आदि शामिल हैं।
  - अनुसूची VI किसी निर्दिष्ट पौधे की खेतीके विनियमन से संबंधित प्रावधान करता है और इसके कब्जे, बिक्री और परिवहन को प्रतिबंधित करता है।
- अधिनियम के अनुसार, भारत की केंद्र सरकार राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (NBWL) का गठन करेगी।
  - राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (NBWL) वन्यजीवों से संबंधित सभी मामलों की समीक्षा और राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों में और आसपास की परियोजनाओं की स्वीकृति के लिये शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करता है न कि वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (WCCB)।

प्रश्न.184

उत्तर: D

व्याख्या:

- प्रेस की स्वतंत्रता को भारतीय कानूनी प्रणाली द्वारा स्पष्ट रूप से संरक्षित नहीं किया गया है, लेकिन यह संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (क) के तहत संरक्षित है, जिसमें कहा गया है - "सभी नागरिकों को वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार होगा"। अत: कथन 1 सही है।
- वर्ष 1950 में रोमेश थापर बनाम मद्रास राज्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पाया कि सभी लोकतांत्रिक संगठनों की नींव प्रेस की स्वतंत्रता पर आधारित होती है। अत: कथन 2 सही है।
- हालाँकि प्रेस की स्वतंत्रता भी असीमित नहीं होती है। कानून इस अधिकार के प्रयोग पर केवल उन प्रतिबंधों को लागू कर सकता है, जो अनुच्छेद 19 (2) के तहत इस प्रकार हैं-
  - भारत की संप्रभुता और अखंडता से संबंधित मामले, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता या न्यायालय की अवमानना के संबंध में मानहानि या अपराध को प्रोत्साहन। अत: कथन 3 सही है।

प्रश्न 185:

उत्तर: C

व्याख्या:

- 'सर्वे ऑफ इंडिया' विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत देश का राष्ट्रीय सर्वेक्षण और मानचित्रण संगठन है। अत: कथन 1 सही है।
- वर्ष 1767 में इसकी स्थापना की गई तथा यह भारत सरकार का सबसे पुराना वैज्ञानिक विभाग है। अत: कथन 2 सही है।
- इसका मुख्यालय देहरादून, उत्तराखंड में है।
- सर्वे ऑफ इंडिया सभी सर्वेक्षण मामलों अर्थात भूगणित, फोटोग्राममिति, मानचित्रण और मानचित्र निर्माण हेतु भारत सरकार के सलाहकार के रूप में कार्य करता है।

Q.186

उत्तर: A

व्याख्या:

- राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA)-1980 एक निवारक निरोध कानून है। अत: कथन 1 सही है।
- निवारक निरोध के तहत भविष्य में किसी व्यक्ति को अपराध करने या अभियोजन से बचने से रोकने के लिये हिरासत में लिया जाना शामिल है।
    - संविधान का अनुच्छेद 22 (3) (ब) राज्य की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था हेतु व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर निवारक निरोध और प्रतिबंध की अनुमति प्रदान करता है।
- NSA किसी व्यक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये खतरा उत्पन्न करने से रोकने हेतु केंद्र या राज्य सरकार को उस व्यक्ति को हिरासत में लेने का अधिकार देता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
    - NSA के तहत किसी व्यक्ति को अधिकतम 12 महीने हिरासत में रखा जा सकता है लेकिन मामले से संबंधित नवीन सबूत मिलने पर सरकार इस समयसीमा को बढ़ा सकती है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

Q.187

उत्तर: C

व्याख्या:

- जनजातीय मामले मंत्रालय (Ministry of Tribal Affairs) के तहत भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ- ट्राइफेड (Tribal Cooperative Marketing Development Federation of India-TRIFED) ने संकल्प से सिद्धि- गाँव एवं डिजिटल कनेक्ट मुहिम (Sankalp se Siddhi - Village and Digital Connect Drive) लॉन्च की है। अत: कथन 1 सही है।
- इस मुहिम/अभियान/ड्राइव का मुख्य उद्देश्य इन गाँवों में वन धन विकास केंद्रों (VDVKs) को सक्रिय बनाना है। अत: कथन 2 सही है।
    - 100 दिनों (1 अप्रैल, 2021 से आरंभ) की इस मुहिम से 150 टीमें (ट्राइफेड एवं राज्य कार्यान्वयनकारी एजेंसियों/मेंटरिंग एजेंसियों/पाटनर्स से प्रत्येक क्षेत्र में 10) जुड़ेंगी। प्रत्येक टीम द्वारा 10 गाँवों का दौरा किया जाएगा।
    - इस प्रकार अगले 100 दिनों में प्रत्येक क्षेत्र में 100 गाँवों तथा देश भर में 1500 गाँवों को कवर किया जाएगा।
    - दौरा करने वाली टीमें स्थानों की भी पहचान करेंगी तथा वृहद् उद्यमों के रुप में ट्राइफूड (TRIFOOD) एवं स्फूर्ति (SFURTI) इकाइयों की क्लस्टरिंग हेतु संभावित वन धन विकास केंद्रों का चयन करेंगी।

प्रश्न188:

उत्तर: C

व्याख्या:

- CBI की स्थापना वर्ष 1963 में गृह मंत्रालय के एक प्रस्ताव द्वारा की गई थी।
    - अब CBI कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DoPT) के प्रशासनिक नियंत्रण में आता है। अत: कथन 1 सही है।
    - CBI की स्थापना भ्रष्टाचार निवारण पर संथानम समिति (1962–1964) द्वारा की गई थी।
- यह केंद्र सरकार की मुख्य जाँच एजेंसी है।
    - यह केंद्रीय सतर्कता आयोग और लोकपाल को भी सहायता प्रदान करता है।
    - यह भारत की नोडल पुलिस एजेंसी भी है जो इंटरपोल सदस्य देशों की ओर से जाँच का समन्वय करती है।
- CBI एक सांविधिक निकाय नहीं है। इसे दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 के तहत शक्तियाँ प्राप्त हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है, जबकि कथन 3 सही है।

प्रश्न 189.

उत्तर : B

व्याख्या:

- भारतीय खाद्य निगम 'उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय' के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के अंतर्गत शामिल सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- भारतीय खाद्य निगम एक सांविधिक निकाय है जिसे भारतीय खाद्य निगम अधिनियम, 1964 के तहत वर्ष 1965 में स्थापित किया गया। अत: कथन 2 सही है।
- देश में भीषण अन्न संकट, विशेष रूप से गेहूँ के अभाव के चलते इस निकाय की स्थापना की गई थी।
    - इसके साथ ही कृषकों के लिये लाभकारी मूल्य की सिफारिश (MSP) करने हेतु वर्ष 1965 में कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP) का भी गठन किया गया। कृषि लागत और मूल्य आयोग भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से संलग्न कार्यालय है।
- इसका मुख्य कार्य खाद्यान्न एवं अन्य खाद्य पदार्थों की खरीद, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री करना है।

प्रश्न 190

उत्तर : C

व्याख्या:

- हाल ही में जनजातीय कार्य मंत्रालय ने आदिवासी स्वास्थ्य सहयोगात्मक (THC) कार्यक्रम 'अनामय' (Anamaya) का शुभारंभ किया है।
- यह भारत के आदिवासी समुदायों के बीच सभी निवार्य मौतें (ऐसी बीमारियों के कारण होने वाली मौतें जिनकी रोकथाम संभव है) को दूर करने के लिये सरकारी, परोपकारी, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय, गैर-सरकारी संगठनों (NGOs)/ समुदाय आधारित संगठनों (CBOs) को एक साथ लाने की अनूठी पहल है।
- यह भारत के जनजातीय समुदायों में स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति को बेहतर करने के लिये विभिन्न सरकारी एजेंसियों और संगठनों के प्रयासों को एकीकृत करेगी। अत: विकल्प C सही है।

Q. 191

उत्तर : D

व्याख्या :

- MPEDA राज्य के स्वामित्व वाली एक नोडल एजेंसी है जो मत्स्य उत्पादन और संबद्ध गतिविधियों से जुड़ी हुई है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1972 में समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम (MPEDA), 1972 के तहत की गई थी । अत: कथन 1 सही है।
- यह केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्य करता है । अत: कथन 2 सही है।
- इसका मुख्यालय कोच्चि, केरल में है। अत: कथन 3 सही है।
- MPEDA की भूमिका समुद्री खाद्य पदार्थों के निर्यात को बढ़ाना है, जिसमें सभी प्रकार की मछलियों के मानकों को निर्दिष्ट करना, विपणन, प्रसंस्करण, विस्तार और विभिन्न पहलुओं का प्रशिक्षण शामिल हैं।

प्रश्न 192:

उत्तर: (A)

व्याख्या

- हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री वर्चुअल माध्यम से 'ई-सांता' (E-SANTA) नाम से एक इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म का उद्घाटन किया, जो कि जल कृषकों और खरीदारों को जोड़ने हेतु एक मंच प्रदान करेगा। अत: विकल्प (A) सही है।
- 'ई-सांता' का प्रयोग वेब पोर्टल के लिये किया गया है, जिसका अर्थ है- 'इलेक्ट्रॉनिक सॉल्यूशन फॉर ऑग्मेंटिंग NaCSA फार्मर्स ट्रेड इन एक्वाकल्चर' (e-SANTA)।
- 'ई-सांता' प्लेटफॉर्म बाज़ार विभाजन को समाप्त करने के लिये एक डिजिटल ब्रिज के रूप में कार्य करेगा और मध्यस्थों को समाप्त कर किसानों एवं खरीदारों को एक वैकल्पिक विपणन का साधन उपलब्ध कराएगा।
- इस प्लेटफॉर्म पर किसान स्वतंत्र रूप से अपनी उपज को सूचीबद्ध कर सकते हैं और अपनी इच्छा के अनुसार, कीमतों का निर्धारण कर सकते हैं, इसके अलावा निर्यातकों को भी अपनी आवश्यकताओं को सूचीबद्ध करने तथा अपनी आवश्यकताओं (जैसे- वांछित आकार, स्थान, फसल की अवधि आदि) के आधार पर उत्पादों का चयन करने की स्वतंत्रता होगी।
- यह प्लेटफॉर्म कई भाषाओं में उपलब्ध है, जो स्थानीय लोगों के लिये काफी मददगार होगा।

प्रश्न 193:

उत्तर: (A)

व्याख्या

- भारत ऊर्जा डैशबोर्ड (IED) एक ही स्थान पर देश के ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित समग्र डेटा प्रदान करने का एक प्रयास है।
  - यह भारत के लिये एक व्यापक, मुक्त, स्वतंत्र और सुलभ ऊर्जा डेटा पोर्टल बनाने की दिशा में किया गया आरंभिक प्रयास है। अत: कथन 1 सही है।
- हाल ही में भारत सरकार के थिंक टैंक 'नीति आयोग' ने भारत ऊर्जा डैशबोर्ड का दूसरा संस्करण का लॉन्च किया गया है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - नीति आयोग द्वारा इसके प्रथम संस्करण की शुरुआत मई 2017 में की गई थी।

प्रश्न:194

उत्तर: C

व्याख्या:

- सरकार ने पोषण के विषय में जागरूकता फैलाने के लिये एक समर्पित मिशन 'आहार क्रांति' (Aahaar Kranti) शुरू किया है।
- इस मिशन को भारत और विश्व में बहुतायत में भूख तथा बीमारियों की गंभीर समस्या का समाधान करने के लिये तैयार किया गया है। अत: कथन 1 सही है।
- कार्यान्वयन की रणनीति:
  - इसकी विषयवस्तु ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों में अंग्रेज़ी और हिन्दी के अलावा सभी मातृ भाषाओं में उपलब्ध कराई जाएगी।
  - इस कार्यक्रम में शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जो प्रशिक्षण के बाद अनेक छात्रों को इस कार्यक्रम का संदेश देंगे, यह संदेश छात्रों के माध्यम से उनके परिवारों तक पहुँचेगा और अंत में बड़े पैमाने पर समाज में इसका प्रचार होगा। अत: कथन 2 सही है।

प्रश्न 195:

उत्तर: (C)

व्याख्या

- आनुवंशिक रूप से संशोधित जीवों (GMOs) और उत्पादों को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत अधिसूचित 'खतरनाक सूक्ष्मजीवों, आनुवंशिक रूप से इंजीनियर जीवों या कोशिकाओं के निर्माण, उपयोग, आयात, निर्यात और भंडारण नियम, 1989' के तहत विनियमित किया जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- ये नियम पर्यावरण, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और राज्य सरकारों द्वारा कार्यान्वित किये जाते हैं।
- वर्ष 1989 के इन नियमों के साथ अनुसंधान, बायोलॉजिक्स, सीमित क्षेत्र परीक्षण, खाद्य सुरक्षा मूल्यांकन और पर्यावरण जोखिम मूल्यांकन आदि पर दिशानिर्देशों की एक श्रृंखला भी जारी की गई है।
- भारत में, जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC) आनुवंशिक रूप से संशोधित बीजों के वाणिज्यिक उपयोग को स्वीकृति देने हेतु स्थापित भारत का सर्वोच्च नियामक है। अत: कथन 2 सही है।
- अनुवांशिक रूप से संशोधित अस्वीकृत बीज संस्करण का उपयोग करने पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत 5 वर्ष के कारावास और 1 लाख रुपए तक के जुर्माने की सज़ा हो सकती है।

प्रश्न 196:

उत्तर: (C)

व्याख्या

- हाल ही में कोरोना महामारी से प्रभावित समुदायों में युवाओं के लिये 'ग्लोबल यूथ मोबिलाइज़ेशन' नामक एक पहल शुरू की गई है। अत: कथन 1 सही है।
- यह ऐसे युवाओं का एक आंदोलन है, जो महामारी के दौरान और उसके बाद अपने जीवन को सुधारने की दिशा में कार्रवाई कर रहे हैं।
- युवाओं पर महामारी के नकारात्मक प्रभाव के मुद्दे को संबोधित करना और उन्हें भविष्य में किसी अन्य आपदा से निपटने के लिये तैयार करना है।
- पहल में शामिल संगठन: इस पहल को विश्व के छह सबसे बड़े युवा संगठनों के साथ-साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और संयुक्त राष्ट्र (UN) फाउंडेशन द्वारा समर्थन प्राप्त है। अत: कथन 2 सही है।
- आवश्यकता: आँकड़ों के मुताबिक, महामारी प्रतिक्रिया उपायों से विश्व भर के लगभग 1.2 बिलियन युवा प्रभावित हुए हैं।
    - महामारी के कारण शिक्षा, रोज़गार, सेवाओं के वितरण और सामाजिक समर्थन में आए व्यवधान ने एक पूरी पीढ़ी के भविष्य को प्रभावित किया है।
- वित्तपोषण: 'कोविड-19 सॉलिडैरिटी रिस्पॉन्स फंड' के समर्थन से 'ग्लोबल यूथ मोबिलाइज़ेशन' द्वारा विश्व भर में युवाओं के नेतृत्व में समाधानों और कार्यक्रमों का समर्थन तथा उनका विस्तार किया जाएगा।
    - 'कोविड-19 सॉलिडैरिटी रिस्पॉन्स फंड' को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन' और 'स्विस फिलांथ्रोपी फाउंडेशन' की मदद से स्थापित किया गया था।

प्रश्न197:

उत्तर: A

व्याख्या:

- आपदा प्रबंधन अधिनियम (Disaster Management Act), 2005 को वर्ष 2005 में भारत सरकार द्वारा आपदाओं के कुशल प्रबंधन और इससे जुड़े अन्य मामलों के लिये पारित किया गया था। हालाँकि यह जनवरी 2006 में लागू हुआ।
    - यह राष्ट्रीय, राज्य और ज़िला स्तरों पर संस्थानों की एक व्यवस्थित संरचना बनाए रखता है। अत: कथन 1 सही है।
- इस अधिनियम के उद्देश्य में आपदा प्रबंधन में शमन रणनीति तैयार करना, क्षमता निर्माण करना आदि शामिल है।
    - इस अधिनियम की धारा 2 (d) में "आपदा" को परिभाषित किया गया है, जिसके अंतर्गत आपदा का अर्थ प्राकृतिक या मानव निर्मित कारणों से उत्पन्न किसी भी क्षेत्र में "तबाही, दुर्घटना, आपदा या गंभीर घटना" से है।
- यह अधिनियम गृह मंत्रालय को समग्र राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन को संचालित करने के लिये नोडल मंत्रालय के रूप में नामित करता है। अत: कथन 2 सही है।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (National Disaster Management Authority) आपदाओं के प्रति समय पर और प्रभावी प्रतिक्रिया के लिये नीतियाँ, योजनाएँ तथा दिशा-निर्देश तैयार करने हेतु यह एक शीर्ष निकाय है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
    - आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 8 के अंतर्गत राष्ट्रीय प्राधिकरण को उसके कार्यों के निष्पादन में सहायता देने के लिये एक राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (National Executive Committee) का गठन किया गया है।

प्रश्न:198

उत्तर: A

व्याख्या:

- एआईएम-प्राइम (AIM-PRIME- नवाचार, बाज़ार परकता और उद्यमिता पर शोध कार्यक्रम) का उद्देश्य 12 महीने की अवधि के प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से विज्ञान आधारित ठोस प्रौद्योगिकी (Deep Technology) के विचारों को बढ़ावा देना है। अत: कथन 1 सही है।
  - ठोस प्रौद्योगिकी मूर्त इंजीनियरिंग नवाचार या वैज्ञानिक प्रगति और खोजों पर आधारित होती है। इसे अक्सर उच्च स्तर की ज्ञान सामग्री के आधार पर अलग किया जाता है, जिससे विभेदन या परिवर्तन उत्प्रेरित हो सकता है।
- एआईएम ने इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम को लॉन्च करने के लिये बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (Bill & Melinda Gates Foundation) के साथ सहयोग किया है जिसे वेंचर सेंटर (Venture Centre) द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा। अत: कथन 2 सही नहीं है।

प्रश्न.199

उत्तर: B

व्याख्या:

- नोट्रे डेम ग्लोबल एडेप्टेशन इनिशिएटिव (ND-GAIN) नोट्रे डेम पर्यावरण परिवर्तन पहल (ND-ECI) विश्वविद्यालय के जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कार्यक्रम का हिस्सा है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- ND-GAIN से संबंधित देशों का सूचकांक यह आकलन करता है कि कौन से देशों ने अतिवृष्टि, संसाधन-बाधाओं और जलवायु व्यवधान द्वारा उत्पन्न वैश्विक परिवर्तनों से निपटने के लिये बेहतर संरचना तैयार की है। अत: कथन 2 सही है।
- यह सूचकांक 20 वर्षों से 180 से अधिक देशों की वार्षिक भेद्यता के आधार पर स्थानों का आकलन करता है और साथ ही यह भी आकलित करता है कि ये अनुकूलन के लिये कितने तैयार हैं।
  - भेद्यता या संवेदनशीलता को छ: जीवन सहायक क्षेत्रों में मापा जाता है - खाद्य, जल, स्वास्थ्य, पारिस्थितिकी तंत्र सेवा, मानव आवास और बुनियादी ढाँचा।
  - समग्र तत्परता को तीन घटकों में मापा जाता है- आर्थिक तत्परता, शासन तत्परता और सामाजिक
  - तत्परता।

Q.200.

उत्तर: D

व्याख्य:

- यह धारा भारत में किसी भी राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के मजिस्ट्रेट को एक निर्दिष्ट क्षेत्र में चार या अधिक लोगों के एकत्रित होने पर रोक लगाने के आदेश को पारित करने का अधिकार देती है। अत: कथन 1 सही है।
  - धारा 144 ज़िला मजिस्ट्रेट, उप-विभागीय मजिस्ट्रेट या राज्य सरकार द्वारा किसी कार्यकारी मजिस्ट्रेट को हिंसा या उपद्रव की स्थिति में तात्कालिक प्रावधान लागू करने का अधिकार प्रदान करती है।
  - यह आदेश किसी विशेष व्यक्ति या आम जनता के खिलाफ पारित किया जा सकता है।
- यह धारा, एक विशिष्ट अधिकार क्षेत्र में किसी भी तरह के हथियार को रखने या उसके आदान-प्रदान पर प्रतिबंध लगाती है। ऐसे कृत्य के लिये अधिकतम तीन वर्ष की सज़ा दी जा सकती है।
- यह धारा अधिकारियों को क्षेत्र में इंटरनेट पहुँच को अवरुद्ध करने यानी इंटरनेट शटडाउन का आदेश देने का अधिकार देती है। अत: कथन 2 सही है।
- इस धारा के तहत जारी कोई भी आदेश सामान्यत: 2 माह से अधिक समय तक लागू नहीं रह सकता है। अत: कथन 3 सही है।
  - हालाँकि इस अवधि की समाप्ति के बाद राज्य सरकार के विवेकाधिकार के तहत आदेश की अवधि को दो और माह के लिये बढाया जा सकता है, किंतु इसकी अधिकतम अवधि छह माह से अधिक नहीं हो सकती है।

Q.201

उत्तर: B

व्याख्या:

- भारत के संविधान की समवर्ती सूची (सातवीं अनुसूची) में वन शामिल हैं।
  - 42 वें संशोधन अधिनियम, 1976 के माध्यम से जंगली जानवरों और पक्षियों के संरक्षण को राज्य सूची से समवर्ती सूची में स्थानांतरित कर दिया गया। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- संविधान के अनुच्छेद 51 A (g) के अनुसार, वनों और वन्यजीवों सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य होगा।
- राज्य नीति के निदेशक सिद्धांतों में अनुच्छेद 48 A के अनुसार, राज्य पर्यावरण में सुधार और देश के वनों और वन्यजीवों की रक्षा करने का प्रयास करेगा। अत: कथन 2 सही है।

Q.202

उत्तर: A

व्याख्या:

- मनोदर्पण, आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू की गई पहल है। अत: विकल्प A सही है।
- इसका उद्देश्य छात्रों, परिवार के सदस्यों और शिक्षकों को कोविड -19 के दौरान उनके मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिये मनोसामाजिक सहायता प्रदान करना है।

Q.203

उत्तर: D

व्याख्या:

- ई-वीजा प्रणाली की शुरुआत सरकार द्वारा वर्ष 2014 में की गई थी। वर्ष 2017-2018 में इस सुविधा का विस्तार किया गया था।
- ई-वीजा पाँच श्रेणियों में प्रदान किया जाता है– पर्यटन, व्यवसाय, सम्मेलन, चिकित्सा और चिकित्सीय परिचर्या। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- गृह मंत्रालय वह नोडल मंत्रालय है जो विदेशियों को वीजा जारी करता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- यह सुविधा पाकिस्तान के नागरिकों को उपलब्ध नहीं है, लेकिन ये इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग में नियमित वीज़ा के लिये आवेदन कर सकते हैं।
    - ई-वीजा उन विदेशी राजनयिकों के लिये मान्य नहीं हैं जिन्हें अलग से ऐसी सुविधा प्राप्त है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

प्रश्न:204

उत्तर: D

व्याख्या:

- वामपंथी अतिवाद (LWE) संगठन ऐसे समूह हैं जो हिंसक क्रांति के माध्यम से बदलाव लाने की कोशिश करते हैं। वे लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ होते हैं और ज़मीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खत्म करने के लिये हिंसा का इस्तेमाल करते हैं।
- ये समूह देश के अल्प विकसित क्षेत्रों में विकासात्मक प्रक्रियाओं को रोकते हैं और लोगों को मौजूदा घटनाओं से अनभिज्ञ रखकर गुमराह करने की कोशिश करते हैं।
- LWE से लड़ने की सरकारी पहल:
    - ग्रेहाउंड: इसे वर्ष 1989 में एक विशिष्ट नक्सल विरोधी शक्ति के रूप में अपनाया गया था।
    - ऑपरेशन ग्रीन हंट: यह वर्ष 2009-10 में शुरू किया गया था और इसके अंतर्गत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षाबलों की भारी तैनाती की गई थी।
    - LWE मोबाइल टॉवर परियोजना: LWE क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिये वर्ष 2014 में सरकार ने LWE प्रभावित राज्यों में मोबाइल टॉवरों की स्थापना को मंज़ूरी दी।
    - आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम: इस कार्यक्रम को वर्ष 2018 में लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य उन ज़िलों में तेज़ी से बदलाव लाना है जिन्होंने प्रमुख सामाजिक क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम प्रगति की है।
    - समाधान (SAMADHAN) का अर्थ है-
        - S- स्मार्ट लीडरशिप,
        - A- आक्रामक रणनीति,
        - M- प्रेरणा और प्रशिक्षण,
        - A- एक्शनेबल इंटेलिजेंस,
        - D- डैशबोर्ड आधारित KPI (मुख्य प्रदर्शन संकेतक) और KRA (मुख्य परिणाम क्षेत्र),
        - H- हार्नेसिंग टेक्नोलॉजी,
        - A- प्रत्येक रंगमंच के लिये कार्ययोजना,
        - N- फाइनेंसिंग तक कोई पहुँच नहीं।
    - यह सिद्धांत LWE समस्या के लिये वन-स्टॉप समाधान है। इसमें विभिन्न स्तरों पर तैयार की गई अल्पकालिक नीति से लेकर दीर्घकालिक नीति तक सरकार की पूरी रणनीति शामिल है। अत: विकल्प (D) सही है।

प्रश्न 205:

उत्तर: (D)

व्याख्या

- हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) ने एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित पोर्टल 'SUPACE' लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य कानूनी अनुसंधान के लिये न्यायाधीशों की सहायता करना है। अत: विकल्प (D) सही है।
    - 'SUPACE' का पूर्ण रूप है- 'सुप्रीम कोर्ट पोर्टल फॉर असिस्टेंस इन कोर्ट्स एफिशिएंसी'
- इससे पूर्व सर्वोच्च न्यायालय की ई-समिति द्वारा प्रस्तुत 'भारतीय न्यायपालिका में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) के कार्यान्वयन के लिये राष्ट्रीय नीति एवं कार्ययोजना-2005' के आधार पर ई-कोर्ट परियोजना की परिकल्पना की गई थी।
- 'SUPACE' एक उपकरण है, जो सभी प्रासंगिक तथ्यों और कानूनों को एकत्र करता है और उन्हें न्यायाधीशों के लिये उपलब्ध कराता है।
    - इस उपकरण को निर्णय लेने के लिहाज़ से डिज़ाइन नहीं किया गया है, बल्कि यह केवल तथ्यों को संसाधित करेगा और न्यायाधीशों की सहायता के लिये तथ्य उपलब्ध कराएगा।
    - प्रारंभ में इसका प्रयोग बंबई और दिल्ली उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों द्वारा प्रायोगिक आधार पर किया जाएगा।

प्रश्न:206

उत्तर: A

व्याख्या:

- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एकीकृत स्वास्थ्य सूचना प्लेटफॉर्म (Integrated Health Information Platform- IHIP) की शुरुआत की जो वर्तमान में इस्तेमाल किये जा रहे एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (Integrated Disease Surveillance Programme- IDSP) की अगली पीढ़ी का अत्यधिक परिष्कृत संस्करण है। अत: कथन 1 और 2 सही है।
- IDSP स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की एक पहल है जिसकी शुरुआत वर्ष 2004 में विश्व बैंक (World Bank) की सहायता से की गई थी। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- इसे 12वीं योजना (वर्ष 2012-17) के दौरान घरेलू बजट से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (National Health Mission) के अंतर्गत एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के रूप में जारी रखा गया था।
- इसके अंतर्गत दिल्ली में एक केंद्रीय निगरानी इकाई (CSU), सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों (UTs) में राज्य निगरानी इकाई (SSU) और सभी ज़िलों में ज़िला निगरानी इकाई (DSU) की स्थापना की गई है।

Q.207

उत्तर: C

व्याख्या:

- स्वतंत्रता के बाद अफीम की कृषि और इसके प्रसंस्करण क्षेत्र पर नियंत्रण अप्रैल 1950 से केंद्र सरकार का उत्तरदायित्व बन गया।
- वर्तमान में नारकोटिक्स आयुक्त द्वारा अधीनस्थों के साथ सभी शक्तियों का उपयोग करते हुए अफीम की खेती तथा इसके उत्पादन के अधीक्षण से संबंधित सभी कार्यों को किया जाता है। अत: कथन 1 सही है।
    - आयुक्त इस शक्ति को 'नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985' और 'नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस रूल्स, 1985' से प्राप्त करता है।
- अफीम पोस्ता की खेती केवल ऐसे भू-भागों में की जा सकती है, जो सरकार द्वारा अधिसूचित हैं।
    - वर्तमान में ये भू-भाग तीन राज्यों तक ही सीमित हैं- मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश। अत: कथन 2 सही है।
    - अफीम की खेती के कुल क्षेत्रफल का लगभग 80% हिस्सा मध्य प्रदेश के मंदसौर ज़िले और राजस्थान के चित्तौड़गढ़ और झालावाड़ ज़िलों में है।
- निर्यात हेतु अफीम की खेती करने के लिये भारत संयुक्त राष्ट्र ड्रग्स और अपराध कार्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनुमति प्राप्त कुछ देशों में से एक है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

Q.208

उत्तर: A

व्याख्या:

- राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (NCLT) के आदेशों के खिलाफ अपील की सुनवाई के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 410 के तहत राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (NCLAT) का गठन किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- NCLAT 'इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड, 2016 (IBC) के तहत NCLT द्वारा पारित आदेशों के खिलाफ अपील की सुनवाई के लिये एक अपीलीय न्यायाधिकरण भी है।
    - NCLAT 'इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया' द्वारा पारित आदेशों के खिलाफ अपील भी सुनता है।
    - NCLAT एक अपीलीय ट्रिब्यूनल भी है, जो भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) द्वारा जारी किये गए या दिये गए किसी भी निर्देश या आदेश के खिलाफ अपील की सुनवाई और निपटान करता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

प्रश्न209.

उत्तर: C

व्याख्या:

- राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) पर्यावरण संरक्षण और वनों तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित मामलों के प्रभावी एवं शीघ्र निपटान के लिये राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम, 2010 के तहत स्थापित एक विशिष्ट निकाय है।
- NGT की स्थापना के साथ भारत एक विशेष पर्यावरण न्यायाधिकरण (Specialised Environmental Tribunal) स्थापित करने वाला दुनिया का तीसरा (और पहला विकासशील) देश बन गया। इससे पहले केवल ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में ही ऐसे किसी निकाय की स्थापना की गई थी। अत: कथन 1 सही है।
- NGT का मुख्यालय दिल्ली में है, जबकि अन्य चार क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल, पुणे, कोलकाता एवं चेन्नई में स्थित हैं।
- NGT में अध्यक्ष, न्यायिक सदस्य और विशेषज्ञ सदस्य शामिल होते हैं, जिनका कार्यकाल 5 वर्षों का होता है और किसी भी सदस्य को पुन: पद पर नियुक्त नहीं किया जा सकता।
- अध्यक्ष की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से केंद्र सरकार द्वारा की जाती है। अत: कथन 2 सही है।

Q.210

उत्तर: A

व्याख्या:

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) ने भारत में तकनीकी शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) के साथ मिलकर 'मार्गदर्शन और मार्गदर्शक' पहल की शुरुआत की है।
- उच्चतर अविष्कार योजना (UAY) की घोषणा उच्च स्तर के नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी जो उद्योग की आवश्यकताओं को सीधे प्रभावित करती है और इससे भारतीय विनिर्माण उद्योग की प्रतिस्पर्द्धा में सुधार होता है।
  - यह योजना एक व्यवहार्य उद्योग-अकादमिक सहयोग पर केंद्रित है, जहाँ उद्योग अनुसंधान की लागत का एक हिस्सा साझा करता है।
- मनोदर्पण पहल का उद्देश्य छात्रों, परिवार के सदस्यों और शिक्षकों को उनके मानसिक स्वास्थ्य और कोविड-19 के समय में उनके स्वास्थ्य और कल्याण हेतु मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना है। (तकनीकी शिक्षा से संबंधित नहीं)
- 'स्टेट रूफटॉप सोलर अट्रैक्शन इंडेक्स' या SARAL, रूफटॉप सौर परिनियोजन को सुविधाजनक बनाने हेतु अपनाए गए राज्य-स्तरीय उपायों का व्यापक अवलोकन प्रदान करने वाला अपनी तरह का पहला सूचकांक है। (तकनीकी शिक्षा से संबंधित नहीं) अत: विकल्प A सही है।

प्रश्न:211

उत्तर: (D)

व्याख्या:

- नीति आयोग ने एक चर्चा पत्र (Discussion Paper) के माध्यम से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013 के तहत ग्रामीण एवं शहरी कवरेज को क्रमश: 60 प्रतिशत और 40 प्रतिशत तक कम करने की सिफारिश की है।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013 को 10 सितंबर, 2013 को अधिसूचित किया जाता है। इसके तहत लाभार्थियों को रियायती कीमतों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- इसका उद्देश्य एक गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिये लोगों को वहनीय मूल्यों पर अच्छी गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध कराते हुए उन्हें खाद्य और पोषण सुरक्षा प्रदान करना है।
- यह अधिनियम लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (TPDS) के तहत रियायती दर पर खाद्यान्न प्राप्त करने के लिये ग्रामीण आबादी का 75 प्रतिशत और शहरी आबादी का 50 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

प्रश्न: 212

उत्तर: C

व्याख्या:

- राष्ट्रीय शिक्षा अभियान (Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan- RUSA) का उद्देश्य पूरे देश में उच्च शिक्षा संस्थानों को रणनीतिक वित्तपोषण प्रदान करना है। अत: कथन 1 सही है।
  - इस अभियान के तहत राज्यों के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में समानता, सभी की पहुँच और उत्कृष्टता बढ़ाने के लिये आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।
- RUSA को अक्तूबर 2013 में शुरू किया गया था, यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है। अत: कथन 2 सही है।

Q.213.

उत्तर: B

व्याख्या:

- इसकी स्थापना साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई में राष्ट्रीय स्तर पर एक नोडल केंद्र के रूप में कार्य करने के लिये गृह मंत्रालय के तहत की गई है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - I4C की स्थापना योजना को सभी प्रकार के साइबर अपराधों से व्यापक और समन्वित तरीके से निपटने के लिये अक्तूबर 2018 में मंज़ूरी दी गई थी।
  - यह अत्याधुनिक केंद्र नई दिल्ली में स्थित है।
  - विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने क्षेत्रीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र स्थापित करने के लिये अपनी सहमति दी है।
- उद्देश्य:
  - समन्वित और व्यापक तरीके से साइबर अपराधों से निपटने हेतु एक मंच प्रदान करना।
    - केंद्रीय गृह मंत्रालय में संबंधित नोडल प्राधिकरण के परामर्श से अन्य देशों के साथ साइबर अपराध से संबंधित पारस्परिक कानूनी सहायता संधियों (MLAT) के कार्यान्वयन से जुड़ीं सभी गतिविधियों के समन्वय के लिये इसका निर्माण किया गया है। अत: कथन 2 सही है।
  - एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना जो साइबर अपराध की रोकथाम, पता लगाने, जाँच और अभियोजन में शिक्षा, उद्योग, जनता तथा सरकार को एक साथ लाता है।
    - अनुसंधान में आने वाली समस्याओं की पहचान करने और भारत तथा विदेश में अकादमिक/अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से नई प्रौद्योगिकियों व फोरेंसिक उपकरणों को विकसित करने में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना।

- चरमपंथी और आतंकवादी समूहों द्वारा साइबर-स्पेस के दुरुपयोग को रोकना।
- तेज़ी से बदलती प्रौद्योगिकियों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ तालमेल बनाए रखने के लिये साइबर कानूनों में संशोधन का सुझाव देना (यदि आवश्यक हो)।

Q.214.

उत्तर: C

व्याख्या:

- सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2017 में के.एस. पुत्तास्वामी बनाम भारतीय संघ ऐतिहासिक निर्णय में गोपनीयता और उसके महत्त्व को वर्णित किया। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, निजता का अधिकार एक मौलिक और अविच्छेद्य अधिकार है और इसके तहत व्यक्ति से जुड़ी सभी सूचनाओं के साथ उसके द्वारा लिये गए निर्णय शामिल हैं। अत: विकल्प (C) सही है।
- निजता के अधिकार को अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के आंतरिक भाग के रूप में तथा संविधान के भाग-III द्वारा गारंटीकृत स्वतंत्रता के हिस्से के रूप में संरक्षित किया गया है।

Q215.

उत्तर: (A)

व्याख्या:

- 'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग बाइ सब्जेक्ट' के नवीनतम संस्करण (11वें) के अनुसार, भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के 25 सब्जेक्ट को उनकी संबंधित विषय श्रेणियों में दुनिया के शीर्ष 100 में स्थान प्राप्त हुआ है।
- इसमें भारत के 52 भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों के 51 अकादमिक विषयों के 253 कार्यक्रमों के प्रदर्शन पर स्वतंत्र आँकड़ों को प्रस्तुत किया गया।
- इस वर्ष शीर्ष 100 शीर्ष सब्जेक्ट रैंकिंग में भारतीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों की संख्या 8 से बढ़कर 12 हो गई है। अत: कथन 1 सही है।
    - 12 भारतीय संस्थान जिन्हें विश्व के शीर्ष 100 संस्थानों में स्थान मिला है- IIT बॉम्बे, IIT दिल्ली, IIT मद्रास, IIT खड़गपुर, IISC बंगलुरु, IIT गुवाहाटी, IIM बंगलुरु, IIM अहमदाबाद, JNU, अन्ना विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और ओपी जिंदल विश्वविद्यालय।
    - IIT बॉम्बे ने किसी भी अन्य भारतीय संस्थान की तुलना में शीर्ष 100 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।
- सरकार द्वारा संचालित इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (IoE) से संबंधित संस्थानों ने निजी संस्थानों की तुलना में रैंकिंग में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है।
    - ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने विधि (76वें) के लिये वैश्विक रूप से शीर्ष -100 में स्थान प्राप्त किया है। यह एक निजी IoE द्वारा शीर्ष-100 में प्राप्त एकमात्र स्थान है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

प्रश्न 216:

उत्तर (D)

व्याख्या

- हाल ही में केंद्र सरकार ने ओवरसीज़ सिटीज़न ऑफ इंडिया (OCI) से संबंधित अधिकारों की एक समेकित सूची जारी की है।
- एकाधिक प्रवेश आजीवन वीज़ा
    - OCI कार्डधारक किसी भी उद्देश्य के लिये भारत आने हेतु एकाधिक प्रवेश पाने और आजीवन वीज़ा प्राप्त करने के हकदार होंगे। अत: कथन 1 सही है।
- पूर्व अनुमति
    - OCI कार्डधारकों को अनुसंधान, पत्रकारिता, पर्वतारोहण, मिशनरी या तब्लीगी कार्य और प्रतिबंधित क्षेत्रों के दौरे आदि के लिये पूर्व अनुमति की आवश्यकता होगी। अत: कथन 2 सही है।
- भारतीय नागरिकों के साथ समानता
    - OCI कार्डधारकों को घरेलू हवाई किराया, स्मारकों और सार्वजनिक स्थानों पर प्रवेश शुल्क के मामले में आम भारतीय नागरिकों के समान अधिकार प्राप्त होंगे। अत: कथन 3 सही है।

Q.217.

उत्तर: B

व्याख्या:

- इस परियोजना को वर्ष 2008 में भारत सरकार के 'रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय' (Ministry of Chemicals & Fertilizer) के अंतर्गत कार्यरत 'फार्मास्यूटिकल्स विभाग' (Department of Pharmaceutical) द्वारा प्रारंभ किया गया था।
    - इस अभियान को वर्ष 2015-16 में PMBJP के रूप में फिर से शुरू किया गया।
    - ब्यूरो ऑफ फार्मा पीएसयू ऑफ इंडिया (Bureau of Pharma PSUs of India), PMBJP की कार्यान्वयन एजेंसी है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
        - BPPI ने जन-औषधि सुगम एप (Janaushadhi Sugam Application) भी विकसित किया है।

- ब्यूरो ऑफ फार्मा पीएसयू ऑफ इंडिया, प्रधानमंत्री भारतीय जन-औषधि परियोजना (Pradhan Mantri Bhartiya Janaushadhi Pariyojana) के एक भाग के रूप में जन-औषधि केंद्रों का समर्थन करता है।
  - ये ऐसे केंद्र हैं जहाँ गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएँ सभी को उपलब्ध कराई जाती हैं।
  - प्रधानमंत्री जन-औषधि केंद्रों की स्थापना के लिये 2.5 लाख रुपए तक का सरकारी अनुदान प्रदान किया जाता है, जिसकी मदद से डॉक्टर, फार्मासिस्ट, उद्यमी, स्वयं सहायता समूह (SHG), गैर-सरकारी संगठन (NGO) आदि किसी भी उपयुक्त स्थान या अस्पताल के बाहर जन-औषधि केंद्र स्थापित कर सकते हैं। अत: कथन 2 सही है।

Q218

उत्तर: B

व्याख्या:

- इसे दूरसंचार सेवाओं हेतु शुल्क निर्धारण/संशोधन सहित दूरसंचार सेवाओं को विनियमित करने के लिये संसद के एक अधिनियम (भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997) द्वारा स्थापित किया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - यह एक निष्पक्ष और पारदर्शी नीति हेतु वातावरण प्रदान करता है जो सभी को एक समान अवसर प्रदान करता है और प्रतिस्पर्द्धा को सुगम बनाता है।
- ट्राई अधिनियम में संशोधन कर ट्राई से सहायक और विवाद कार्यों के समाधान करने के उद्देश्य से दूरसंचार विवाद निपटान और अपीलीय न्यायाधिकरण (Telecommunications Dispute Settlement and Appellate Tribunal- TDSAT) की स्थापना की गई। अत: कथन 2 सही है।
  - TDSAT की स्थापना विभिन्न लाइसेंसधारियों के मध्य, दो या दो से अधिक सेवा प्रदाताओं के मध्य, एक सेवा प्रदाता और उपभोक्ताओं के समूह के मध्य किसी भी विवाद के निपटान और ट्राई के किसी भी निर्देश, निर्णय या आदेश के खिलाफ अपील सुनने और उसके निपटान हेतु की गई थी।

प्रश्न:219

उत्तर: C

व्याख्या:

- एनटीपीसी लिमिटेड विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (Public Sector Under-taking- PSU) है। अत: कथन 1 सही है।
- यह भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा संचयन समूह है। इसकी स्थापना वर्ष 1975 में ऊर्जा विकास में तेज़ी लाने के उद्देश्य से की गई थी।
- इसका कार्य नवाचार और तीव्रता के साथ किफायती, कुशल एवं पर्यावरण अनुकूल तरीके से विश्वसनीय ऊर्जा का उत्पादन करना है।
- मई 2010 में इसे महारत्न कंपनी का दर्जा प्राप्त हुआ। यह नई दिल्ली में अवस्थित है। अत: कथन 2 सही है।

Q.220

उत्तर: D

व्याख्या:

- यह ब्यूरो विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक वैधानिक निकाय है, जिसे वर्ष 2002 में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 के प्रावधानों के तहत स्थापित किया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - ऊर्जा दक्षता और संरक्षण के क्षेत्र में इन नीतियों तथा कार्यक्रमों को लागू करना अनिवार्य है।
- विद्युत मंत्रालय (Ministry of Power) ने "ईंट निर्माण क्षेत्र के लिये ऊर्जा दक्षता उद्यम (E3) प्रमाणपत्र कार्यक्रम" (Energy Efficiency Enterprise (E3) Certifications Programme for the Brick Manufacturing Sector) शुरू किया है।
  - E3 प्रमाणन योजना का उद्देश्य इस क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता क्षमता का अधिक दोहन करना है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.221

उत्तर: (D)

व्याख्या

- राज्य निर्वाचन आयोग को राज्य में स्थानीय निकायों के लिये स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव आयोजित कराने का कार्य प्रदान किया गया है।
  - राज्य विधानसभा चुनावों का आयोजन भारत निर्वाचन आयोग द्वारा किया जाता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- अनुच्छेद 243(K)(1): संविधान के इस अनुच्छेद के मुताबिक, पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों के लिये निर्वाचन नामावली तैयार करने और चुनाव आयोजित करने हेतु अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण संबंधी सभी शक्तियाँ राज्य निर्वाचन आयोग में निहित होंगी, इसमें राज्यपाल द्वारा नियुक्त राज्य चुनाव आयुक्त सम्मिलित हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - नगरपालिकाओं से संबंधित प्रावधान अनुच्छेद 243(Z)(A) में शामिल हैं।
- अनुच्छेद 243(K)(2): इस अनुच्छेद में कहा गया है कि राज्य चुनाव आयुक्त की शक्तियाँ और कार्यकाल को राज्य विधायिका द्वारा बनाए गए कानून के अनुसार निर्देशित किया जाएगा। अनुच्छेद के मुताबिक, राज्य चुनाव आयुक्त को केवल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के अभियोग की प्रक्रिया का पालन करते हुए हटाया जा सकता है।

Q.222

उत्तर: A

व्याख्या:

- संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (Members of Parliament Local Area Development Scheme- MPLAD) एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जिसकी घोषणा दिसंबर 1993 में की गई थी। अत: कथन 1 सही है।
  - प्रारंभ में इसका क्रियान्वयन ग्रामीण विकास मंत्रालय (Ministry of Rural Development) के अंतर्गत किया गया जिसे अक्तूबर 1994 में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (Ministry of Statistics and Programme Implementation) को स्थानांतरित कर दिया गया। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - इस योजना के अंतर्गत संसद सदस्यों (Member of Parliament) को प्रत्येक वर्ष 2.5 करोड़ रुपए की दो किश्तों में 5 करोड़ रुपए की राशि वितरित की जाती है। यह राशि नॉन-लैप्सेबल (Non-Lapsable) होती है।
- उद्देश्य:
  - इस योजना का उद्देश्य सांसदों को विकासात्मक प्रकृति के कार्यों की सिफारिश करने में सक्षम बनाना और उनके निर्वाचन क्षेत्रों में स्थानीय रूप से महसूस की गई ज़रूरतों के आधार पर सामुदायिक संपत्ति के निर्माण पर ज़ोर देना है।
    - इस योजना के अंतर्गत लोकसभा सदस्य अपने निर्वाचन क्षेत्रों के भीतर काम करने की सिफारिश कर सकते हैं और राज्यसभा के चुने हुए सदस्य राज्य के भीतर कहीं भी काम करने की सिफारिश कर सकते हैं।
    - राज्यसभा और लोकसभा के मनोनीत सदस्य देश में कहीं भी कार्य करने की सिफारिश कर सकते हैं। अत: कथन 3 सही नहीं है।
    - इन परियोजनाओं में पीने के पानी की सुविधा, प्राथमिक शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य स्वच्छता और सड़कों आदि का निर्माण किया जाना शामिल है।
  - जून 2016 से इस निधि का उपयोग स्वच्छ भारत अभियान (Swachh Bharat Abhiyan), सुगम्य भारत अभियान (Sugamya Bharat Abhiyan), वर्षा जल संचयन के माध्यम से जल संरक्षण और सांसद आदर्श ग्राम योजना (Sansad Aadarsh Gram Yojana) आदि के कार्यान्वयन में भी किया जाता है।
  - केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत में कोविड -19 के प्रकोप के प्रतिकूल प्रभाव के मद्देनज़र वर्ष 2020-21 और वर्ष 2021-22 के दौरान इस निधि के अस्थायी निलंबन को अपनी मंज़ूरी दे दी है।

Q.223

उत्तर: C

- केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री ने लोकसभा में वाहन स्क्रैपिंग नीति (Vehicle Scrapping Policy) की घोषणा की। अत: कथन 1 सही है।
- इस नीति का उद्देश्य पुराने और खराब वाहनों को कम कर इनसे होने वाले वायु प्रदूषकों को कम करना, सड़क और वाहनों की सुरक्षा में सुधार करना है।
  - इस नीति के अंतर्गत 20 साल से अधिक पुराने 51 लाख और 15 साल से अधिक पुराने 34 लाख हल्के मोटर व्हीकल्स (LMV) को शामिल किया गया है। अत: कथन 2 सही है।

Q.224

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में सरकार द्वारा ग्राम उजाला कार्यक्रम (Gram UJALA Programme) की शुरुआत की गई है। यह सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी योजना है जिसके तहत कार्यशील पुराने तापदीप्त बल्बों के बदले मात्र 10 रुपए में (विश्व में सबसे सस्ते) ग्रामीण क्षेत्रों में एलईडी बल्बों का वितरण किया जाएगा। अत: कथन 1 सही है।
  - इस कार्यक्रम का प्रथम चरण बिहार के आरा ज़िले से शुरू किया गया है जिसमें 5 ज़िलों- आरा (बिहार), वाराणसी (उत्तर प्रदेश), विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश), नागपुर (महाराष्ट्र), और पश्चिमी गुजरात के गाँवों में 15 मिलियन एलईडी बल्बों का वितरण किया जाएगा।
  - प्रकाश उत्सर्जक डायोड (Light-Emitting Diode-LED) वर्तमान में सबसे अधिक ऊर्जा कुशल और तेज़ी से विकास करने वाली प्रकाश प्रौद्योगिकियों में से एक है।
- इस कार्यक्रम का वित्तपोषण पूरी तरह से कार्बन क्रेडिट द्वारा किया जाएगा तथा यह भारत में इस तरह का पहला कार्यक्रम होगा।अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.225

उत्तर: D

व्याख्या:

- लोकपाल तथा लोकायुक्त अधिनियम, 2013 ने संघ (केंद्र) के लिये लोकपाल और राज्यों के लिये लोकायुक्त संस्था की व्यवस्था की है।
  - इस प्रकार लोकपाल संस्था बिना किसी संवैधानिक दर्जे वाली वैधानिक निकाय है। अत: कथन 1 सही नहीं है।

- लोकपाल के क्षेत्राधिकार में प्रधानमंत्री, मंत्री, संसद सदस्य, समूह ए, बी, सी और डी अधिकारी तथा केंद्र सरकार के अधिकारी शामिल हैं।

- लोकपाल का क्षेत्राधिकार प्रधानमंत्री पर केवल भ्रष्टाचार के उन आरोपों तक सीमित रहेगा जो कि अंतर्राष्ट्रीय संबंधों, सुरक्षा, लोक व्यवस्था, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष से संबद्ध न हों।
  - संसद में कही गई किसी बात या दिये गए वोट के मामले में मंत्रियों या सांसदों पर लोकपाल का क्षेत्राधिकार नहीं होगा। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.226

उत्तर: D

व्याख्या:

- केंद्रीय सूचना आयोग की स्थापना सूचना का अधिकार अधिनियम (Right to Information Act), 2005 के प्रावधानों के अंतर्गत वर्ष 2005 में केंद्र सरकार द्वारा की गई थी। यह संवैधानिक निकाय नहीं है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- इस आयोग में एक मुख्य सूचना आयुक्त तथा अधिकतम 10 केंद्रीय सूचना आयुक्तों का प्रावधान है और इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
  - इन आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में बनी समिति की अनुशंसा पर की जाती है, जिसमें लोकसभा में विपक्ष का नेता और प्रधानमंत्री द्वारा मनोनीत कैबिनेट मंत्री बतौर सदस्य होते हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- ऐसे पदों हेतु मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित या 65 वर्ष की आयु (जो भी पहले हो) तक पद धारण करेंगे। अत: कथन 3 सही नहीं है।
  - इनकी पुनर्नियुक्ति नहीं की जा सकती है।
  - सूचना का अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019 में प्रावधान है कि मुख्य सूचना आयुक्त (Chief Information Commissioner) और सूचना आयुक्तों का कार्यकाल केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित किया जाएगा।
    - इनका कार्यकाल इस संशोधन से पहले 5 वर्ष का था।

Q.227

उत्तर: C

व्याख्या:

- IFAD की स्थापना वर्ष 1977 में गई थी, जो ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी को कम करने पर केंद्रित है। यह विकासशील देशों में गरीब ग्रामीण आबादी के साथ मिलकर कार्य करके गरीबी, भूख और कुपोषण को समाप्त करने की दिशा में कार्यरत है। अत: कथन 2 सही है।
- IFAD, संयुक्त राष्ट्र (United Nations) की एक विशेष एजेंसी है जो वर्ष 1974 के विश्व खाद्य सम्मेलन का प्रमुख परिणाम थी। अत: कथन 1 सही है।

Q.228

उत्तर: C

व्याख्या:

- लघु कृषक कृषि व्यापार संघ (SFAC) की स्थापना वर्ष 1994 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक स्वायत्त निकाय के रूप में की गई थी। इसे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रवर्तित किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- 'किसान उत्पादक संगठनों (Farmer Producer Organizations- FPOs) में विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसान उत्पादक शामिल होते हैं, ताकि कृषि की कई चुनौतियों का प्रभावी रूप से समाधान करने हेतु एक गठबंधन तैयार किया जा सके जैसे- निवेश, प्रौद्योगिकी, आदानों/निविष्टियाँ और बाज़ारों तक बेहतर पहुँच।
  - SFAC लघु एवं सीमांत किसानों को किसान हित समूहों, कृषक उत्पादक संगठनों और किसान उत्पादक कंपनियों को संगठित करने के लिये एक अग्रणी संघ है। यह किसान उत्पादक संगठनों (FPO) को बढ़ावा देने हेतु सहायता प्रदान करता है। अत: कथन 2 सही है।

Q.229

उत्तर: A

व्याख्या:

- राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (NSC) एक तीन-स्तरीय संगठन है जिसमें रणनीतिक नीति समूह (SPG), राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (NSAB) और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय शामिल हैं। अत: कथन 1 सही है।
- भारत ने वर्ष 1999 में एक राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (NSC) का गठन किया, जहाँ राष्ट्रीय सुरक्षा के सभी पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- NSC शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करता है, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है।
  - गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री और वित्त मंत्री इसके सदस्य हैं तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार इसके सचिव के रूप में कार्य करता है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली SPG अंतर-मंत्रालयी समन्वय और संबंधित आदानों के एकीकरण हेतु प्रमुख मंच है जबकि NSAB दीर्घकालिक विश्लेषण करने के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर दृष्टिकोण/योजना प्रस्तुत करता है।

Q.230

उत्तर: (D)

व्याख्या:

- भारत में रहने के लिये OCI कार्डधारकों को क्षेत्रीय विदेशी पंजीकरण कार्यालय (FRRO) के साथ पंजीकरण से छूट दी गई है, हालाँकि भारत आने वाले विदेशियों, जिनके पास लंबी अवधि का वीज़ा (180 दिनों से अधिक) है, के लिये क्षेत्रीय विदेशी पंजीकरण कार्यालय (FRRO के साथ पंजीकरण कराना आवश्यक है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2015 के माध्यम से भारत सरकार ने वर्ष 2015 में OCI श्रेणी का विलय भारतीय मूल के व्यक्ति (PIO) की श्रेणी के साथ कर दिया गया था। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.231

उत्तर: C

व्याख्या:

- SCI की स्थापना 2 अक्तूबर, 1961 को पूर्वी नौवहन निगम और पश्चिमी नौवहन निगम के विलय द्वारा की गई थी।
- दो और शिपिंग कंपनियों- जयंती शिपिंग कंपनी (Jayanti Shipping Company) और मोगल लाइन्स लिमिटेड (Mogul Lines Limited) को क्रमश: वर्ष 1973 और वर्ष 1986 में SCI में मिला दिया गया।
- यह भारत सरकार का सार्वजनिक उपक्रम है। यह उन जहाज़ों का संचालन और प्रबंधन करता है जो राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर सेवा प्रदान करते हैं।
- मुख्यालय: मुंबई
- नवरत्न का दर्जा: SCI को वर्ष 2008 में भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित "नवरत्न" कंपनी का दर्जा दिया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- नवंबर 2019 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रणनीतिक खरीदार को प्रबंधन नियंत्रण के हस्तांतरण के साथ SCI में भारत सरकार के 63.75% की हिस्सेदारी के रणनीतिक विनिवेश हेतु " सैद्धांतिक रूप से " मंज़ूरी प्रदान की थी। अत: कथन 2 सही है।

Q.232

उत्तर: B

व्याख्या:

- राष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल्स मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (National Pharmaceuticals Pricing Authority) फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और उर्वरक मंत्रालय के अंतर्गत एक संगठन है जिसे वर्ष 1997 में स्थापित किया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - इसे थोक दवाओं और फॉर्मूलों की कीमतों को व्यवस्थित करने/संशोधित करने और दवा (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 1995 के तहत देश में दवाइयों की कीमतों और इनकी उपलब्धता को बनाए रखने के लिये स्थापित किया गया था।
- मूल्यों को ड्रग्स (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के अंतर्गत तय/संशोधित किया गया है।
- यह प्राधिकरण दवाओं के मूल्य को उचित स्तर पर बनाये रखने के लिये उनके अनियंत्रित कीमतों की निगरानी भी करता है। अत: कथन 2 सही है।

Q.233

उत्तर: A

व्याख्या:

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्वास्थ्य एवं शिक्षा उपकर (Health and Education Cess) से प्राप्त होने वाली राशि से स्वास्थ्य क्षेत्र हेतु एक 'सिंगल नॉन लैप्सेबल रिज़र्व फंड' (Single Non-Lapsable Reserve Fund) के रूप में 'प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा निधि' (Pradhan Mantri Swasthya Suraksha Nidhi- PMSSN) बनाने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी है।
  - वित्त अधिनियम, 2007 की धारा 136-बी के तहत स्वास्थ्य और शिक्षा उपकर की वसूली की जाती है।
- प्रधानमंत्री सुरक्षा निधि (PMSSN) की मुख्य विशेषताएँ:
  - यह सार्वजनिक खाते में स्वास्थ्य क्षेत्र हेतु एक 'सिंगल नॉन लैप्सेबल रिज़र्व फंड' है। अत: कथन 1 सही है।
  - स्वास्थ्य एवं शिक्षा उपकर से प्राप्त राशि में से स्वास्थ्य का अंश 'प्रधानमंत्री सुरक्षा निधि' (PMSSN) में भेजा जाएगा।
    - PMSSN में भेजी गई इस राशि का इस्तेमाल स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण योजनाओं में किया जाएगा:
    - आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY)
    - आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं देखभाल केंद्र (AB-HWCs)
    - राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन।
    - प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (PMSSY)
    - स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों एवं आकस्मिक विपत्ति में तैयारी एवं प्रतिक्रिया।
    - कोई भी अन्य भावी कार्यक्रम/योजना जिसका लक्ष्य एसडीजी की दिशा में प्रगति हासिल करना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 के तहत तय लक्ष्यों को प्राप्त करना।

अत: कथन 2 सही नहीं है।

- PMSSN का प्रशासन और रखरखाव का कार्य स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (Ministry of Health & Family Welfare- MoHFW) को सौंपा गया है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
  - किसी भी वित्तीय वर्ष में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की उक्त योजनाओं का व्यय प्रारंभिक तौर पर PMSSN से लिया जाएगा तथा बाद में सकल बजट सहायता (Gross Budgetary Support- GBS) से प्राप्त किया जाएगा।

Q.234

उत्तर: A

व्याख्या:

- रक्षा अधिग्रहण परिषद तीनों सेनाओं (सेना, नौसेना और वायु सेना) और भारतीय तटरक्षक बल के लिये नई नीतियों तथा पूंजी अधिग्रहण पर निर्णय लेने वाली रक्षा मंत्रालय की सर्वोच्च संस्था है। अत: कथन 1 सही है।
- इस परिषद की अध्यक्षता रक्षा मंत्री (Minister of Defence) द्वारा की जाती है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- इस परिषद का गठन कारगिल युद्ध के बाद वर्ष 2001 में 'नेशनल सिक्योरिटी सिस्टम में सुधार' हेतु मंत्रियों के समूह की सिफारिश पर किया गया था।

Q.235

उत्तर: A

व्याख्या:

- NCC का गठन वर्ष 1948 (हृदयनाथ कूंज़रू समिति, 1946 की सिफारिश पर) में किया गया था और इसकी जड़ें ब्रिटिश युग की 'यूनिवर्सिटेड कॉरपोरेट्स' या 'यूनिवर्सिटी ऑफिसर ट्रेनिंग कॉर्प्स' जैसी वर्दीधारी युवा संस्थाओं में छिपी हुई हैं। अत: कथन 1 सही है।
  - वर्तमान में इसकी क्षमता सेना, नौसेना और वायु सेना के विंग से लगभग 14 लाख कैडेट्स की है।
- NCC रक्षा मंत्रालय के दायरे में आता है और इसका नेतृत्व 'थ्री स्टार' सैन्य रैंक के महानिदेशक द्वारा की जाती है।
  - यह हाईस्कूल और कॉलेज स्तर पर कैडेटों का नामांकन करता है।
    - NCC रक्षा की एक पंक्ति नहीं है। यह एक स्वैच्छिक तीन वर्षीय कार्यक्रम है - जहाँ छात्रों को छोटे हथियारों और परेडों में बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
    - जब कैडेट अपना कोर्स पूरा कर लें तो उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल होना अनिवार्य नहीं होता है।

Q.236

उत्तर: B

व्याख्या:

- राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (Eastern Rajasthan Canal Project- ERCP) को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने की मांग की गई है।
  - इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा मिलने का मुख्य लाभ यह होगा कि परियोजना को पूर्ण करने हेतु 90% राशि केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।
  - ERCP की अनुमानित लागत लगभग 40,000 करोड़ रुपए है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- ERCP का उद्देश्य दक्षिणी राजस्थान में बहने वाली चंबल नदी और उसकी सहायक नदियों (कुन्नू, पार्वती, कालीसिंध) में वर्षा ऋतु के दौरान उपलब्ध अधिशेष जल का उपयोग राज्य के उन दक्षिण-पूर्वी ज़िलों में करना है जहाँ पीने के पानी और सिंचाई हेतु जल का अभाव है। अत: कथन 2 सही है।
  - ERCP को वर्ष 2051 तक पूरा किये जाने की योजना है जिसमें दक्षिणी एवं दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में मानव तथा पशुधन हेतु पीने के पानी तथा औद्योगिक गतिविधियों हेतु पानी की आवश्यकताओं को पूरा किया जाना है।
  - इसमें राजस्थान के 13 ज़िलों में पीने का पानी और 26 विभिन्न बड़ी एवं मध्यम परियोजनाओं के माध्यम से 2.8 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है।
  - 113 ज़िलों में झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, करौली, अलवर, भरतपुर, दौसा और धौलपुर शामिल हैं।

Q.237

उत्तर: A

व्याख्या:

- इंद्र साहनी एवं अन्य बनाम भारत संघ मामले पर अंतिम निर्णय 16 नवंबर, 1992 को दिया गया था।
  - यह नौ न्यायाधीशों का फैसला था जिसने निर्णायक रूप से आरक्षण में 50% सीमा जैसे कई ऐतिहासिक प्रस्ताव रखे।
  - इसे मंडल आयोग मामले के रूप में भी जाना गया।
- इस निर्णय में 'क्रीमी लेयर' की अवधारणा को भी महत्त्व दिया गया और प्रावधान किया गया कि पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण केवल प्रारंभिक नियुक्तियों तक सीमित होना चाहिये और पदोन्नति में आरक्षण नहीं होना चाहिये। अत: कथन 1 सही है।

हालाँकि संविधान के अनुच्छेद 16 (4A) के अनुसार, राज्य को अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति वर्ग के कर्मचारियों की पदोन्नति के मामलों में उस स्थिति में आरक्षण के लिये प्रावधान करने का अधिकार है, यदि राज्य को लगता है कि राज्य के अधीन सेवाओं में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.238

उत्तर: A

व्याख्या:

- भारतीय संविधान की सूची-II (राज्य सूची) के क्रम संख्या-23 में प्रावधान है कि राज्य सरकार को अपनी सीमा के अंदर मौजूद खनिजों पर नियंत्रण रखने का अधिकार है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- सूची-I (केंद्रीय सूची) के क्रमांक-54 में प्रावधान है कि केंद्र सरकार को भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) के भीतर खनिजों पर नियंत्रण रखने का अधिकार है। अत: कथन 1 सही है।
    - उपर्युक्त प्रावधान खान और खनिज (विकास और विनियमन) (MMDR) अधिनियम,1957 का अनुसरण कर बनाया गया था।
- सभी अपतटीय खनिजों (भारतीय समुद्री क्षेत्र में स्थित समुद्र या समुद्र तल से निकाले गए खनिज जैसे- प्रादेशिक जल, महाद्वीपीय शेल्फ और अनन्य आर्थिक क्षेत्र) पर केंद्र सरकार का स्वामित्व है।

प्रश्न.239

उत्तर: D

व्याख्या:

विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम, 2010

- भारत में व्यक्तियों के विदेशी धन को एफसीआरए अधिनियम के तहत विनियमित किया जाता है और गृह मंत्रालय (Ministry of Home Affairs) द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
    - व्यक्तियों को MHA की अनुमति के बिना 25,000 रुपये तक विदेशी योगदान स्वीकार करने की अनुमति है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- इस अधिनियम के तहत संगठनों का पंजीकरण पाँच वर्ष के लिये वैध होता है, लेकिन सभी मानदंडों का पालन करने पर तत्पश्चात् इसे नवीनीकृत किया जा सकता है।

विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2020

- विदेशी योगदान को स्वीकार करने पर प्रतिबंध: अधिनियम लोक सेवकों को विदेशी योगदान प्राप्त करने से रोकता है। लोक सेवक में कोई भी व्यक्ति शामिल होता है जो सरकार की सेवा या भुगतान में होता है या सरकार द्वारा किसी भी सार्वजनिक कर्तव्य को पालन करने के लिये पारिश्रमिक दिया जाता है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- संशोधन के माध्यम से गैर-सरकारी संगठन (NGOs) या विदेशी योगदान प्राप्त करने वाले लोगों और संगठनों के सभी पदाधिकारियों, निदेशकों एवं अन्य प्रमुख अधिकारियों के लिये आधार (Aadhaar) को एक अनिवार्य पहचान दस्तावेज़ बना दिया गया था।
- संशोधन के बाद अब कोई भी व्यक्ति, संगठन या रजिस्टर्ड कंपनी विदेशी अंशदान प्राप्त करने के पश्चात् किसी अन्य संगठन को उस विदेशी योगदान का ट्रांसफर नहीं कर सकती है।
- विदेशी अंशदान केवल स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI), नई दिल्ली की उस शाखा में ही प्राप्त किया जाएगा, जिसे केंद्र सरकार अधिसूचित करेगी।
- अब कोई भी गैर-सरकारी संगठन (NGO) विदेशी अंशदान की 20 प्रतिशत से अधिक राशि का इस्तेमाल प्रशासनिक खर्च पर नहीं कर सकता है।
- ध्यातव्य है कि सरकार द्वारा किये गए इन संशोधनों की राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी आलोचना की गई थी।

प्रश्न:240

उत्तर: (B)

व्याख्या

- हाल ही में केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 से आगामी पाँच वर्ष की अवधि के लिये करों के वितरण पूल में राज्यों की हिस्सेदारी को 41 प्रतिशत तक बनाए रखने से संबंधित 15वें वित्त आयोग की सिफारिश को स्वीकार कर लिया है।
- वर्टिकल हिस्सेदारी (केंद्र और राज्यों के बीच कर की हिस्सेदारी)
    - 15वें वित्त आयोग ने राज्यों की वर्टिकल हिस्सेदारी को 41 प्रतिशत बनाए रखने की सिफारिश की है, जो कि आयोग की वर्ष 2020-21 में दी गई अंतरिम रिपोर्ट के समान है।
        - यह राशि वर्तमान वितरण पूल के 42 प्रतिशत के स्तर के समान ही है, जिसकी सिफारिश 14वें वित्त आयोग द्वारा की गई थी। अत: कथन 1 सही नहीं है।
    - हालाँकि इसमें जम्मू-कश्मीर राज्य की स्थिति में बदलाव के बाद बने नए केंद्रशासित प्रदेशों (लद्दाख और जम्मू-कश्मीर) की स्थिति के मद्देनज़र 1 प्रतिशत का आवश्यक समायोजन भी किया गया है।
- हॉरिजेंटल हिस्सेदारी (राज्यों के बीच कर का विभाजन)
    - राज्यों के बीच कर राजस्व के विभाजन के लिये आयोग ने जो सूत्र प्रस्तुत किया है, उसके मुताबिक राजस्व हिस्सेदारी का निर्धारण करते समय जनसांख्यिकीय प्रदर्शन को 12.5 प्रतिशत, आय के अंतर को 45 प्रतिशत, जनसंख्या और क्षेत्रफल प्रत्येक के लिये 15 प्रतिशत, वन और पारिस्थितिकी के लिये 10 प्रतिशत तथा कर एवं राजकोषीय प्रयासों के लिये 2.5 प्रतिशत भार दिया जाएगा। अत: कथन 2 सही नहीं है।

प्रश्न:241

उत्तर (B)

व्याख्या

- भारत सरकार की मातृत्व लाभ योजना या प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (Pradhan Mantri Matru Vandana Yojana- PMMVY) में वित्त वर्ष 2020 तक 1.75 करोड़ से अधिक पात्र महिलाएँ शामिल हो चुकी हैं।
- PMMVY एक मातृत्व लाभ योजना है जिसे 1 जनवरी, 2017 से देश के सभी ज़िलों में लागू किया गया है। अत: कथन 1 सही नही है।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत् विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals- SDGs) के लक्ष्य 3.1 का उद्देश्य वैश्विक मातृ मृत्यु दर को कम करके 70/100,000 जीवित जन्मों तक करना है।अत: कथन 2 सही है।

Q.242

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री ने संसद को उपभोक्ता कल्याण कोष (Consumer Welfare Fund- CWF) के बारे में सूचित किया है।
- इसे केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (CGST) अधिनियम, 2017 के तहत स्थापित किया गया था। वर्ष 1992 के उपभोक्ता कल्याण कोष नियमों को CGST नियम, 2017 के तहत शामिल कर लिया गया है। अत: कथन 1 सही है।
- यह कोष राजस्व विभाग (वित्त मंत्रालय) द्वारा स्थापित किया गया है और उपभोक्ता मामलों के विभाग (उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय) द्वारा संचालित किया जा रहा है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

प्रश्न.243

उत्तर: C

व्याख्या:

- अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और प्रणाली (Crime & Criminals Tracking Network and Systems-CCTNS) गृह मंत्रालय का वर्ष 2009 में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्लान के तहत स्थापित एक मिशन मोड प्रोजेक्ट है।
    - इसे 6000 उच्च पुलिस कार्यालयों के अलावा पूरे देश में लगभग 14,000 पुलिस स्टेशनों में शुरू करने का प्रस्ताव दिया गया है। अत: कथन 1 सही है।
- इसका मुख्य उद्देश्य पुलिस स्टेशनों और अन्य पुलिस कार्यालयों की कार्यवाहियों को नागरिक अनुकूल, पारदर्शी, जवाबदेह, कुशल और प्रभावी बनाना है।
    - सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से नागरिक केंद्रित सेवाओं के वितरण में सुधार करना।
    - अपराध और अपराधियों की सटीक एवं तीव्र जाँच के लिये जाँच अधिकारियों को आधुनिक उपकरण, तकनीक और जानकारियाँ प्रदान करना। अत: कथन 2 सही है।

Q244

उत्तर: C

Exp:

- केंद्र सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के उप-श्रेणीकरण पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिये रोहिणी आयोग के कार्यकाल को 31 जुलाई, 2021 तक बढ़ा दिया है। अत: कथन 1 सही है।
- रोहिणी आयोग का गठन अक्तूबर 2017 में संविधान के अनुच्छेद-340 के तहत किया गया था। उस समय आयोग को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिये 12 सप्ताह का समय दिया गया था, हालाँकि इसके बाद से कई बार आयोग के कार्यकाल में विस्तार किया जा चुका है।
    - भारतीय संविधान के अनुच्छेद 340 के अनुसार, भारत का राष्ट्रपति सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों की दशाओं की जाँच करने तथा उनकी दशा में सुधार करने से संबंधित सिफारिश प्रदान के लिये एक आदेश के माध्यम से आयोग की नियुक्ति/गठन कर सकता है। अत: कथन 2 सही है।

प्रश्न245

उत्तर: A

व्याख्या:

- SAKSHAM (श्रम शक्ति मंच) जॉब पोर्टल को प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान और मूल्यांकन परिषद (TIFAC) द्वारा शुरू किया गया है। अत: कथन 1 सही है।
- TIFAC का गठन फरवरी 1988 में 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग' के तहत एक स्वायत्त निकाय के रूप में किया गया। यह भारत में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का आकलन करने और महत्त्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में भविष्य के तकनीकी विकास की दिशा निर्धारित करने का कार्य करता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

प्रश्न:246

उत्तर: (D)

व्याख्या

- हाल ही में 'अंतर-राज्य प्रवासी श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के उपाय' संबंधी अपनी रिपोर्ट में श्रम पर संसदीय स्थायी समिति ने अंतर-राज्य प्रवासी मज़दूरों समेत सभी ग्रामीण अकुशल श्रमिकों को स्थायी आजीविका प्रदान करने के लिये 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना (MGNREGS) की प्रशंसा की है।

- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना (MGN-REGS) विश्व में सबसे बड़े रोज़गार गारंटी कार्यक्रमों में से एक है। इसे 2 फरवरी, 2006 को लॉन्च किया गया था।
    - योजना का प्राथमिक उद्देश्य प्रत्येक वित्तीय वर्ष में ग्रामीण परिवार के ऐसे वयस्क सदस्यों को सार्वजनिक अकुशल कार्य के लिये 100 दिनों के रोज़गार की गारंटी देना है।
- कार्य का कानूनी अधिकार
    - पूर्व की रोज़गार गारंटी योजनाओं के विपरीत इस अधिनियम का उद्देश्य अधिकार आधारित ढाँचे के माध्यम से गरीबी जैसे गंभीर विषयों को संबोधित करना है। अत: कथन 1 सही है।
    - इसमें कम-से-कम एक-तिहाई महिला लाभार्थी होना अनिवार्य है।
    - न्यूनतम मज़दूरी अधिनियम, 1948 के तहत राज्य में खेतिहर मज़दूरों के लिये निर्दिष्ट वैधानिक न्यूनतम मज़दूरी के अनुसार, मजदूरी का भुगतान किया जाना चाहिये। अत: कथन 2 सही है।
- मनरेगा के डिज़ाइन का सबसे महत्त्वपूर्ण हिस्सा किसी भी ग्रामीण वयस्क को मांग के 15 दिनों के भीतर काम पाने की कानूनी रूप से समर्थित गारंटी प्रदान करना है, इसमें विफल रहने पर 'बेरोज़गारी भत्ता' दिये जाने का भी प्रावधान है।
    - यह मांग-संचालित योजना श्रमिकों के आत्म-चयन को सक्षम बनाती है।
- कार्यों की योजना बनाने और उन्हें लागू करने में पंचायती राज संस्थानों (PRI) को महत्त्वपूर्ण भूमिका देकर विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया को मज़बूत करने पर ज़ोर दिया गया है।
    - यह अधिनियम ग्राम सभाओं को उन कार्यों की सिफारिश करने के लिये बाध्य करता है जिन्हें किया जाना शेष है, साथ ही कम-से-कम 50% कार्यों को उनके द्वारा निष्पादित किया जाना अनिवार्य है। अत: कथन 3 सही है।

Q.247

उत्तर: A

व्याख्या:

भारतीय मध्यस्थता परिषद

- अनुच्छेद 51 के अनुसार, भारत निम्नलिखित संवैधानिक आदर्शों को पालन करने के लिये प्रतिबद्ध है:
    - संगठित लोगों के एक-दूसरे के प्रति व्यवहार में अंतर्राष्ट्रीय विधि और संधि-बाध्यताओं के प्रति आदर बढ़ाना।
    - अंतर्राष्ट्रीय विवादों के निपटारे के लिये मध्यस्थता को प्रोत्साहित करना। ए.सी.आई. इस संवैधानिक दायित्व की प्राप्ति हेतु एक कदम है।
- मध्यस्थता और सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2019 मध्यस्थता, सुलह तथा अन्य विवादों के निवारण के लिये एक निवारण तंत्र के रूप में भारतीय मध्यस्थता परिषद (Arbitration Council of India) की स्थापना का उद्देश्य रखता है। अत: कथन 1 सही है।
- ACI में एक अध्यक्ष होगा, जिसे:
    - सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश; या
    - उच्च न्यायालय का न्यायाधीश; या
    - उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश; या
    - मध्यस्थता के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाला एक प्रतिष्ठित व्यक्ति होना चाहिये।
- मध्यस्थों की नियुक्ति: इस अधिनियम के अंतर्गत उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय मध्यस्थ संस्थाओं को नामित कर सकते हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
    - सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नामित संस्था की नियुक्ति अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता के लिये की जाएगी।
    - उच्च न्यायालय द्वारा नामित संस्था की नियुक्ति घरेलू मध्यस्थता के लिये की जाएगी।
    - यदि कोई मध्यस्थ संस्था उपलब्ध नहीं हैं तो मध्यस्थ संस्थाओं के कार्यों को करने के लिये संबंधित उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश मध्यस्थों का एक पैनल बना सकता है।
    - मध्यस्थ की नियुक्ति के लिये किये गए आवेदन को 30 दिनों के भीतर निपटाया जाना आवश्यक है।

Q.248

उत्तर: C

व्याख्या:

- भू-स्थानिक डेटा में पृथ्वी की सतह पर मौजूद वस्तुओं, घटनाओं आदि के विषय से संबंधित डेटा शामिल होता है।
    - इस प्रकार का डेटा स्थिर और अस्थिर दोनों वस्तुओं का हो सकता है, जैसे- सड़क का स्थान, भूकंप की घटना, गतिशील वाहन, पैदल यात्री की चाल, संक्रामक रोग का प्रसार आदि।
- हाल ही में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (Ministry of Science and Technology) द्वारा भारत में भू-स्थानिक क्षेत्र (Geo-Spatial Sector) हेतु नए दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं, जो मौजूदा प्रोटोकॉल को निष्क्रिय कर इस क्षेत्र को प्रतिस्पर्द्धी हेतु अधिक उदार बनाते हैं।
- विशेषताएँ:
    - भारत के सभी संस्थाओं को मानचित्रों सहित भू-स्थानिक डेटा (सुरक्षा से संबंधित संवेदनशील डेटाको छोड़कर) और सेवाओं तक खुली पहुँच प्रदान की जाएगी। अत: कथन 1 सही है।

- भारतीय निगम और अन्वेषक अब प्रतिबंधों के अधीन नहीं होंगे और न ही उन्हें भारत की सीमा के भीतर डिजिटल भू-स्थानिक डेटा तथा मैप्स को इकट्ठा करने, तैयार करने, सुरक्षित रखने, प्रकाशित करने एवं अद्यतन आदि से पहले पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता होगी है।
  - उन्हें सुरक्षा मंज़ूरी, लाइसेंस आदि की भी ज़रूरत नहीं होगी। अत: कथन 2 सही है।

Q.249

उत्तर: A

व्याख्या:

- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) ने 'व्हाट्सएप' की तर्ज पर 'संदेश' (Sandes) नामक एक इंस्टेंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। अत: कथन 1 सही है।
  - राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्त्वावधान में यह केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासन को नेटवर्क और ई-गवर्नेंस में सहायता प्रदान करने हेतु एक महत्त्वपूर्ण केंद्र है।
- यह एक 'गवर्नमेंट इंस्टेंट मैसेजिंग सिस्टम' (GIMS) है, जिसे किसी भी सरकारी कर्मचारी या सार्वजनिक उपयोगकर्त्ता द्वारा वैध मोबाइल नंबर/ई-मेल आईडी के माध्यम से आधिकारिक या आकस्मिक स्थिति में इस्तेमाल किया जा सकता है। अत: कथन 2 सही नहीं है

Q.250.

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने 'नर्चरिंग नेबरहुड चैलेंज' प्रतियोगिता के तहत देश के 25 शहरों के चयन की घोषणा की है।
  - यह चैलेंज एक तीन वर्षीय कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य भारतीय शहरों और अन्य भागीदारों के साथ मिलकर सार्वजनिक स्थान, गतिशीलता, पड़ोस योजना, प्रारंभिक बचपन संबंधी सेवाओं और सुविधाओं तक सभी की पहुँच तथा शहरी एजेंसियों के डेटा प्रबंधन में सुधार करने के लिये विभिन्न मानकों एवं तरीकों का समर्थन करना है।
- यह सभी स्मार्ट सिटीज़, 5,00,000 से अधिक आबादी वाले अन्य शहरों, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की राजधानियों के लिये भी उपलब्ध रहेगा।
- इसके तहत चयनित शहरों का प्रस्ताव, तत्परता और प्रतिबद्धता के आधार पर इन्हें छोटे बच्चों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिये तकनीकी समर्थन तथा क्षमता-निर्माण संबंधी प्रायोगिक एवं मानकीकृत समाधान प्रदान किये जाते हैं। अत: कथन 1 सही है।
- सहयोगी संगठन: इसके सहयोगी संगठन हैं- आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय, बर्नार्ड वैन लीर फाउंडेशन (BvLF) और विश्व संसाधन संस्थान (WRI) भारत। अत: कथन 2 सही नहीं है।

प्रश्न:251

उत्तर: B

व्याख्या:

- WASH 'Water, Sanitation and Hygiene का संक्षिप्त रूप है। ये क्षेत्र परस्पर संबंधित हैं। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन की वॉश रणनीति को सदस्य राज्य संकल्प (WHA 64.4) तथा सतत् विकास लक्ष्य-3 (अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण) सतत् विकास लक्ष्य-6 (स्वच्छ जल और स्वच्छता) की अनुक्रिया के रूप में विकसित किया गया है।अत: कथन 2 सही है।
  - यह WHO के 13वें जनरल प्रोग्राम ऑफ वर्क 2019-2023 का एक घटक है जिसका उद्देश्य बेहतर आपातकालीन तैयारियों और प्रतिक्रिया जैसे बहुक्षेत्रीय कार्रवाइयों के माध्यम से तीन बिलियन लोगों तथा यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज़ (UHC) के माध्यम से एक बिलियन लोगों की स्वास्थ्य सुविधा में योगदान करना है।

प्रश्न-252:

उत्तर: B

व्याख्या:

- यूनेस्को (UNESCO) प्रतिवर्ष 21 फरवरी को भाषायी और सांस्कृतिक विविधता तथा बहुभाषावाद के विषय में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिये अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (International Mother Language Day) मनाता है। यूनेस्को द्वारा वर्ष 2018 में चांग्शा (Changsha- चीन) में की गई युलु उद्घोषणा (Yuelu Proclamation) भाषायी संसाधनों और विविधता की रक्षा करने के लिये विश्व के देशों तथा क्षेत्रों के प्रयासों के मार्गदर्शन में एक केंद्रीय भूमिका निभाती है। अत: विकल्प B सही है।

Q.253.

उत्तर: A

व्याख्या:

उजाला योजना (Unnat Jyoti by Affordable LEDs for All):

- उजाला, सरकार द्वारा वर्ष 2015 में शुरू की गई एक 'ज़ीरो-सब्सिडी योजना' है।

- ◆ इसे विश्व की सबसे बड़ी घरेलू प्रकाश परियोजना के रूप में जाना जाता है।
- इसका क्रियान्वयन ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड (Energy Efficiency Services Limited- EESL) द्वारा किया जा रहा है, जो विद्युत मंत्रालय के तहत सार्वजनिक उपक्रमों का एक संयुक्त उद्यम है। अत: कथन 1 सही है।
- इसे एलईडी-आधारित घरेलू कुशल प्रकाश कार्यक्रम (DELP) के रूप में भी जाना जाता है, इसका उद्देश्य सभी के लिये ऊर्जा के कुशल उपयोग (अर्थात् इसकी खपत, बचत और प्रकाश व्यवस्था) को बढ़ावा देना है।
- प्रत्येक परिवार जो संबंधित विद्युत वितरण कंपनी का घरेलू कनेक्शन रखता है, योजना के तहत LED बल्ब प्राप्त करने के लिये पात्र है।
- स्ट्रीट लाइटिंग नेशनल प्रोग्राम (SLNP) कार्यक्रम के तहत EESL नगरपालिकाओं द्वारा किसी भी प्रकार के निवेश के बिना अपनी लागत पर पारंपरिक स्ट्रीट लाइटों को एलईडी से बदल देता है, जिससे EESL द्वारा किया जा रहा यह परिवर्तन अधिक आकर्षक हो जाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q. 254.

उत्तर: C

व्याख्या:

- सामुदायिक वन संसाधनों पर अधिकार (Community Forest Resource Rights-CFR) का आशय ग्राम की परंपरागत सीमाओं के भीतर अथवा चरवाहा समुदायों द्वारा ऋतुगत प्रयोग किये जाने वाले स्थलों पर आदिवासियों तथा OTFDs के अधिकार से है।
- CFR अनुसूचित जनजातियों और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (एफआरए) के तहत प्रदान किये जाते हैं। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - ◆ वन अधिकार अधिनियम (एफआरए), 2006 (Forest Rights Act -FRA, 2006) वनों में निवास करने वाली अनुसूचित जनजाति (FDST) और अन्य परंपरागत वन निवासियों (OTFD) के अधिकारों को मान्यता प्रदान करता है जो कि वर्षों से वन क्षेत्र में निवास कर रहे हैं।
  - ◆ राष्ट्रीय वन नीति, 1988 प्राकृतिक विरासत के रूप में वनों के संरक्षण के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने पर केंद्रित थी।
- ग्राम सभा व्यक्तिगत वन अधिकारों (Individual Forest Rights- IFR) या सामुदायिक वन अधिकारों (Community Forest Rights- CFR) की प्रकृति और सीमा के निर्धारण हेतु प्रक्रिया शुरू करने का अधिकार प्रदान करती है जिसे FDST और OTFD दोनों को दिया जा सकता है। अत: कथन 3 सही है।
- इनमें आरक्षित वन तथा आरक्षित क्षेत्र जैसे- अभयारण्य (Sanctuaries) एवं राष्ट्रीय उद्यान (National Park) शामिल हैं । अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.255 .

उत्तर: C

व्याख्या:

- हाल ही में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने नोएडा हाट में सरस आजीविका मेला, 2021 का उद्घाटन किया।
- यह सामान्य रूप से ग्रामीण भारत और विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं के जीवन को बदलने हेतु एक कार्यक्रम है।
- यह दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के तहत ग्रामीण विकास मंत्रालय के 'लोक कार्यक्रम और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास परिषद' (CAPART) द्वारा आयोजित एक पहल है। अत: कथन 1 सही है।
- इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को एक मंच के तहत लाना है ताकि वे अपने कौशल का प्रदर्शन कर सकें, अपने उत्पादों को बेच सकें और थोक खरीदारों के साथ जुड़ सकें।
  - ◆ सरस आजीविका मेले में भागीदारी के माध्यम से इन ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को शहरी ग्राहकों की मांग और पसंद को समझने के लिये महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय स्तर का विवरण प्राप्त होगा। अत: कथन 2 सही है।

Q.256.

उत्तर: C

व्याख्या:

- बंधुआ मज़दूरी/बलात् श्रम एक प्रथा है जिसमें नियोक्ता द्वारा श्रमिकों को उच्च-ब्याज दर पर ऋण दिया जाता है तथा श्रमिक द्वारा लिये गए कर्ज़ का भुगतान करने हेतु उससे कम मज़दूरी पर कार्य कराया जाता है।
  - ◆ भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बंधुआ मज़दूरी को प्रचलित बाज़ार मज़दूरी (Market Wages) और न्यूनतम कानूनी मज़दूरी (Legal Minimum Wages) से कम दर पर मज़दूरी का भुगतान करने के रूप में परिभाषित किया गया है।
- भारत बलात् श्रम, मानव तस्करी और बाल श्रम को समाप्त करने के सतत् विकास लक्ष्य (लक्ष्य 8.7) के तहत वर्ष 2030 तक आधुनिक दासता को समाप्त करने के लिये प्रतिबद्ध है।
  - ◆ भारत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के 'एबोलिशन ऑफ फोर्स्ड लेबर कन्वेंशन'-1957 (नं. 105) की पुष्टि की गई है। अत: कथन 2 सही है।

- भारत ग्लोबल स्लेवरी इंडेक्स (Global Slavery Index) में अपनी रैंक (वर्ष 2018 में 167 देशों में 53 वाँ) में सुधार करने हेतु प्रतिबद्ध है।
- संवैधानिक प्रावधान:
  - अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार से संबंधित है।
  - अनुच्छेद 23 ज़बरन श्रम/बंधुआ मज़दूरी/बलात् श्रम पर प्रतिबंध लगाता है। अत: कथन 1 सही है।
  - अनुच्छेद 24 कारखानों आदि में बच्चों के रोज़गार (चौदह वर्ष से कम आयु) को प्रतिबंधित करता है।
  - अनुच्छेद 39 श्रमिक पुरुषों और महिलाओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के उद्देश्य से राज्य को निर्देश देता है कि राज्य इस बात को सुनिश्चित करे कि बच्चों की मासूम उम्र के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार न किया जाए और नागरिकों को उनकी आर्थिक आवश्यकता की पूर्ति के लिये आयु या क्षमता के विरुद्ध जाकर कार्य करने को मजबूर नहीं किया जाए।
- बंधुआ श्रम प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम 1976 संपूर्ण देश में लागू है जिसे संबंधित राज्य सरकारों द्वारा लागू किया गया है।
  - यह ज़िला स्तर पर सतर्कता समितियों (Vigilance Committees) के रूप में एक संस्थागत तंत्र (Institutional Mechanism) का प्रावधान करता है।

Q.257.

उत्तर: C

व्याख्या:

- हाल ही में केंद्रीय संचार मंत्रालय ने अवांछित वाणिज्यिक संचार (UCC) की शिकायतों और वित्तीय धोखाधड़ी (विशेष रूप से डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में) के मामलों से निपटने के लिये डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट (DIU) को एक नोडल एजेंसी के रूप में स्थापित करने का निर्णय लिया है। अत: कथन 1 सही है।
- DIU के अलावा सभी 22 लाइसेंस सेवा क्षेत्र स्तरों पर 'टेलीकॉम एनालिटिक्स फॉर फ्रॉड मैनेजमेंट एंड कंज़्युमर प्रोटेक्शन' (TAFCOP) का विकास किया जाएगा।
- यह 'दूरसंचार वाणिज्यिक संचार ग्राहक वरीयता विनियम' (TCCCPR), 2018 का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करेगा, जो भारत में 'अवांछित वाणिज्यिक संचार' (UCC) को विनियमित करने के लिये एक संशोधित नियामक ढाँचा प्रदान करता है। अत: कथन 2 सही है।

Q.258.

उत्तर: B

व्याख्या:

- यूनेस्को (UNESCO) प्रतिवर्ष 21 फरवरी को भाषायी और सांस्कृतिक विविधता तथा बहुभाषावाद के विषय में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिये अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (International Mother Language Day) मनाता है।
- केरल सरकार ने जनजातीय बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाने के लिये नमथ बसई कार्यक्रम (Namath Basai Programme) चलाया है जो बहुत फायदेमंद साबित हुआ है।
- मातृभाषा की सुरक्षा के लिये गूगल की परियोजना नवलेखा (Navlekha) प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है। इस परियोजना का उद्देश्य भारतीय स्थानीय भाषाओं में ऑनलाइन सामग्री की उपलब्धता को बढ़ाना है।

Q.259.

उत्तर: B

व्याख्या:

- इंटर स्टेट माइग्रेंट वर्कर्स एक्ट, 1979 (Inter State Migrant Workers Act, 1979) केवल एक ठेकेदार के माध्यम से पलायन करने वाले मज़दूरों को प्रवासी के रूप में शामिल करता है तथा स्वतंत्र प्रवासियों को छोड़ देता है। अत:कथन 1 सही नहीं है।
- राष्ट्रीय प्रवासी श्रम नीति के मसौदे के अनुसार, प्रवासन को विकास के अभिन्न अंग के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिये तथा सरकार की नीतियाँ प्रवासन में बाधक न होकर आंतरिक प्रवास के अनुकूल होनी चाहिये। अत:कथन 2 सही नहीं है।
- प्रवासन से संबंधित नवीनतम सरकारी डेटा वर्ष 2011 की जनगणना से प्राप्त किये गए हैं। वर्ष 2011 की जनगणना में भारत में प्रवासियों की कुल संख्या 45.6 करोड़ थी (जनसंख्या का 38%), जबकि वर्ष 2001 की जनगणना में प्रवासियों की कुल संख्या 31.5 करोड़ (जनसंख्या का 31%) थी। अत:कथन 3 सही है।

प्रश्न:260

उत्तर: (D)

व्याख्या

- आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MEITY) द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय शहरी डिजिटल मिशन (NUDM) लॉन्च किया गया है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - ये सभी पहलें 'डिजिटल इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने हेतु किये जा रहे प्रयासों में वृद्धि करेंगी।

- राष्ट्रीय शहरी डिजिटल मिशन (NUDM) शहरों और नगरों को समग्र समर्थन प्रदान करने के लिये 'पीपुल्स, प्रोसेस और प्लेटफॉर्म' जैसे तीन स्तंभों पर कार्य करते हुए शहरी भारत के लिये एक साझा डिजिटल बुनियादी ढाँचा विकसित करेगा। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.261.

उत्तर. A

व्याख्या:

- कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (Agriculture Technology Management Agency) एक पंजीकृत संस्था है जो ज़िला स्तर पर प्रौद्योगिकी के प्रसार के लिये उत्तरदायी है। यह अनुसंधान विस्तार और विपणन को एकीकृत करने के लिये एक केंद्र बिंदु है। अत: कथन 1 सही है।
- इसकी शुरुआत वर्ष 2005-06 के दौरान की गई थी। यह केंद्र सरकार द्वारा 90% और राज्य सरकार द्वारा 10% वित्त पोषित है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- उद्देश्य:
    - सार्वजनिक/निजी विस्तार सेवा प्रदाताओं से जुड़े बहु-एजेंसी विस्तार रणनीतियों को प्रोत्साहित करना।
    - कमोडिटी इंटरेस्ट ग्रुप्स के रूप में किसानों की पहचान की ज़रूरतों और आवश्यकताओं के अनुरूप विस्तार के लिये समूह दृष्टिकोण को अपनाना और उन्हें किसान निर्माता संगठन के रूप में समेकित करना।
    - योजना, निष्पादन और कार्यान्वयन में किसान केंद्रित कार्यक्रमों के अभिसरण की सुविधा प्रदान करना।
    - कृषि कार्य में संलग्न महिलाओं को समूहों में संगठित करना और उन्हें प्रशिक्षण प्रदान कर लैंगिक चिंताओं को संबोधित करना।
- लाभार्थी: व्यक्तिगत, सामुदायिक, महिला, किसान/किसान महिला समूह।

Q.262.

उत्तर: (D)

व्याख्या

- प्रधानमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश के छह राज्यों में 'वैश्विक आवासीय प्रौद्योगिकी चुनौती- इंडिया' (GHTC-India) के तहत लाइट हाउस परियोजनाओं (LHPs) की आधारशिला रखी गई है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- जीएचटीसी-इंडिया के हिस्से के रूप में इंदौर (मध्य प्रदेश), राजकोट (गुजरात), चेन्नई (तमिलनाडु), राँची (झारखंड), अगरतला (त्रिपुरा) एवं लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में सभी भौतिक और सामाजिक सुविधाओं के साथ छह लाइट हाउस परियोजनाओं (जिसमे से प्रत्येक में 1000 घर शामिल है) को शुरू किया गया है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
    - इन घरों का निर्माण जीएचटीसी--इंडिया 2019 के तहत चुनी गई 54 प्रौद्योगिकियों में से छह अलग-अलग प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जा रहा है।
    - लाइट हाउस परियोजनाओं (LHPs) के तहत पारंपरिक निर्माण तकनीक की तुलना में त्वरित गति से रहने योग्य घरों का निर्माण किया जाएगा, जो कि अधिक किफायती, टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण होंगे।

Q.263.

उत्तर: (B)

व्याख्या:

- हाल ही में रेलटेल (RailTel) ने शिक्षा मंत्रालय को केंद्र सरकार द्वारा संचालित ग्रामीण स्कूलों को स्मार्ट क्लासेज़ (Smart Classes) से जोड़ने की योजना का प्रस्ताव दिया है।
- रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड एक "मिनी रत्न (श्रेणी-I)" सार्वजनिक उपक्रम है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह एक ICT यानी सूचना एवं संचार प्रदाता है तथा देश के सबसे बड़े न्यूट्रल दूरसंचार इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाताओं में से एक है। रेलटेल के पास पूरे भारत में रेलवे ट्रैक के साथ ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क है।
- इसे भारत सरकार की विभिन्न मिशन-मोड परियोजनाओं जैसे- राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क, भारत नेट और उत्तर-पूर्व भारत में USOF (यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड) द्वारा वित्तपोषित ऑप्टिकल फाइबर आधारित कनेक्टिविटी परियोजना के कार्यान्वयन हेतु चुना गया है। अत: कथन 2 सही है।

Q 264.

उत्तर: C

व्याख्या:

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960:

- इस अधिनियम का विधायी उद्देश्य 'अनावश्यक सज़ा या जानवरों के उत्पीड़न की प्रवृत्ति' को रोकना है।
    - भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (Animal Welfare Board of India- AWBI) की स्थापना वर्ष 1962 में अधिनियम की धारा 4 के तहत की गई थी। अत: कथन 1 सही है।
    - इस अधिनियम में अनावश्यक क्रूरता और जानवरों का उत्पीड़न करने पर सज़ा का प्रावधान है। यह अधिनियम जानवरों और जानवरों के विभिन्न प्रकारों को परिभाषित करता है।
    - अधिनियम जानवरों के साथ हुए क्रूरता और हत्या के विभिन्न रूपों की चर्चा करता है, अगर जानवरों के साथ किसी भी प्रकार की क्रूरता की घटना घटित होती है, तो यह अधिनियम राहत प्रदान करता है।

- वैज्ञानिक उद्देश्य हेतु जानवरों के इस्तेमाल करने से संबंधित दिशा-निर्देश जारी करना। अत: कथन 2 सही है।
- इस अधिनियम के तहत प्रदर्शनी में हिस्सा लेने वाले जानवरों और उनके विरुद्ध किये जाने वाले अपराधों से संबंधित प्रावधानों को शामिल किया गया है।

Q.265.

उत्तर.B

व्याख्या:

- रेल मंत्रालय ने रेलवे के माल ढुलाई व्यवसाय को बढ़ावा देने तथा इसके विकास के लिये माल ढुलाई व्यवसाय विकास पोर्टल (Freight Business Development Portal) नामक एक विशेष पोर्टल लॉन्च किया है।
- पूर्वी समर्पित माल गलियारा या ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (EDFC) पंजाब में साहनेवाल (लुधियाना) से शुरू होकर पश्चिम बंगाल के दनकुनी में समाप्त होता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (EDFC) के मार्ग में कोयला खदानें, थर्मल पावर प्लांट और औद्योगिक शहर मौजूद हैं।
  - इसके मार्ग में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल आदि राज्य शामिल हैं।
  - इस परियोजना का अधिकांश हिस्सा विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित है।
- 1504 किलोमीटर लंबा पश्चिमी समर्पित माल गलियारा या वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (महाराष्ट्र) से दादरी (उत्तर प्रदेश) तक है और यह देश के प्रमुख बंदरगाहों से होकर गुज़रता है। अत: कथन 2 सही है।
  - इसमें हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश शामिल हैं।
  - यह जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (JICA) द्वारा वित्तपोषित है।

Q.266.

उत्तर.C

व्याख्या:

हाल ही में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग (Rastriya Kamdhenu Aayog- RKA) ने गायों के महत्त्व के बारे में लोगों के बीच "रुचि पैदा करने" के उद्देश्य से 'कामधेनु गौ-विज्ञान प्रचार-प्रसार परीक्षा' और गोजातीय प्रजातियों के बारे में उन्हें "जागरूक और शिक्षित" करने की घोषणा की है।

- राष्ट्रीय कामधेनु आयोग गायों के संरक्षण के लिये स्थापित पशुपालन और डेयरी विभाग के अंतर्गत एक एजेंसी है।
- राष्ट्रीय कामधेनु आयोग (RKA) का गठन भारत सरकार द्वारा आधुनिक और वैज्ञानिक तर्ज पर पशुपालन का आयोजन करने और नस्लों के संरक्षण गायों और उनकी संतान के संरक्षण, पालन, सुरक्षा तथा विकास एवं पशु विकास कार्यक्रमों के लिये दिशा-निर्देश देने हेतु किया गया है। अत: कथन 1 सही है।
  - देश में मवेशियों की 50 और भैंसों की 17 अच्छी नस्लें पाई जाती हैं।
- RKA नीतियों को तैयार करने और मवेशियों से संबंधित योजनाओं के कार्यान्वयन के लिये दिशा-निर्देश प्रदान करने हेतु एक उच्च अधिकार प्राप्त स्थायी निकाय है जो छोटे और सीमांत किसानों, महिलाओं तथा युवा उद्यमियों की आजीविका पर अधिक ज़ोर देता है।
- यह राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अभिन्न अंग के रूप में कार्य करता है। अत: कथन 2 सही है।
  - राष्ट्रीय गोकुल मिशन को प्रजनन क्षेत्र में चयनात्मक प्रजनन और वर्ग रहित गोजातीय आबादी आदि के आनुवंशिक उन्नयन के ज़रिये देशी नस्लों के विकास और संरक्षण के लिये 2025 करोड़ रुपए परिव्यय के साथ दिसंबर, 2014 में शुरू किया गया था।

Q.267.

उत्तर: D

व्याख्या:

- खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र संघ के तहत की गई थी, यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है। अत: कथन 1 सही है।
- प्रत्येक वर्ष विश्व में 16 अक्तूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। FAO की स्थापना की वर्षगाँठ की याद में यह दिवस मनाया जाता है।
  - भारत ने FAO (16 अक्तूबर, 2020) की 75वीं वर्षगाँठ को चिह्नित करने के लिये 75 रुपए का स्मारक सिक्का जारी किया।
- यह संयुक्त राष्ट्र के खाद्य सहायता संगठनों में से एक है जो रोम (इटली) में स्थित है। इसके अलावा विश्व खाद्य कार्यक्रम और कृषि विकास के लिये अंतर्राष्ट्रीय कोष (IFAD) भी इसमें शामिल हैं।
- FAO और WHO के खाद्य मानक कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के मामलों के संबंध में कोडेक्स एलेमेंट्रिस आयोग (CAC) उत्तरदायी निकाय है। अत: कथन 2 सही है।
- विश्व की कृषि विरासत प्रणालियों की सुरक्षा और समर्थन के लिये FAO द्वारा विश्व स्तरीय महत्त्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली (GIAHS) की शुरुआत की गई थी। अत: कथन 3 सही है।

प्रश्न:268

उत्तर: (B)

व्याख्या

- भारत के विकास में प्रवासी भारतीयों के योगदान को चिह्नित करने के लिये प्रतिवर्ष 9 जनवरी को 'प्रवासी भारतीय दिवस' का आयोजन किया जाता है।
  - ज्ञात हो कि इसी दिन वर्ष 1915 में महात्मा गांधी, जिन्हें भारत का सबसे महान प्रवासी माना जाता है, दक्षिण अफ्रीका से वापस भारत लौटे थे और उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्त्व किया तथा भारतीयों के जीवन को सदैव के लिये बदल दिया। अत: कथन 1 सही है।
- इस अवसर पर विदेश मंत्रालय और विभिन्न देशों में मौजूद भारतीय दूतावासों में अलग-अलग कार्यक्रम जैसे- प्रवासी भारतीय दिवस (PBD) सम्मेलन, प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार और 'भारत को जानिये' क्विज़ आदि का आयोजन किया जाता है।
  - प्रवासी भारतीय दिवस (PBD) सम्मेलन प्रत्येक दो वर्ष में आयोजित किया जाता है।
- प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार:
  - यह गैर-निवासी भारतीयों, भारतीय मूल के व्यक्तियों अथवा उनके द्वारा स्थापित व संचालित ऐसे संगठन या संस्थानों को प्रदान किये जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है, जिन्होंने विदेशों में भारत के प्रति बेहतर समझ विकसित करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया हो तथा सामुदायिक कार्य, स्थानीय भारतीय समुदाय का कल्याण, परोपकारी और धर्मार्थ कार्य, आदि के कारणों और चिंताओं को मूर्त रूप प्रदान करने में सहयोग दिया हो। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के दौरान भारत के राष्ट्रपति की उपस्थिति में चुनिंदा भारतीय प्रवासियों को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।
  - वर्ष 2021 के पुरस्कार विजेता: यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले लोगों में सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी, कुराकाओ के प्रधानमंत्री यूजीन रघुनाथ और न्यूज़ीलैंड की मंत्री प्रियंका राधाकृष्णन शामिल हैं।

Q.269

उत्तर: C

व्याख्या:

- केंद्र सरकार ने कोयला क्षेत्र के लिये एक नए ऑनलाइन एकल खिड़की निकासी पोर्टल (Single Window Clearance Portal) की घोषणा की है।
  - वर्ष 2025 तक भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में कोयला क्षेत्र सबसे बड़ा योगदानकर्त्ता हो सकता है।
  - उल्लेखनीय है कि भारत के पास विश्व का चौथा सबसे बड़ा कोयला भंडार है फिर भी यह कोयले का आयात करता है।
  - वाणिज्यिक खनन नीलामी की अगली किश्त को जनवरी 2021 में लॉन्च किया जाएगा।
- कोयला क्षेत्र में हालिया पहल:
  - देश में कोयले की गुणवत्ता की निगरानी के लिये केंद्रीय कोयला मंत्रालय द्वारा अप्रैल 2018 में 'उत्तम' (Unlocking Transparency by Third Party Assessment of Mined Coal-UTTAM) एप लॉन्च किया है। इसलिए, कथन 1 सही है।
  - केंद्रीय कोयला मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017 में 'शक्ति' (भारत में पारदर्शी ढंग से कोयले के दोहन एवं आवंटन की योजना) को लॉन्च किया गया था, इसका उद्देश्य बिजली क्षेत्र के लिये पारदर्शी तरीके से भविष्य के कोयला लिंकेज के आवंटन को सुनिश्चित करना है। इसलिए, कथन 2 सही है।
  - परिवेश (PARIVESH) पोर्टल को वन और पर्यावरण संबंधी मंजूरी के लिये इस एकल खिड़की निकासी तंत्र में विलय कर दिया जाएगा, जिससे नीलाम होने वाले कोयला ब्लॉक के परिचालन में मदद मिलने की उम्मीद है।
    - परिवेश एक वेब-आधारित एप्लीकेशन है, जिसे प्रस्तुत प्रस्तावों की मंज़ूरी के लिये केंद्र, राज्य और ज़िला स्तर के अधिकारियों से विभिन्न प्रकार की स्वीकृतियों (पर्यावरण, वन, वन्यजीव और तटीय विनियमन क्षेत्र -Coastal Regulation Zone) को ऑनलाइन सुनिश्चित करने हेतु विकसित किया गया है।

Q.270.

उत्तर: A

व्याख्या:

- यह योजना किसानों को फसल की विफलता (खराब होने) की स्थिति में एक व्यापक बीमा कवर प्रदान करती है, जिससे किसानों की आय को स्थिर करने में मदद मिलती है।
- दायरा (Scope): सभी खाद्य और तिलहनी फसलें तथा वार्षिक वाणिज्यिक/बागवानी फसलें जिनके लिये पिछली उपज के आँकड़े उपलब्ध हैं। अत: कथन 1 सही है।
- बीमा किस्त: इस योजना के तहत किसानों द्वारा देय निर्धारित बीमा किस्त/प्रीमियम खरीफ की सभी फसलों के लिये 2% और सभी रबी फसलों के लिये 1.5% है। वार्षिक वाणिज्यिक और बागवानी फसलों के मामले में बीमा किस्त 5% है।

- किसान की देयता के बाद बची बीमा किस्त की लागत का वहन राज्यों और केंद्र सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप बराबर साझा किया जाता है।
- हालाँकि, पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में केंद्र सरकार द्वारा इस योजना के तहत बीमा किस्त सब्सिडी का 90% हिस्सा वहन किया गया। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- अधिसूचित फसलों हेतु फसल ऋण/किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खाते में ऋण लेने वाले किसानों के लिये इस योजना को अनिवार्य बनाया गया है, जबकि अन्य किसान स्वेच्छा से इस योजना से जुड़ सकते हैं।

Q.271

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में सुरक्षा मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति (CCS) ने भारतीय वायु सेना के लिये 48,000 करोड़ रुपए की लागत के 83 तेजस 'हल्के लड़ाकू विमानों' (Light Combat Aircraft-LCA) के अधिग्रहण की मंज़ूरी दे दी है।
- CCS की अध्यक्षता भारत का प्रधानमंत्री करता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- महत्त्वपूर्ण नियुक्तियों, राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों, भारत के रक्षा व्यय के संबंध में प्रमुख फैसले सुरक्षा मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति (CCS) द्वारा लिये जाते हैं। अत: कथन 2 सही है।

Q.272

उत्तर: A

व्याख्या:

- इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम:
  - उद्देश्य: इसका उद्देश्य पेट्रोल के साथ इथेनॉल को मिश्रित करना है, ताकि इसे जैव ईंधन की श्रेणी में लाया जा सके। इसके परिणामस्वरूप ईंधन आयात में कटौती तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी के चलते लाखों डॉलर की बचत होगी।
  - लक्ष्य: वर्ष 2025 तक इथेनॉल के सम्मिश्रण को पेट्रोल में 20% तक बढ़ाना। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- प्रधानमंत्री जी-वन योजना, 2019 (Pradhan Mantri JI-VAN Yojana, 2019): इस योजना का उद्देश्य दूसरी पीढ़ी (2G) के इथेनॉल उत्पादन हेतु वाणिज्यिक परियोजनाओं की स्थापना के लिये एक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना और इस क्षेत्र में अनुसंधान तथा विकास को बढ़ावा देना है। अत: कथन 1 सही है।
- राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति-2018: इस नीति में 'आधारभूत जैव ईंधनों' यानी पहली पीढ़ी (1जी) के बायोइथेनॉल और बायोडीज़ल तथा 'विकसित जैव ईंधनों' यानी दूसरी पीढ़ी (2जी) के इथेनॉल, निगम के ठोस कचरे (एमएसडब्ल्यू) से लेकर ड्रॉप-इन ईंधन, तीसरी पीढ़ी (3जी) के जैव ईंधन, बायो CNG आदि को श्रेणीबद्ध किया गया है, ताकि प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत उचित वित्तीय और आर्थिक प्रोत्साहन बढ़ाया जा सके।

Q.273 :

उत्तर: C

व्याख्या:

- भारतीय रेल वित्त निगम भारतीय रेलवे की एक सहायक कंपनी है जो कि भारतीय रेलवे की एक समर्पित बाज़ार उधार शाखा भी है। अत: कथन 1 सही है।
- यह रोलिंग स्टॉक (Rolling Stock) परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के वित्तपोषण के लिये एक वित्तीय लीज़िंग मॉडल का अनुसरण करता है, जिसमें लोकोमोटिव, कोच, वैगन्स, ट्रक, फ्लैट, इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट, कंटेनर, क्रेन, ट्रॉली आदि शामिल हैं।.
- यह भारतीय रेलवे की क्षमता वृद्धि में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो अपने वार्षिक योजना परिव्यय के बहुमत के अनुपात में वित्तपोषण करके दीर्घकालिक व्यापार सुगमता सुनिश्चित करता है।
- यह रेलवे अवसंरचना परिसंपत्तियों और भारत सरकार की राष्ट्रीय परियोजनाओं (परियोजना परिसंपत्तियों) को पट्टे पर देने और रेल मंत्रालय के तहत अन्य संस्थाओं को ऋण देने में भी सक्षम है। अत: कथन 2 सही है।

Q.274

उत्तर: B

व्याख्या:

संविधान के तहत ऋण हेतु प्रावधान:

- केंद्र और राज्यों द्वारा ऋण लेना: भारत के संविधान के भाग XII में अध्याय II ऋण से संबंधित है। अनुच्छेद 292 में केंद्र सरकार और अनुच्छेद 293 में राज्यों द्वारा ऋण लिये जाने संबंधी प्रावधान हैं।
- राज्य विधानसभाओं को सशक्त बनाना: अनुच्छेद 293 (1) राज्य विधानमंडलों को राज्य की कार्यकारी शक्तियों को ऋण लेने और गारंटी देने में सक्षम बनाने या उनकी शक्ति को सीमित करने के लिये कानूनी अधिकार प्रदान करता है।
- केंद्र की सहमति: अनुच्छेद 293 की धारा (3) और (4) के तहत ऐसे मामलों में जहाँ राज्य सरकारों द्वारा केंद्र से लिये गए ऋण बकाया का भुगतान किया जाना हो, उस स्थिति में नए ऋण प्राप्त करने के लिये केंद्र की सहमति प्राप्त करने की आवश्यकता होती है और ऐसी सहमति शर्तों के अधीन दी जा सकती है। अत: कथन 2 सही है।

- संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची 1 की प्रविष्टि 37 के तहत केवल केंद्र को विदेशी ऋण लेने की शक्ति प्राप्त है। अत: कथन 1 सही नहीं है।

प्रश्न:275

उत्तर: (C)

व्याख्या

- हाल ही में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय ने प्रवासी श्रमिकों के लिये राज्य और राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के निर्माण को सुचारु बनाने के लिये एक राष्ट्रीय प्रवासन सहायता पोर्टल- 'श्रमशक्ति' शुरू किया है।
- उद्देश्य: इस पोर्टल की शुरुआत आदिवासी प्रवासी श्रमिकों से संबंधित डेटा एकत्र करने और उस डेटा को मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के लिये की गई है। अत: कथन 1 सही है।
- यह एक बाज़ार आधारित आदिवासी उद्यमिता विकास कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य आदिवासी स्वयं सहायता समूहों (SHGs) का क्लस्टर बनाना और उन्हें जनजातीय उत्पादक कंपनियों के रूप में विकसित करना है। अत: कथन 2 सही है।

Q.276

उत्तर: C

व्याख्या

- पारगमन उन्मुख विकास (Transit Oriented Development) की अवधारणा पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (New Delhi Railway Station- NDLS) का पुनर्विकास किया जाना NCR में इस प्रकार की पहली परियोजना है।
    - अनुमोदन का प्राधिकार: यह परियोजना रेल भूमि विकास प्राधिकरण (Rail Land Development Authority- RLDA) द्वारा अनुमोदित है । अत: कथन 2 सही है।
- RLDA रेल मंत्रालय के अधीन एक वैधानिक/सांविधिक निकाय है। इस प्राधिकरण का कार्य खाली पड़ी रेलवे भूमि पर विकास कार्य करना है। अत: कथन 1 सही है।
    - पारगमन-उन्मुख विकास का आशय भूमि उपयोग और परिवहन की योजना को एकीकृत करना है। इसका उद्देश्य अत्यधिक जनसंख्या घनत्व वाले शहरों को योजनाबद्ध तरीके से धारणीय शहरी विकास केंद्रों के रूप में विकसित करना है।

Q.277

उत्तर: A

व्याख्या:

- साइबर हमला किसी कंप्यूटर और कंप्यूटर नेटवर्क के अनधिकृत उपयोग तथा उसे उजागर करने, बदलने, अक्षम करने, नष्ट करने, चोरी करने या उस तक अनधिकृत पहुँच प्राप्त करने का प्रयास है।
- साइबर हमला किसी भी प्रकार की ऐसी आक्रामक युक्ति है जो कंप्यूटर सूचना प्रणाली, इन्फ्रास्ट्रक्चर, कंप्यूटर नेटवर्क या व्यक्तिगत कंप्यूटर उपकरणों को लक्षित करती है।

साइबर हमले के तरीके-

- फिशिंग या स्पूफिंग हमले:
    - स्पूफिंग में हमलावर अपनी असल पहचान को छिपाकर खुद को एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में प्रस्तुत करते हैं अर्थात् वह वैध उपयोगकर्त्ता की पहचान का उपयोग करने की कोशिश करता है। फिशिंग वह प्रक्रिया है जिसमें कोई व्यक्ति उपयोगकर्त्ता की संवेदनशील जानकारी जैसे- बैंक खाता विवरण आदि को चुराता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- मैलवेयर या स्पाइवेयर:
    - स्पाइवेयर एक प्रकार का मैलवेयर है जो डिज़िटल डिवाइस जैसे- कंप्यूटर, मोबाइल, टेबलेट आदि से गुप्त एवं निजी जानकारियाँ चुराता है। यह जीमेल अकाउंट, बैंक डिटेल्स, सोशल मीडिया से लेकर टेक्स्ट मैसेज जैसी गतिविधियों पर नज़र रखता है एवं वहाँ से डेटा चोरी कर अपने ऑपरेटर तक पहुँचाता है।
- सिम स्वैप (SIM Swap):
    - इसमें मूल सिम का एक क्लोन बनाकर मूल सिम को अमान्य कर दिया जाता है और डुप्लिकेट सिम का उपयोग उपयोगकर्त्ता के ऑनलाइन बैंक खाते से धनराशि स्थानांतरित करने के लिये किया जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय तंत्र:

- अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU): यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो दूरसंचार और साइबर सुरक्षा मुद्दों के मानकीकरण तथा विकास में अग्रणी भूमिका निभाती है। अत: कथन 2 सही है।
- साइबर अपराध पर बुडापेस्ट अभिसमय: बुडापेस्ट कन्वेंशन साइबर क्राइम पर एक कन्वेंशन है, जिसे साइबर अपराध पर बुडापेस्ट कन्वेंशन या बुडापेस्ट कन्वेंशन के नाम से जाना जाता है।

- यह अपनी तरह की पहली ऐसी अंतर्राष्ट्रीय संधि है जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय कानूनों को सुव्यवस्थित कर जाँच-पड़ताल की तकनीकों में सुधार करने तथा इस संबंध में विश्व के अन्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने हेतु इंटरनेट और कंप्यूटर अपराधों पर रोक लगाने की मांग की गई है। यह 1 जुलाई, 2004 को लागू हुआ। भारत इस सम्मेलन का हस्ताक्षरकर्त्ता नहीं है। अत: कथन 3 सही है।
- इंटरनेट गवर्नेंस फोरम (IGF): यह इंटरनेट गवर्नेंस डिबेट पर सभी हितधारकों यानी सरकार, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को एक साथ लाता है।

प्रश्न:278

उत्तर: A

व्याख्या:

- कोविड-19 प्रदर्शन सूचकांक को सिडनी स्थित लोवी संस्थान (Sydney-based Lowy Institute) जो कि एक ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक है, द्वारा संकलित किया गया है। इस सूचकांक में महामारी के प्रति देशों की प्रतिक्रिया को मापा गया। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- इसमें 98 देशों का आकलन किया गया।
  - चीन को अध्ययन में शामिल नहीं किया गया क्योंकि इसकी सभी परीक्षण दर (Testing Rates) सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं हैं।
- कोविड-19 प्रदर्शन सूचकांक में भारत 98 देशों में 86वें स्थान पर रहा।
- सूचकांक में बेहतर प्रदर्शन करने वाले देश: न्यूज़ीलैंड रैंकिंग में शीर्ष पर है। इसके बाद वियतनाम, ताइवान, थाईलैंड और साइप्रस का स्थान है। अत: कथन 2 सही है।
- सूचकांक में निम्न प्रदर्शन करने वाले देश: ब्राज़ील सूचकांक में सबसे नीचे रहा। अमेरिका पांचवाँ सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला देश था जो 98 में से 94वें स्थान पर रहा।

Q.279

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और 2021-22 की बजट घोषणाओं के अनुरूप प्रौढ़ शिक्षा के सभी पहलुओं को कवर करने हेतु वर्ष 2022-2027 की अवधि के लिये "नव भारत साक्षरता कार्यक्रम" को मंज़ूरी दी है। अत: कथन 1 और 2 सही हैं।
- नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य:
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल आधारभूत साक्षरता और अंकगणित की शिक्षा प्रदान करना है बल्कि उन अन्य घटकों को भी शामिल करना है जो 21वीं सदी के नागरिकों के लिये आवश्यक हैं। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- अन्य घटकों में शामिल हैं:
  - महत्त्वपूर्ण जीवन कौशल (वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, वाणिज्यिक कौशल, स्वास्थ्य देखभाल और जागरूकता, बाल देखभाल एवं शिक्षा, तथा परिवार कल्याण आदि)।
  - व्यावसायिक कौशल विकास (स्थानीय रोज़गार प्राप्त करने की दृष्टि से)।
  - बुनियादी शिक्षा (प्रारंभिक, मध्य और माध्यमिक स्तर की समकक्षता सहित)।
  - सतत् शिक्षा (कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, संस्कृति, खेल और मनोरंजन में समग्र वयस्क शिक्षा पाठ्यक्रम, साथ ही स्थानीय शिक्षार्थियों हेतु रुचि के अन्य विषयों का उपयोग जैसे महत्त्वपूर्ण जीवन कौशल पर अधिक उन्नत सामग्री सहित)।

Q.280

उत्तर: C

व्याख्या:

- भारत ने संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी अभिसमय, 1951 पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं, जो शरणार्थी संरक्षण से संबंधित प्रमुख कानूनी दस्तावेज़ है। अत: कथन 1 सही है।
- भारत में शरणार्थियों की बढ़ती संख्या के बावजूद, शरणार्थियों की समस्या के समाधान के लिये विशिष्ट कानून का अभाव है।
  - राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग बनाम स्टेट ऑफ अरुणाचल प्रदेश (1996) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि "सभी अधिकार नागरिकों के लिये उपलब्ध हैं, जबकि विदेशी नागरिकों सहित सभी व्यक्तियों को समानता का अधिकार और जीवन का अधिकार उपलब्ध हैं।"
- शरणार्थी और शरण चाहने वाले व्यक्ति संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), अनुच्छेद 20 (अपराधों की सज़ा के संबंध में संरक्षण) और अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) के तहत अधिकारों के हकदार हैं।अत: कथन 2 सही है।

Q.281

उत्तर: B

व्याख्या:

प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR):

- प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) एक लिखित दस्तावेज़ है जो पुलिस द्वारा तब तैयार की जाती है जब उसे किसी संज्ञेय अपराध के बारे में सूचना प्राप्त होती है।
- FIR शब्द भारतीय दंड संहिता (IPC), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (CrPC), 1973 या किसी अन्य कानून में परिभाषित नहीं है। अत: कथन 1 सही नहीं है।

- हालाँकि पुलिस नियमों या कानूनों में सीआरपीसी की धारा 154 के तहत दर्ज की गई जानकारी को प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) के रूप में जाना जाता है।
- FIR के तीन महत्त्वपूर्ण तत्त्व हैं:
  - जानकारी एक संज्ञेय अपराध से संबंधित होनी चाहिये।
  - यह सुचना लिखित या मौखिक रूप में थाने के प्रमुख को दी जानी चाहिये।
  - इसे मुखबिर द्वारा लिखा और हस्ताक्षरित किया जाना चाहिये और इसके प्रमुख बिंदुओं को दैनिक डायरी में दर्ज किया जाना चाहिये।

ज़ीरो एफआईआर का अर्थ:

- जब एक पुलिस स्टेशन को किसी अन्य पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में किये गए कथित अपराध के विषय में शिकायत प्राप्त होती है, तो यह एक प्राथमिकी दर्ज करता है और फिर आगे की जाँच के लिये उसे संबंधित पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर देता है।
  - इसी प्रकार की प्राथमिकी को 'ज़ीरो एफआईआर' कहा जाता है।
- इसमें एफआईआर को कोई नियमित नंबर नहीं दिया जाता है। 'ज़ीरो एफआईआर' मिलने के बाद संबंधित थाने की पुलिस नई एफआईआर दर्ज कर जाँच शुरू देती है। अत: कथन 2 सही है।

Q.282

उत्तर: C

व्याख्या

- नीति के तहत सरकार उत्पादन हेतु विशिष्ट विनिर्माण क्षेत्र स्थापित करने की पेशकश कर रही है, प्राथमिकता के आधार पर ISTS (इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम) से कनेक्टिविटी और जून 2025 से पहले उत्पादन सुविधा चालू होने पर 25 वर्ष के लिये मुफ्त ट्रांसमिशन की पेशकश की गई है। अत: कथन 1 सही है।
  - इसका मतलब यह है कि हरित हाइड्रोजन उत्पादक असम में एक हरित हाइड्रोजन संयंत्र को नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति करने हेतु राजस्थान में एक सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने में सक्षम होंगे और उसे किसी भी 'अंतर-राज्यीय संचरण शुल्क' का भुगतान नहीं करना होगा।
  - इसके अलावा उत्पादकों को शिपिंग द्वारा निर्यात के लिये हरित अमोनिया के भंडारण हेतु बंदरगाहों के पास बंकर स्थापित करने की अनुमति होगी। अत: कथन 2 सही है।
- उत्पादन लक्ष्य भी वर्ष 2030 तक 10 लाख टन से 5 मिलियन टन तक पाँच गुना बढ़ा दिया गया है।
  - अक्तूबर, 2021 में यह घोषणा की गई थी कि भारत प्रारंभ में वर्ष 2030 तक लगभग 1 मिलियन टन वार्षिक हरित हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य बना रहा है।
- ग्रीन हाइड्रोजन और अमोनिया के विनिर्माताओं को पावर एक्सचेंज से नवीकरणीय ऊर्जा खरीदने या स्वयं या किसी अन्य डेवलपर के माध्यम से कहीं भी नवीकरणीय ऊर्जा (RE) क्षमता स्थापित करने की अनुमति है।
- इसके अलावा यह उत्पादकों को डिस्कॉम (बिजली वितरण कंपनियों) द्वारा उत्पन्न किसी भी अधिशेष नवीकरणीय ऊर्जा को 30 दिनों तक के लिये भंडारित करने और आवश्यकतानुसार इसका उपयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।
- डिस्कॉम हरित हाइड्रोजन उत्पादकों को आपूर्ति के लिये अक्षय ऊर्जा की खरीद भी कर सकता है, लेकिन वह रियायती दर पर ही ऐसा कर सकता है, जिसमें नई नीति के तहत राज्य आयोग द्वारा निर्धारित केवल खरीद की लागत, व्हीलिंग शुल्क और एक छोटा सा मार्जिन शामिल होगा।
  - इस तरह की खरीद की गणना राज्य के नवीनीकरण खरीद दायित्व (RPO) में की जाएगी, जिसके तहत नवीनीकरण ऊर्जा स्रोतों से अपनी आवश्यकताओं का एक निश्चित अनुपात प्राप्त करना आवश्यक है।
- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा व्यापार सुगमता के लिये समयबद्ध वैधानिक मंज़ूरी सहित सभी गतिविधियों हेतु एक एकल पोर्टल स्थापित किया जाएगा।

प्रश्न 283:

उत्तर: B

व्याख्या

- हाल ही में प्रधानमंत्री ने समग्र भारत में खेतों में कीटनाशकों का छिड़काव करने हेतु 100 किसान ड्रोन की शुरुआत की है।
  - उन्होंने भारत में रासायनिक मुक्त खेती को बढ़ावा देने के लिये 'ड्रोन किसान यात्रा' की भी शुरुआत की। अत: कथन 1 सही है।
- किसान ड्रोन में कीटनाशकों और पोषक तत्त्वों से भरा एक मानवरहित टैंक होता है।
- ड्रोन में लगभग 5 से 10 किलोग्राम की उच्च क्षमता मौजूद होती है।
- ड्रोन द्वारा सिर्फ 15 मिनट में करीब एक एकड़ ज़मीन पर 5 से 10 किलोग्राम कीटनाशक का छिड़काव किया जा सकेगा।
  - इससे समय की बचत होगी, कम मेहनत में छिड़काव समान रूप से किया जाएगा। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- उनका उपयोग खेतों से सब्जियों, फल, मछली आदि को बाज़ारों तक ले जाने के लिये भी किया जाएगा।
  - इन वस्तुओं की आपूर्ति कम-से-कम नुकसान के साथ सीधे बाज़ार में की जाएगी जिसमें कम समय लगेगा, परिणामस्वरूप किसानों और मछुआरों को अधिक लाभ होगा।

- देश में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये किसान ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा।
- फसल मूल्यांकन, भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण, कीटनाशकों और पोषक तत्त्वों के छिड़काव के लिये किसान ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।
- यह एक नई बढ़त क्रांति की शुरुआत करेगा क्योंकि उच्च क्षमता वाले ड्रोन का उपयोग सब्जियों, फलों, मछलियों को सीधे खेतों से बाज़ार तक ले जाने के लिये किया जाएगा।
- भारत में ड्रोन बाज़ार के विकास से युवाओं के लिये रोज़गार के नए अवसर उत्पन्न होंगे।

Q.284

उत्तर: C

व्याख्या:

बैंगनी क्रांति:

- परिचय:
    - बैंगनी या लैवेंडर क्रांति 2016 में केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) अरोमा मिशन के माध्यम से शुरू की गई थी। अत: कथन 1 सही है।
    - जम्मू और कश्मीर के लगभग सभी 20 ज़िलों में लैवेंडर की खेती की जाती है।
    - मिशन के तहत पहली बार लैवेंडर के पौधे मुफ्त में दिये गए, जबकि इससे पहले लैवेंडर की खेती करने वाले किसानों से 5-6 रुपए प्रति पौधा लिया जाता था। अत: कथन 2 सही है।
- उद्देश्य:
    - आयातित सुगंधित तेलों से घरेलू किस्मों की ओर बढ़ते हुए घरेलू सुगंधित फसल आधारित कृषि अर्थव्यवस्था का समर्थन करना।
- उत्पाद:
    - मुख्य उत्पाद लैवेंडर का तेल है जो कम-से-कम 10,000 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से बिकता है।
    - लैवेंडर जल जो लैवेंडर के तेल से अलग होता है, अगरबत्ती बनाने के लिये प्रयोग किया जाता है।
    - हाइड्रोसोल, जो फूलों से आसवन के बाद बनता है, साबुन और फ्रेशनर बनाने के लिये उपयोग किया जाता है।
- महत्त्व:
    - यह वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की सरकार की नीति के अनुरूप है।
    - यह नवोदित किसानों व कृषि उद्यमियों को आजीविका के साधन प्रदान करने में मदद करेगा और स्टार्ट-अप इंडिया अभियान को बढ़ावा देगा, साथ ही इस क्षेत्र में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देगा।
        - बैंगनी क्रांति से तकरीबन 500 से अधिक युवाओं ने लाभ उठाया और अपनी आय को कई गुना बढ़ाया।

प्रश्न 285:

उत्तर: D

व्याख्या:

- सरकार ने कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न किसी भी प्रकार की आपातकालीन या संकटपूर्ण स्थिति से निपटने हेतु 'आपात स्थितियों में प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत कोष' (PM CARES) की स्थापना की है।
- पीएम-केयर्स फंड एक सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट है, जिसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है। अन्य सदस्यों के रूप में रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री शामिल होते हैं। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह कोष सूक्ष्म-दान को सक्षम बनाता है यानी इसमें राशि की सीमा निर्धारित नहीं की गई है, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोग योगदान करने में सक्षम होते हैं।
- यह कोष आपदा प्रबंधन क्षमताओं को मज़बूत करने के साथ ही नागरिकों की सुरक्षा हेतु अनुसंधान को प्रोत्साहित करेगा।
- पीएम-केयर्स फंड में किया गया योगदान 'कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी' (CSR) के रूप में योग्य है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.286

उत्तर: A

व्याख्या:

- स्वास्थ्य देखभाल व उपचार की पारंपरिक एवं गैर-पारंपरिक प्रणालियों में आयुर्वेद (Ayurveda), योग (Yoga), प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी (Unani), सिद्ध (Siddha), सोवा-रिग्पा (Sowa-Rigpa) व होम्योपैथी (Homoeopathy) आदि शामिल हैं।
    - एलोपैथी आयुष का हिस्सा नहीं है। अत: कथन 1 सही है लेकिन कथन 2 सही नहीं है।
- आयुष क्षेत्र का बाज़ार वर्ष 2014-20 में 17% बढ़कर 18.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया है।
- वैश्विक हिस्सेदारी में भारत ने दुनिया की तुलना में आयुष बाज़ार में तेज़ी से बढ़त हासिल की है तथा उसका बाज़ार में लगभग 2.8 प्रतिशत हिस्सा है और इसके बने रहने की संभावना है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- आयुष बाज़ार वर्तमान में लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है तथा अगले पाँच वर्षों के दौरान इसमें 50% की वृद्धि की संभावना है।

Q.287

उत्तर: C

व्याख्या:

- सशस्त्र बल (विशेषाधिकार) अधिनियम सशस्त्र बलों और "अशांत क्षेत्रों" में तैनात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को बिना बिना वारंट के गिरफ्तार करने, मारने और अभियोजन तथा कानूनी मुकदमों के बिना किसी भी परिसर की तलाशी लेने के लिये निरंकुश शक्तियाँ प्रदान करता है। अत: कथन 1 सही है।
- सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (AFSPA) वर्ष 1958 में एक अध्यादेश के माध्यम से लाया गया था तथा तीन माह के भीतर ही इसे कानूनी जामा पहना दिया गया था।
- वर्ष 1972 में कुछ संशोधनों के बाद AFSPA के तहत केंद्र सरकार राज्यपाल की रिपोर्ट के आधार पर किसी राज्य या क्षेत्र को अशांत घोषित कर वहाँ केंद्रीय सुरक्षा बलों को तैनात कर सकती है। अत: कथन 2 सही है।

Q.288

उत्तर: C

व्याख्या:

भारत में बच्चों की स्थिति:

- हाल ही में NFHS-5 के सर्वेक्षण में बाल स्वास्थ्य और पोषण पर मिश्रित तस्वीर सामने आई है।
- एक तरफ इसके बाल मृत्यु दर में कमी, पोषण संकेतकों के स्तर में सुधार जैसे स्टंटिंग और वेस्टिंग आदि निश्चित सकारात्मक पहलू हैं। अत: कथन 1 सही है।
- दूसरी ओर इस दौर में बच्चों में एनीमिया की घटनाएँ NFHS 4 में 58.6% से बढ़कर 67.1% के खतरनाक स्तर पर पहुँच गई हैं, प्रमुख विशेषज्ञों का कहना है कि SDG लक्ष्य 2030 को पूरा करने के लिये और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है। अत: कथन 2 सही है

Q.289

उत्तर: B

व्याख्या:

- भाषा संगम:
  - यह 22 भारतीय भाषाओं (आठवीं अनुसूची की भाषाएँ) के दैनिक उपयोग में आने वाले बुनियादी वाक्य सिखाने के लिये एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - इसे राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) द्वारा विकसित किया गया है। अत: कथन 2 सही है।
  - इसके पीछे यह विचार है कि लोगों को अपनी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य भारतीय भाषा में बुनियादी बातचीत संबंधी कौशल हासिल करना चाहिये।
    - यह दीक्षा, ई-पाठशाला और 22 पुस्तिकाओं के माध्यम से उपलब्ध है।
- शुरू की गई अन्य पहलों में भाषा संगम मोबाइल एप और एक भारत श्रेष्ठ भारत (EBSB) क्विज़ एप शामिल हैं।

प्रश्न 290

उत्तर: A

व्याख्या:

इमिग्रेशन वीज़ा फॉरेनर्स रजिस्ट्रेशन ट्रैकिंग स्कीम:

- यह योजना आव्रजन, वीज़ा जारी करने, विदेशियों के पंजीकरण और देश में उनकी गतिविधियों पर नज़र रखने से संबंधित कार्यों को आपस में जोड़ने और अनुकूलित करने का प्रयास करती है। अत: कथन 1 सही है।
- इसका मुख्य उद्देश्य आप्रवास और वीज़ा सेवाओं का आधुनिकीकरण एवं उन्नयन करना है।
- इसे राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (National e-Governance Plan- NeGP) के तहत गृह मंत्रालय द्वारा शुरू की जाने वाली मिशन मोड परियोजनाओं में से एक के रूप में पहचाना और शामिल किया गया है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- इस परियोजना का विस्तार वैश्विक स्तर तक है और यह विश्व भर में स्थित 192 भारतीय मिशनों, भारत में 108 आप्रवासन चेक पोस्ट, 12 विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी तथा कार्यालय एवं 700 से अधिक विदेशी पंजीकरण अधिकारी, पुलिस अधीक्षक/पुलिस उपायुक्तों की सहायता से आव्रजन, वीज़ा जारी करने, विदेशियों के पंजीकरण और भारत में उनके आवागमन पर नज़र रखने से संबंधित कार्यों को आपस में जोड़ने व अनुकूलित करने का प्रयास करता है।
- IVFRT के प्रारंभ होने के बाद जारी किये गए वीज़ा और ओवरसीज़ सिटीज़न ऑफ इंडिया कार्ड की संख्या वर्ष 2014 के 44.43 लाख से बढ़कर 7.7% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से वर्ष 2019 में 64.59 लाख हो गई।

Q.291

उत्तर: A

व्याख्या:

- राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (NALSA) का गठन कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत किया गया था, इसे 9 नवंबर, 1995 को समाज के कमज़ोर वर्गों को मुफ्त और सक्षम कानूनी सेवाएँ प्रदान करने के लिये एक राष्ट्रव्यापी सार्वभौमिक ढाँचा स्थापित करने के लिये लागू किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- भारत का मुख्य न्यायाधीश इसका मुख्य संरक्षक होता है है और भारत के सर्वोच्च न्यायालय का द्वितीय वरिष्ठ न्यायाधीश प्राधिकरण का कार्यकारी अध्यक्ष होता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

Q.292

उत्तर: C

व्याख्या:

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) को राज्य सरकारों के साथ गठबंधन में पीएम-जेएवाई के प्रभावी कार्यान्वयन के लिये सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक स्वायत्त इकाई के रूप में गठित किया गया है। अत: कथन 1 सही नहीं है और कथन 2 सही है।
    - अन्य बातों के साथ इसमें AB PM-JAY नीतियों का निर्माण, परिचालन दिशा-निर्देशों का विकास, कार्यान्वयन तंत्र, राज्य सरकारों के साथ समन्वय, AB PM-JAY की निगरानी और नियंत्रण शामिल होंगे।
- राज्यों में राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (State Health Agency-SHA) आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB PM-JAY) के कार्यान्वयन हेतु ज़िम्मेदार राज्य सरकार का शीर्ष निकाय है।
- यह माध्यमिक देखभाल (जिसमें सुपर विशेषज्ञ शामिल नहीं है) के साथ-साथ तृतीयक देखभाल (जिसमें एक सुपर विशेषज्ञ शामिल है) हेतु प्रति परिवार 5 लाख रुपए की बीमा राशि प्रदान करता है जो पूरी तरह से सरकार द्वारा वित्तपोषित है। अत: कथन 3 सही है।

Q.293

उत्तर: C

व्याख्या:

- बजट, सरकार के 'व्यय', कर लगाने की योजना और अन्य लेनदेनों, जो अर्थव्यवस्था और नागरिकों के जीवन को प्रभावित करते हैं, का ब्लूप्रिंट होता है।
    - भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के अनुसार, एक किसी विशिष्ट वित्तीय वर्ष के केंद्रीय बजट को वार्षिक वित्तीय विवरण (AFS) कहा जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग का 'बजट प्रभाग' बजट तैयार करने हेतु उत्तरदायी नोडल निकाय है।
- बजट के घटक: केंद्रीय बजट के मुख्यत: तीन प्रमुख घटक होते हैं- व्यय, प्राप्तियाँ और घाटा। परिभाषा के आधार पर व्यय, प्राप्तियों और घाटे के कई वर्गीकरण और संकेतक हो सकते हैं। अत: कथन 2 सही है।

Q.294

उत्तर: C

व्याख्या:

- भारतीय दंड संहिता-1860 की धारा 498A वर्ष 1983 में भारतीय संसद द्वारा पारित की गई थी।
    - भारतीय दंड संहिता की धारा 498A एक आपराधिक कानून है।
- इसमें परिभाषित किया गया है कि यदि किसी महिला के पति या पति के रिश्तेदार ने महिला के साथ क्रूरता की है तो इसके लिये 3 वर्ष तक की कैद की सज़ा हो सकती है और जुर्माना भी हो सकता है।
- भारतीय दंड संहिता की धारा 498A महिला के खिलाफ हिंसा (VAW) के लिये सबसे बड़ा बचाव है, जो एक घर की चारदीवारी के भीतर होने वाली घरेलू हिंसा की वास्तविकता का प्रतिबिंब है। अत: विकल्प C सही है।

Q.295

उत्तर: A

व्याख्या:

पीएम गतिशक्ति:

- अक्तूबर 2021 में शुरू की गई मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिये 'पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं की समन्वित योजना एवं निष्पादन के उद्देश्य से शुरू की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना है।
- 'गतिशक्ति' एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो एकीकृत नियोजन एवं कार्यान्वयन हेतु रेलवे और रोडवेज़ सहित 16 मंत्रालयों की विकास परियोजनाओं को एक साथ लाता है।
- लॉन्च होने पर 'गतिशक्ति योजना' ने वर्ष 2019 में घोषित 110 लाख करोड़ रुपए की 'राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन' को अपने साथ शामिल कर लिया।
- इसके दायरे में आर्थिक परिवर्तन के सात इंजन (सड़क, रेलवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह, जन परिवहन, जलमार्ग और रसद अवसंरचना) शामिल होंगे।
- इसमें गतिशक्ति मास्टर प्लान के अनुसार, राज्य सरकारों द्वारा विकसित बुनियादी ढाँचा भी शामिल होगा। अत: विकल्प A सही है।

Q.296

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) ने विभिन्न स्तरों पर छात्रों का आकलन करने के लिये राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 के एक भाग के रूप में राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता फ्रेमवर्क (NHEQF) के लिये एक मसौदा जारी किया है।
- NHEQF का उद्देश्य एक समान पाठ्यक्रम या राष्ट्रीय सामान्य पाठ्यक्रम को बढ़ावा देना नहीं है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
    - इसका उद्देश्य सभी उच्च शिक्षा संस्थानों (Higher Education Institutions) को बेंचमार्किंग के एक सामान्य स्तर पर लाना/उन्नत करना है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।
- मसौदा ढाँचे में सीखने के स्तर "डिस्क्रीप्टर " या पैरामीटर की रूपरेखा दी गई है, जिसके आधार पर छात्रों का हर स्तर पर मूल्यांकन किया जा सकता है।
    - इन मापदंडों में सामान्य सीखने के परिणाम, संवैधानिक और नैतिक मूल्य, रोज़गार हेतु तैयार कौशल, उद्यमशीलता की मानसिकता तथा दूसरों के मध्य ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग शामिल है। अत: कथन 2 सही है।